Vol.22, Issue 2 | Annual Subscription ₹480

@NewsRotary
/RotaryNewsIndia

दिसंबर 2022

रोटरी समाचार

भारत

www.rotarynewsonline.org

Rotary

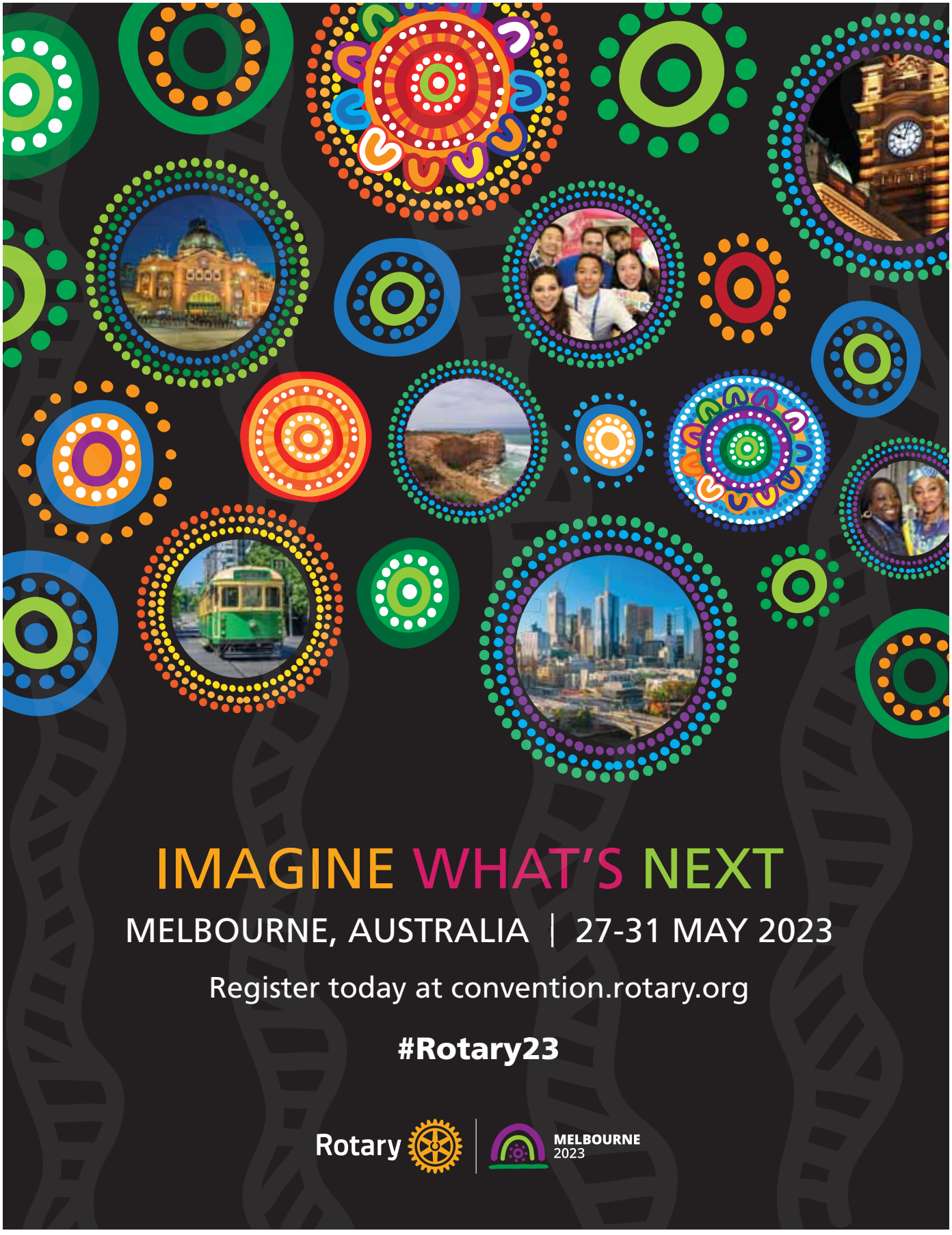
IMAGINE WHAT'S NEXT
MELBOURNE, AUSTRALIA | 27-31 MAY 2023
Register today at convention.rotary.org
#Rotary23
Rotary
MELBOURNE
2023

विषयसूची

12
रो ई मंडल 3141 मुंबई को हरा भरा बना रहा हैं

18
भारत ने रोटरी गोल्फ चैंपियनशिप में इतिहास रचा

24
अंगदान को बढ़ावा देने की डगर पर

28
रोटरी क्लब एलेप्पी ने विकलांग बच्चों को हाउसबोट की सैर का उपहार दिया

32
किसानों की आय बढ़ाने के लिए सोलर ड्रायर

34
मुंबई छात्रों के लिए लंच ब्रेक

36
शिमला में कैंसर रोगियों के लिए एक रोटरी हॉस्टल

38
नेत्रहीनों के लिए एक पुनर्वसन कार्यशाला

44
चमकीले गुलाबी रंग से लेकर सुखद पीले रंग तक

52
मेहरागांव की महिलाओं के लिए सिलाई मशीन

54
बाल कैंसर के खिलाफ रोटरी क्लब बैंगलोर साउथ वेस्ट का संघर्ष

60
मुकेश: दर्द के सम्राट

72
रोटरी कलपेट्टा डायलिसिस मशीन प्रदान करता है

76
दर्द करने वाले कंधों का इलाज

आपके पत्र

कश्मीर में रोटरी का शानदार काम

नवंबर अंक में कुपवाड़ा के आर्मी गुडविल स्कूल में कश्मीरी बच्चों की कवर पिक्चर शानदार है। कश्मीर में कल्याणकारी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए रो ई मंडल 3141 के नेतृत्वकर्ताओं और सदस्यों को बधाई। रोटरी अध्यक्ष जेनिफर जोन्स ने हमें संगठन को आगे ले जाने के लिए अपनी रोटरी कहानियों को दूसरों के साथ साझा करने और इसके लिए एक बेहतर भविष्य तैयार करने का आग्रह किया है। संपादक के संदेश, *उत्कृष्ट सेवा,* में बताया गया है कि कैसे मुंबई के रोटेरियनों ने ईद के दौरान कुपवाड़ा के लोगों की सहायता की।

रो ई निदेशक महेश कोटबागी पोलियो उन्मूलन में रोटरी द्वारा निभाई गई प्रमुख भूमिका के बारे में बता रहे है। रो ई के निदेशक ए एस वेंकटेश ने हमें अपने TRF योगदान में उदार होने के लिए कहा है। कवर स्टोरी *भारतीय सेना के आग्रह पर दूर दराज के इलाकों में पहुंचे मुंबई के रोटेरियन* पठनीय और दिलचस्प है। *जब राजकोट के पेड़े और भमरदा ने रोटरी को सौगात दिलवाई, रोटरी ने एक सरकारी स्कूल का जीर्णोद्धार किया, 80,000 लड़कियों के लिए एक विशाल सशक्तिकरण परियोजना, संबलपुरी साड़ी का जादू, केरल के व्यंजनों का स्वाद और सुगंध, और एक शांत दिमाग और सक्रिय शरीर अद्भुत काम कर*

सकता है, सभी पढ़ने के लिए उत्कृष्ट लेख है। *मंडल गतिविधियों* की तस्वीरें और उनके विवरण अच्छे है। अच्छे काम लिए संपादकीय टीम को बधाई!

फिलिप मुलापोन एम टी
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम, सबअर्बन
मंडल 3211

आकर्षक कवर तस्वीर ने मुझे DGE अरुण भार्गवा, रो ई मंडल 3141, और उनकी टीम की कहानी को पढ़ने के लिए प्रेरित किया, जो कश्मीर के ग्रामीणों तक पहुंच रही है और उनके जीवन और आजीविका को बेहतर बनाने के प्रयास कर रही है। इसके अलावा, ब्रिगेडियर विनोद नेगी द्वारा निभाई गई भूमिका, जिन्होंने ग्रामीणों की दुर्दशा के बारे में रोटेरियन को जानकारी दी, उल्लेखनीय है। हम इस बात पर गर्व कर सकते हैं कि रो ई मंडल 3141 टीम ने कुपवाड़ा गांव में अपने कल्याणकारी कार्यक्रमों को जारी रखने का फैसला किया है।

PPKM *शमीकुमार*
रोटरी क्लब वेल्होर साउथ
मंडल 3231

मानवता के लिए रोटरी की सेवा की कोई सीमा नहीं है। मैं मुंबई के उन रोटेरियनो की बात कर रहा हूं जो भारतीय सेना के आग्रह पर कश्मीर के ग्रामीणों तक पहुंचे।

जब भारतीय सेना के एक अधिकारी कर्नल प्रणय पवार ने कुपवाड़ा में LOC के करीब रहने वाले ग्रामीणों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए DGE अरुण भार्गवा से संपर्क किया, तो मुंबई से 16 रोटेरियन उड़ान भरकर कश्मीर पहुंचे और तुरंत हरकत में आ गए। चूंकि स्वास्थ्य सेवा पहाड़ी लोगों के लिए महत्वपूर्ण थी, इसलिए मुंबई के क्लबों द्वारा दो मोटरसाइकिल एम्बुलेंस दान की गईं।

यह गर्व की बात है कि रोटरी क्लब मुंबई पार्लेश्वर ने घुमंतू जनजाति भाकरवालों के जीवन विचारों के साथ उनकी आगामी परियोजनाओं के लिए उन्हें शुभकामनाएं।

शैलेश नंदुरकर
रोटरी क्लब पुणे वेस्टेएंड - मंडल 3131

लेख *80,000 लड़कियों के लिए एक विशाल सशक्तिकरण परियोजना* एक उत्कृष्ट परियोजना और एक बहुत अच्छी पहल है।

दिनकर बी पलासकर
रोटरी क्लब पुणे सहवास
मंडल 3131

मैं नवंबर के अंक में PRIP राजेंद्र साबू द्वारा अफ्रीकी देशों में उनके चिकित्सा मिशन के बारे में लेख पढ़ते हुए भावुक हो गया। प्रतिकूल परिस्थितियों में एक स्वयंसेवक के रूप में काम करने की वजह से, साबू सभी रोटेरियनों के लिए एक प्रेरणा है। कश्मीर घाटी के एक सुदूर इलाके में भारतीय सेना के साथ साझेदारी में मुंबई के रोटेरियनों द्वारा किया गया काम सराहनीय है। TRF के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्ति के लिए डॉ भरत पांड्या को बधाई।

ओमप्रकाश रावत
रोटरी क्लब नासिक - मंडल 3030

रशीदा भगत की संपादकीय, *उत्कृष्ट सेवा,* शानदार थी। इस तरह के एक अद्भुत सन्देश के लिए संपादक को बधाई। इसके अलावा, उनका लेख *केरल के व्यंजनों का स्वाद और सुगंध* शानदार था।

डैनियल चित्तिलापिल्ली
रोटरी क्लब कलूर - मंडल 3201

इतनी सारी लड़कियों को सशक्त बनाने की पहल वास्तव में एक शानदार और प्रभावशाली परियोजना है। रोटेरियन जिग्नेश और रोटरी क्लब बिबवेवाड़ी पुणे को दिल से बधाई; अद्वितीय

आपके पत्र

को बेहतर बनाने के लिए उन्हें 300 सोलर लैंप भेजे है। निश्चित रूप से, रोटरी दुनिया को जोड़ती है।

एन जगथीसन
रोटरी क्लब एलुरु
मंडल 3020

रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स उचित रूप से कहती है कि रोटरी पर लोगों के विचार भविष्य में संगठन को आकार देंगे, इस प्रकार उन्होंने रोटेरियनों से आग्रह किया कि वे अपने रोटरी पलों को समाज के बाकी लोगों के साथ साझा करें। संपादक रशीदा भगत के लेख *'उत्कृष्ट सेवा'* ने दुनिया में हो रही हिंसा पर प्रकाश डाला, जिसमें यूक्रेन युद्ध शामिल है। कश्मीर में रो ई मंडल 3141 रोटेरियनों द्वारा किया जा रहा कार्य सराहनीय है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा से संबंधित परियोजनाएं शुरू की है जो उनकी आजीविका को बढ़ाने में एक लंबा रास्ता तय करेंगी।

एस मुनियांडी
रोटरी क्लब डिंडीगुल फोर्ट - मंडल 3000

क वर स्टोरी वास्तव में दिल को छू लेने वाली थी। तथ्य कि कश्मीर, जो राजनीतिक उथल-पुथल और भारी हिंसा में उलझा हुआ है, को देश के बाकी हिस्सों से इस तरह का समर्थन मिलना, कुछ ऐसा है जिसे श्रेय मिलना चाहिए और इसका प्रचार किया जाना चाहिए। घाटी में सुरक्षा बलों और लोगों के बीच अच्छे तालमेल के विकास का समर्थन करना समय की मांग है और रोटरी ने एक अच्छी शुरुआत करने के लिए एक उपजाऊ क्षेत्र निर्मित किया है। मैत्री जो देखभाल का पोषण करती है और बिना शर्त प्यार प्रदान करती है, दिल और दिमाग में बदलाव ला सकती है। दुर्भाग्य से, एक डर होता है कि कश्मीर जैसे क्षेत्र में शांति और सौहार्द का माहौल बहुत लंबे समय तक नहीं टिक सकता है, इसलिए यह सबसे अच्छा है कि रोटरी जैसे संगठन हमारे सैनिकों और स्थानीय लोगों के बीच अविश्वास की खाई को पाटने के लिए कुछ ठोस काम करें। आइए हम सद्भाव और शांति को बढ़ावा देने के लिए अपना योगदान दें।

डॉ जयशेखरन वी पी,
रोटरी क्लब पय्यनूर - मंडल 3204

यह वास्तव में एक बहुत ही महान परियोजना है। DGE भार्गवा और उनकी टीम ने कश्मीर में जो काम किया है उसके लिए उन्हें सलाम।

पी वी विजयलक्ष्मी
रोटरी क्लब तिरुचिरापल्ली शक्ति
मंडल 3000

रोटरी समाचार में विज्ञापन दें

दर सूची

बैक कवर	₹1,00,000
इनर फ्रंट कवर	₹60,000
इनर बैक कवर	₹60,000
इनसाइड फुल पेज	₹30,000
हाफ पेज	₹20,000

विशेष विवरण

17 x 23 cm फुल पेज
17 x 11 cm हाफ पेज

केवल रंग में विज्ञापन

फ़ोन: 044 42145666
ईमेल: rotarynews@rosaonline.org

स्पष्टीकरण: अक्टूबर अंक में मीट योर गवर्नर्स कॉलम में की गई टिप्पणियों के संदर्भ में, पीडीजी गुरजीत सिंह सेखों, जोन 4 के रोटरी समन्वयक, स्पष्ट करने के लिए लिखते हैं कि रो ई मंडल 3080 को पिछले साल 86 का शुद्ध सदस्यता लाभ मिला था और इसमें इस साल अब तक 101 नए रोटेरियन जोड़े गए हैं। इसलिए, मंडल में सदस्यता में शुद्ध वृद्धि देखी गई है।

कवर पर: रोटरी क्लब बॉम्बे, रो ई मंडल 3141 द्वारा स्थापित मुंबई में कलिना बायोडायवर्सिटी पार्क का एक दृश्य।

हम आपकी प्रतिक्रियाओं का स्वागत करते है। अपनी प्रतिक्रियाएं rotarynews@rosaonline.org या rushbhagat@gmail.com पर संपादक को मेल कीजिए। rotarynewsmagazine@gmail.com पर उच्च रेसोल्यूशन वाली तस्वीरें अपनी परियोजना के विवरण के साथ मेल कीजिए।

आपके क्लब/मंडल परियोजनाओं के संदेश, Zoom मीटिंग/वेबिनार पर जानकारी और उसके लिंक केवल संपादक को ई-मेल द्वारा rushbhagat@gmail.com या rotarynewsmagazine@gmail.com पर भेजे जाने चाहिए।

WhatsApp पर भेजे संदेशों पर विचार नहीं किया जाएगा।

अधिक रोटरी परियोजनाओं के बारे में पढ़ने के लिए हमारी वेब साइट www.rotarynewsonline.org पर Rotary News Plus पर क्लिक करें।

एक वैश्विक संकट से लड़ने की उम्मीद

लुसाका, जाम्बिया, के बाहर रोटरी नेताओं के एक समूह के साथ बैठने के दौरान मैंने एक सवाल पूछा: आप में से कितने लोगों को कभी मलेरिया हुआ है? कमरे में मौजूद हर व्यक्ति का हाथ ऊपर हो गया। बल्कि उन्होंने मुझे पहली, दूसरी या तीसरी बार उन्हें हुई इस बीमारी के अनुभवों के बारे में बताना शुरू कर दिया जो अनेक विकासशील देशों में मृत्यु और बीमारी के मुख्य कारणों में से एक है।

वे भाग्यशाली है। उनके पास चिकित्सा उपचार और जीवन रक्षक दवाओं की पहुंच है। ग्रामीण जाम्बिया के लोगों की कहानी बहुत अलग है।

एक छोटे से गाँव में एक लकड़ी की बेंच पर मैं टीमोथी और उसके जवान बेटे नाथन के साथ बैठा। हमारी बातचीत को कैप्चर करने वाले एक कैमरा क्रू के साथ उन्होंने मुझे उस समय के बारे में बताया जब नाथन में मलेरिया के लक्षण दिखे। वह उस लड़के को पास में स्थित एक सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता के घर ले आए जहाँ नाथन को तुरंत उपचार मिला जिससे उसकी जान बच गई।

धीरे से, टीमोथी ने मुझे कुछ साल पहले इस बीमारी से जूझ रहे अपने दूसरे बेटे के बारे में बताया। उन्हें अपने बेटे को 5 मील से अधिक दूर स्थित एक मेडिकल क्लिनिक में ले जाना था। उन्होंने मुझे बताया कि अपने बच्चे को पीठ पर लादकर बाइक से ले जाते हुए उन्हें महसूस किया कि उनके बेटे के पैर ठंडे हो रहे है और फिर उसका नन्हा शरीर शिथिल हो जाता है। अंततः जैसे ही वह क्लिनिक पहुंचे, उन्होंने मदद के लिए पुकार लगाई लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। कैमरे की रिकॉर्डिंग बंद की गई और हम चुप हो गए। वह रोने लगे और मैंने उन्हें कसकर पकड़ लिया। मैंने अपना बेटा खो दिया, ''मैंने अपना बेटा खो दिया,'' वह कहते है।

यह कहानी उन सभी परिवारों के लिए बहुत जानी-पहचानी थी जिनसे हम अगले कुछ दिनों में मिले थे। और फिर भी उम्मीद है। रोटरी का पहला प्रोग्राम्स ऑफ स्केल अनुदान प्राप्तकर्ता मलेरिया मुक्त जाम्बिया के लिए साझेदार है और यह जीवन बचा रहा है।

जाम्बिया के दो प्रांतों में 2,500 स्वयंसेवक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को उनके समुदायों द्वारा चुना गया। उन्हें जरूरतमन्द लोगों के पास जाकर उन्हें चिकित्सा देखभाल प्रदान करने हेतु प्रशिक्षित किया गया और वे मलेरिया एवं अन्य बीमारियों का निदान और उपचार करने में सक्षम है।

जेनिफर जोन्स
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

लुसाका, जाम्बिया, के बाहर रोटरी नेताओं के एक समूह के साथ बैठने के दौरान मैंने एक सवाल पूछा: आप में से कितने लोगों को कभी मलेरिया हुआ है? कमरे में मौजूद हर व्यक्ति का हाथ ऊपर हो गया।

एस्तेर रूथ बाबाजि़

अध्यक्ष जोन्स टीमोथी (दाएं से दूसरे) और उनके बेटे नातन (दाएं) के साथ बातचीत में, जो मलेरिया से प्रभावित हुए थे। जाम्बिया में बीमारी और मृत्यु का एक प्रमुख कारण मलेरिया है।

गॉडफ्रे मुसोंडा, एक मलेरिया मुक्त जाम्बिया के लिए पार्टनर्स के माध्यम से प्रशिक्षित एक सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता के साथ अध्यक्ष जोन्स।

संपादक
का संदेश

जलवायु परिवर्तन का कहर...
और उम्मीद की किरण

आज जब पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा, रोटरी फोकस के दायरे में आ चुका है, जलवायु परिवर्तन की वैश्विक बैठकों में रोटरी नेतृत्व की सक्रिय सहभागिता देखने को मिल रही है। पिछले साल, COP26 बैठक में, तत्कालीन रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने भाग लिया था और इस वर्ष, मिस्र के शहर शर्म अल-शेख में आयोजित COP27 में, जेनिफर जोन्स ने भावुक होते हुए हम, पृथ्वी निवासीयों द्वारा अपने ग्रह को तीव्रता से, पारिस्थितिक क्षरण की ओर घसीटने पर रोटरी की चिंता दर्शाई।

लेकिन चिंता का विषय ये है कि कई वैश्विक बैठकों में, जैसा अक्सर होता रहा है कि दुनिया के राजनेता पर्यावरण के बारे में चिंता जताते तो हैं, बड़ी बड़ी बातें करते हैं, और वादे भी करते हैं, जिन्हें वे पूरा नहीं कर सकते, वहीं पर्यावरण कार्यकर्ता जो पूरी शिद्दत से धरती माँ के अवक्रमण को बचाने में जुटे हुए हैं, शायद ही किसी मंच पर या लोगों की नज़र में आ पाते हैं।

मिस्र के मानवाधिकार और पर्यावरण कार्यकर्ताओं के मामले को ही लें, जिन्हें अपने देश से निर्वासित कर दिया गया और वे दूर से विरोध प्रदर्शन देख रहे हैं, नागरिक अधिकारों पर चर्चा के दुर्लभ अवसर से वंचित हैं, क्योंकि इससे उनके वापस देश लौटने का अवसर खतरे में पड़ जाएगा। मानव और नागरिक स्वतंत्रता पर मिस्र के दबदबे के विरोध में हुए प्रदर्शन से COP27 सम्मलेन पर प्रदर्शन की काली परछाईं मंडरा गई है।

जलवायु शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने कड़ा रुख अपनाते हुए अपने भाषण में हमारे ग्रह के खतरों के बारे में चेतावनी दी और जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध लड़ाई का नेतृत्व करने और धनराशि देने का आश्वासन दिया। ''जलवायु संकट मानव, आर्थिक, पर्यावरण और राष्ट्रीय सुरक्षा और सबसे अधिक हमारे इस ग्रह के जीवन से सम्बंधित है,'' उन्होंने कहा।

लेकिन जब ऐसे महत्वपूर्ण विषयों की चर्चा होती है तो मिस्र कोई अपवाद नहीं है । मलेशिया में आम चुनावों के प्रचार के अंतिम दिनों में, आर्थिक मुद्दों ने पर्यावरणीय मुद्दों पर वरीयता ले ली, और देश में अचानक आई बाढ़ के कारण हुए प्रचंड विध्वंस ने , हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया था, और नवंबर के चुनाव में प्रमुख उम्मीदवारों के अभियान में और भाषणों में जलवायु परिवर्तन से संबंधित मामले और पर्यावरण काफी हद तक नदारद था।

लेकिन यहां भारत में हमें चिंता करने की कोई ज़रुरत नहीं है। कितनी बार आपने हमारे राजनेताओं को भारत में हो रहे पर्यावरणीय क्षरण के बारे में बात करते सुना है? वे केवल नौकरियां पैदा करने और अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के झूठे और काल्पनिक वादे करते हैं, और हाँ अपने राजनीतिक विरोधियों को ज़रूर कोसते और गाली देते हैं।

जब जलवायु परिवर्तन की बात आती है, तो अफ्रीका सबसे अधिक प्रभावित होता है, बावजूद इसके कि इस परिवर्तन के लिए वो सबसे कम जिम्मेदार है। हम कह सकते हैं कि गरीबी, अज्ञानता और अशिक्षा के कारण वहां जागरूकता की बहुत कमी है, भारत की तरह ही। और यह भी हम प्रत्यक्ष अनुभव कर चुके हैं कि प्राकृतिक आपदाओं के लिए जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के विध्वंसकारी प्रभाव कितने जिम्मेदार होते हैं, भारत और अफ्रीका दोनों देशों में।

लेकिन जैसा कि पर्यावरण विशेषज्ञ बताते हैं, अफ्रीका में भी अक्षय ऊर्जा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, दुनिया को स्वच्छ ऊर्जा विकास की संभावनाएं दिखाने के लिए आज बिलकुल सही जगह और समय है जिससे विश्व के लोगों का जीवन और आजीविका बेहतर हो सकती है। एक थिंक टैंक है, पावर शिफ्ट अफ्रीका (पीएसए) जो महाद्वीप के भीतर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अफ्रीकी दृष्टिकोण से अत्याधुनिक विश्लेषण, समाधान-केंद्रित नीतिगत विचार और नवीनतम मीडिया एंगेजमेंट उपलब्ध कराता है। जलवायु परिवर्तन में रुचि रखने वालों के लिए पीएसए पर पढ़ना अधिक अच्छा होगा, जिसका मिशन अफ्रीका में जलवायु कार्रवाई जुटाना, मीडिया और सार्वजनिक संचार में दृश्यता बढ़ा कर अफ्रीकी आवाज़ों को बुलंद करना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस आवाज़ का लाभ उठाना है।

लेकिन क्या इतना बुरा और नकारात्मक है सब कुछ? नहीं। इस सम्बन्ध में रोटरी क्लब बॉम्बे - पर्यावरणीय असंतुलन को रोकने के लिए जो छोटे छोटे किन्तु महत्वपूर्ण प्रयास कर रही है, उसे जानने के लिए हमारी कवर स्टोरी पढ़ें। और पूरे भारत में रोटेरियनों द्वारा विकसित किये जा रहे मियावाकी जंगलों की संख्या पर एक नज़र डालें... मुस्कराहट लाने के लिए काफी है!

रोटरी न्यूज़ की ओर से आपको 2023 की शुभकामनाएं!

रशीदा भगत

गवर्नर्स काउंसिल

RID 2981 सेल्वनाथन वी
RID 2982 सरवनन पी
RID 3000 आई जेराल्ड
RID 3011 अशोक कंटूर
RID 3012 डॉ ललित खन्ना
RID 3020 भास्कर राम वी
RID 3030 डॉ आनंद ए झुंझुनूवाला
RID 3040 जिनेंद्र जैन
RID 3053 राजेश कुमार चुरा
RID 3054 डॉ बलवंत एस चिराना
RID 3060 श्रीकांत बालकृष्ण इंदानी
RID 3070 डॉ दुष्यंत चौधरी
RID 3080 कल्टा वी पी
RID 3090 गुलबहार सिंह रेटोले
RID 3100 दिनेश कुमार शर्मा
RID 3110 पवन अग्रवाल
RID 3120 अनिल अग्रवाल
RID 3131 डॉ अनिल लालचंद परमार
RID 3132 रुक्मेश पन्नालालजी जकोटिया
RID 3141 संदीप अग्रवाला
RID 3142 कैलाश जेठानी
RID 3150 तल्ला राजा शेखर रेड्डी
RID 3160 वोम्मिना नागा सतीश बाबू
RID 3170 वेंकटेश एच देशपांडे
RID 3181 एन प्रकाश कारंथ
RID 3182 डॉ जयगौरी हदीगाल
RID 3190 जीतेंद्र अनेजा
RID 3201 राजमोहन नायर एस
RID 3203 बी इलंगकुमारन
RID 3204 वी वी प्रमोद नयनार
RID 3211 के बाबूमोन
RID 3212 मुत्तु वी आर
RID 3231 पलनी जे के एन
RID 3232 डॉ नंदकुमार एन
RID 3240 कुषाणवा पाबि
RID 3250 संजीव कुमार ठाकुर
RID 3261 शशांक रस्तोगी
RID 3262 प्रवुदत्त सुबुद्धि
RID 3291 अजॉय कुमार लॉ

प्रकाशक एवं मुद्रक पीटी प्रभाकर द्वारा रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट के लिए रासी ग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 40, पीटर्स रोड, रोयापेट्टा, चेन्नई - 600 014 से मुद्रित एवम दुगर टावर्स, तीसरा फ्लोर, 34, मार्शल रोड, एग्मोर, चेन्नई से प्रकाशित। संपादक : रशीदा भगत।

प्रकाशित सामग्री में अभिव्यक्त विचार योगदानकर्ताओं के स्वतंत्र विचार हैं, और आवश्यक नहीं कि वे रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट (आरएनटी) के संपादक या रोटरी इंटरनेशनल के ट्रस्टी के विचारों से मेल खाते हों। संपादकीय या विज्ञापन सामग्री से होने वाली किसी भी क्षति के लिए आरएनटी जिम्मेदार नहीं होगा। लेख और रचनाओं का स्वागत है किन्तु उन्हें संपादित किया जा सकता है। प्रकाशित सामग्री का आरएनटी की अनुमति सहित, यथोचित श्रेय देते हुए प्रयोग किया जा सकता है।

Website

निदेशकों

नए साल का उपहार

नया साल हमारे सामने है, एक अध्याय की तरह जो लिखे जाने का इंतजार कर रहा है। हम सभी को 365 दिन ही मिलते है। फर्क बस इतना है कि हम उनके साथ क्या करते है। यह वर्ष का वह समय है जब हम नए संकल्प लेते हैं और नए लक्ष्य निर्धारित करते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या साल की शुरुआत में संकल्प निर्धारित करना एक अच्छा विचार है? क्या हमने पिछले साल निर्धारित किए लक्ष्यों को हासिल कर लिया है?

शुरुआत करना ही आगे बढ़ने का रहस्य है। जैसा कि कहा जाता है, एक साल में केवल दो दिन ऐसे होते है जब कुछ भी नहीं किया जा सकता। एक बीता कल है और दूसरा आने वाला कल है। आज नई शुरुआत करने के लिए सही दिन है, तो चलो शुरू करते है। आइए हम हम सामाजिक और पर्यावरणीय कारणों के लिए जुनून को फिर से जगाए, अपने शौकों को पूरा करे, और उन फिटनेस लक्ष्यों को पूरा करें जिन्हें हमने दैनिक जीवन के दबावों के कारण उपेक्षित किया था।

नए वर्ष का संकल्प लेना एक ऐसी परंपरा है जहां एक व्यक्ति अच्छी आदतों को जारी रखने, एक अवांछित आदत या व्यवहार को बदलने, या वर्ष के दौरान एक व्यक्तिगत लक्ष्य को पूरा करने का संकल्प लेता है। हाल ही की एक रिपोर्ट में, 35 प्रतिशत प्रतिभागी जो अपने नए वर्ष के संकल्प को पूरा नहीं कर पाए उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अवास्तविक लक्ष्य निर्धारित किए थे, 33 प्रतिशत ने अपनी प्रगति का ट्रैक नहीं रखा, और 23 प्रतिशत उनके बारे में भूल गए। उत्तर देने वालों में से 10 लोगों ने दावा किया कि उन्होंने बहुत सारे संकल्प किए थे।

ब्रिस्टल विश्वविद्यालय के रिचर्ड वाइसमैन द्वारा 3,000 लोगों को शामिल करके किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि जो लोग नए साल के संकल्प निर्धारित करते है, उनमें से 88 प्रतिशत असफल हो जाते है, भले ही 52 प्रतिशत शुरुआत में सफलता के प्रति आश्वस्त थे। पुरुषों ने अपने लक्ष्यों को 22 प्रतिशत अधिक हासिल किया, जब उन्होंने छोटे और मापने योग्य लक्ष्य निर्धारित किए... उदाहरण के लिए, केवल वजन कम करने के बजाय सप्ताह में एक किलो वजन कम करना।

हम रोटेरियनों को दुनिया में अच्छा करते हुए अपने परिवार के समय, स्वास्थ्य, वित्त और व्यावसायिक हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए क्योंकि हमारे संगठन को ऐसे सफल लोगों की आवश्यकता है जो अपनी जीवन शैली को संतुलित कर सकें।

रोटेरियनों को एक उचित व्यवहार अपनाना चाहिए और ईमानदारी के साथ कार्य करना चाहिए, युवा लोगों को सलाह देने के लिए अपने पेशेवर कौशल का उपयोग करना चाहिए, लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना चाहिए और ऐसा व्यवहार करने से बचना चाहिए जो रोटरी या अन्य रोटरी सदस्यों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

चलिए नए साल और आने वाले सालों को आपको अपने समुदाय को सर्वश्रेष्ठ देने की संतुष्टि देने दे।

महेश कोटबागी
रो ई निदेशक, 2021-23

का संदेश

अपनी रोटरी कहानी दुनिया को बताएं

इतने सालों में रोटरी ने दुनिया भर में बहुत कुछ किया है जिसपर हम सभी को बहुत गर्व है। रोटरी द्वारा लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से बदलने की अनेक कहानियां है। उसी तरह रोटरी द्वारा रोटेरियनों के जीवन को बदलने की भी अनेक कहानियां है जब उन्होंने खुद रोटरी के जादू अनुभव किया।

हम सभी को इस संगठन में अपनी सदस्यता होने पर गर्व है लेकिन मैं इस सवाल का जवाब चाहता हूँ कि इस संगठन के विकास के लिए हम में से कितने लोगों ने अपने इस गर्व का फायदा उठाया। हम में से कई लोगों के पास कहने के लिए एक कहानी है लेकिन क्या हम अपनी कहानी कहने की जहमत उठाते है? पोलियो उन्मूलन में रोटरी की सफलता की कहानी ऐसी है जिसके बारे में बात करके हम सभी बहुत खुश होते है। जबकि मैं स्वीकार करता हूँ कि पोलियो प्लस वास्तव में एक आश्चर्यजनक सफलता है लेकिन एक कटु सत्य यह भी है कि हमारे क्षेत्र के अनेक वर्तमान रोटेरियनों की इसमें कोई प्रत्यक्ष भागीदारी नहीं है। हम में से कई लोग अपने पूर्व नेताओं के दृष्टिकोण और उनकी कड़ी मेहनत का महिमामंडन करके ही बहुत खुश होते है।

अब हमारी व्यक्तिगत कहानी बताने का समय आ गया है। यह प्रत्येक रोटेरियन की जिम्मेदारी है कि वह जागरूकता के साथ खुद से रोटरी का ब्रांड एंबेसडर बने। यह प्रक्रिया हर समय हमारे द्वारा रोटरी पिन पहनने के साथ शुरू होती है न कि केवल हमारी क्लब बैठकों में ही पहनने से। यह संभवतः किसी ऐसे व्यक्ति के साथ रोटरी के बारे में बातचीत करने का एक प्रारंभिक बिंदु हो सकता है जो भले अभी हमारे संगठन का सदस्य न हो लेकिन भविष्य में हो सकता है। दूसरा, अपनी खुद की कहानी तैयार रखें। एक अनुभव जो रोटरी ने आपको दिया जिसने आपको उसपर विश्वास दिलाया है ताकि आप अपनी सदस्यता बरकरार रखें। उस कहानी से बेहतर कुछ और नहीं हो सकता जिसमें आप खुद शामिल हो। ऐसी कहानी के प्रभाव और प्रासंगिकता को कभी कम नहीं आंका जा सकता। तीसरा, यह सुनिश्चित करें कि हम दूसरों के लिए रोटरी के जादू का अनुभव करने हेतु जितना संभव हो उतने अवसर पैदा करें ताकि वे भी इस संगठन के विकास में अपनी भूमिका निभा सकें।

एक ब्रांड एंबेसडर होना हमारा चयन है जिसे हम में से हर एक को करना चाहिए। जब हम इस महान निकाय की सदस्यता को स्वीकार करते है तो यह हमारी एक जिम्मेदारी बन जाती है जिसके लिए हम प्रतिबद्ध है। पिछले 11 दशकों से हमारे पूर्व रोटेरियनों के काम के फल का आनंद लेना हमारा सौभाग्य है। हमारा भी यह कर्तव्य है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों द्वारा फल प्राप्त किए जाने हेतु आज बीज बोएं। तो चलिए हम गर्व के साथ अपनी कहानी बताएं।

ए एस वेंकटेश
रो ई निदेशक, 2021-23

न्यासी मंडल

ए एस वेंकटेश **रो ई निदेशक और अध्यक्ष, रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट**	RID 3232
डॉ महेश कोटबागी **रो ई निदेशक**	RID 3131
डॉ भरत पांड्या **टीआरएफ ट्रस्टी**	RID 3141
राजेंद्र के साबू	RID 3080
कल्याण बेनर्जी	RID 3060
शेखर मेहता	RID 3291
पांडुरंगा सेट्टी	RID 3190
अशोक महाजन	RID 3141
पी टी प्रभाकर	RID 3232
डॉ मनोज डी देसाई	RID 3060
सी भास्कर	RID 3000
कमल संघवी	RID 3250
गुलाम ए वाहनवती	RID 3141

रो ई निदेशक-निर्वाचित

अनिरुधा रॉय चौधरी	RID 3291
टी एन सुब्रमण्यन	RID 3141

कार्यकारी समिति के सदस्य (2022-23)

डॉ दुष्यंत चौधरी **अध्यक्ष,गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3070
वेंकटेश एच देशपांडे **सचिव, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3170
डॉ एन नंदकुमार **कोषाध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3232
दिनेश कुमार शर्मा **सलाहकार, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3100

संपादक
रशीदा भगत

उप संपादक
जयश्री पद्मनाभन

प्रशासन और विज्ञापन प्रबंधक
विश्वनाथन के

रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट
3rd फ्लोर, दुगर टावर्स, 34 मार्शल रोड, एग्मोर
चेन्नई 600 008, भारत
फोन: 044 42145666
rotarynews@rosaonline.org
www.rotarynewsonline.org

Magazine

हमारे साझा मूल्य

हम सभी रोजाना हजारों नहीं तो सैकड़ों फैसले लेते है। जब भी मुझे एक महत्वपूर्ण निर्णय लेने की आवश्यकता होती है तो मुझे वॉल्ट डिज्नी कंपनी के सह-संस्थापक रॉय डिज्नी के शब्द याद आते है: ''जब आप जानते है कि आपका मूल्य क्या है तो निर्णय लेना आसान होता है।''

हम में से प्रत्येक हमारे क्लबों में व्यक्तिगत मूल्यों का एक सेट लाते है। रोटरी भी मूल्यों के एक सेट से बनी है - सेवा, फैलोशिप, विविधता, अखंडता और नेतृत्व - जो हमारे निर्णयों का मार्गदर्शन करने के साथ हमें कार्यवाही करने हेतु प्रेरित करते है और ऐसा करके दुनिया को बदलते है।

एक और मूल्य है जो रोटरी के लिए अटूट है: हमारी देने की भावना। सेवा परियोजनाओं के लिए अपनी इच्छा से अपना समय देने वाले क्लब के सदस्यों से लेकर हमारे संस्थान को बनाए रखने वाली आर्च क्लंफ सोसाइटी के रोटरी नेताओं तक, रोटरी सदस्य उन सबसे उदार लोगों में से है जिनसे मैं कभी मिला हूँ। अनगिनत तरीकों के साथ हमारी व्यक्तिगत उदारता का संयोजन करके रोटरी हमें दुनिया को वापस देने में सक्षम बनाकर अच्छा इंसान बनाती है।

रोटरी में हम इसे एक कदम आगे ले जाते है। हम अच्छे प्रबंधन, योजना और स्थिरता को भी महत्व देते है। हम रोटरी को केवल देते नहीं है बल्कि स्मार्ट तरीके से देते है। हम जानते है कि हमारी परियोजनाओं में स्थिरता का निर्माण करने का मतलब है कि उनका प्रभाव लंबी अवधि तक महसूस किया जाए।

यह कहना काफी कम है कि रोटरी को देने में हमें भी कुछ प्राप्त होता है। दुनिया भर में सैकड़ों संस्थान परियोजनाओं का दौरा करने के बाद मैं आपको बता सकता हूँ कि बदले में हमें जो उपहार मिलता है वह अनमोल है।

मुझे उम्मीद है कि आप भी उतने ही भाग्यशाली होंगे जितना कि मैं भारत के चेन्नई के एक नेत्र क्लिनिक में एक व्यक्ति के चेहरे पर उस विस्मय को देखकर हुआ जो अब स्पष्ट रूप से देख सकता है। ग्वाटेमाला के बच्चों की गौरवान्वित मुस्कुराहट जो अब रोटरी की वजह से पढ़ सकते है। या फिर पाकिस्तान के एक माता-पिता की आँखों से झलकने वाले आभारी आंसू जिनके बच्चे को पोलियो वैक्सीन की दो बूंदें मिली। तब आप समझेंगे कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूँ। हम बहुत भाग्यशाली है कि हमें अपने संस्थान का समर्थन करके मानवता की सेवा करने का मौका मिला।

देने के इस मौसम के दौरान, मैं TRF के प्रति आपकी उदारता के लिए आपको धन्यवाद देना चाहता हूँ।

इयान एच एस राइसली
ट्रस्टी अध्यक्ष, द रोटरी फौउंडेशन

हर तरफ कला ही कला

ई वी ए रेमिजान — टोबा

सार्वजनिक कला मेलबोर्न का मुख्य आकर्षण है, और भित्तिचित्रों और भित्तिलेखन से भरे शहर के बाहरी प्रतिष्ठानों और गलियों की खोज करना 2023 रो ई कन्वेंशन 27-31 मई को शहर में होने पर इसकी सुंदरता और रचनात्मकता का अनुभव करने का एक तरीका है।

विभिन्न प्रकार के पसंदीदा स्ट्रीट आर्ट स्पॉट देखने के लिए सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट से गुजरें। कोबब्लस्टोन होज़ियर लेन, सबसे प्रसिद्ध प्रदर्शनों में से एक, कला से रंग के साथ फ़ैल जाता है और रात भर में बदल जाता है क्योंकि लोग लगातार शहर - स्वीकृत भित्तिचित्र पर पेंट करते हैं। कुछ ब्लॉक दूर, हार्ड - चार्जिंग बैंड से पौराणिक रॉकर्स के चित्रों पर नजर डालें तो संकीर्ण AC/DC लेन इसका नाम है। सड़क कला के रेतीला अनुभव लेने के लिए कोने से मुड़ने पर डकबोर्ड प्लेस के साथ परिष्कृत रेस्तरां को परिधान करता है।

सड़क एक आउटडोर गैलरी बन गई है जो फ्रेम की गई कला, चिपकाए गए पोस्टर और मूर्तिकला मिनी-इंस्टॉलेशन के उदार संचय के साथ कतार से सजाई गयी हैं।

यारा नदी के किनारे एक पार्क में, जो मेलबोर्न के दिल से होकर गुजरता है, आप फेडरेशन बेल्स के बीच चल सकते हैं। सरकार ने 2001 की शताब्दी के लिए 39 उलटी घंटियाँ लगायीं, जब महाद्वीप के छह ब्रिटिश उपनिवेश एक राष्ट्र बन गए। पेडस्टल और डंडे पर पीतल की घंटी दिन में तीन बार विभिन्न संगीतकारों के संगीत बजाती हैं।

शहर के चारों ओर मूर्तिकला की तलाश करें। आप एक गगनचुंबी इमारत के बाहर विशाल सुनहरी मधुमक्खियों का एक समूह देख सकते हैं, जो एक पुस्तकालय भवन की तरह दिखता है, जो फुटपाथ की तरफ है, और एक पेड़ पर एक उलटी गाय दिखेगी।

अधिक जानने और रजिस्टर करने के लिए
convention.rotary.org पर जाएँ।

Rotarians!

Visiting Chennai for business?

Looking for a compact meeting hall?

Use our air-conditioned Board Room with a seating capacity of 16 persons at the office of the Rotary News Trust.

Tariff:

₹2,500 for 2 hours
₹5,000 for 4 hours
₹1,000 for every additional hour

Phone: 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org

रोटरी संख्या

रोटरी क्लब	:	37,050
रोटरेक्ट क्लब	:	11,445
इंटरेक्ट क्लब	:	18,913
आरसीसी	:	12,605
रोटरी सदस्य	:	1,201,081
रोटरेक्ट सदस्य	:	201,785
इंटरेक्ट सदस्य	:	434,999

नवंबर 16, 2022 तक

सदस्यता सारांश

1 नवंबर 2022 तक

रो ई मंडल	रोटरी क्लब	रोटेरियनों की संख्या	महिला रोटेरियन (%)	रोटरेक्ट क्लब	रोटरेक्ट सदस्य	इंटरेक्ट क्लब	आरसीसी
2981	135	6,652	7.74	65	336	55	243
2982	79	3,619	7.18	49	1,233	107	76
3000	131	5,453	10.14	100	1,595	314	214
3011	123	4,653	27.27	82	2,689	137	37
3012	150	3,773	22.98	73	1,465	86	61
3020	85	5,111	7.45	35	891	168	350
3030	98	5,396	15.27	127	2,333	360	382
3040	111	2,678	14.38	59	828	85	190
3053	74	2,983	17.73	35	555	54	128
3054	174	7,241	20.56	115	7,629	204	574
3060	105	5,002	15.03	66	2,441	81	152
3070	127	3,394	16.74	48	629	63	59
3080	108	4,364	13.29	148	2,610	210	118
3090	103	2,534	6.91	46	713	113	164
3100	100	2,139	9.68	14	83	33	151
3110	150	3,990	12.38	14	98	33	106
3120	92	3,784	15.99	62	607	36	55
3131	143	5,794	24.47	123	2,550	252	143
3132	91	3,660	12.98	35	589	126	168
3141	109	6,168	26.65	147	9,274	200	126
3142	104	3,967	20.95	87	2,431	148	88
3150	111	4,453	13.27	147	2,032	153	120
3160	78	2,734	9.69	31	333	20	82
3170	146	6,658	15.82	99	1,771	264	176
3181	87	3,658	9.87	36	461	220	117
3182	88	3,777	10.06	45	165	132	106
3190	166	6,899	19.74	209	7,442	279	73
3201	165	6,470	9.80	126	2,374	108	88
3203	94	5,037	8.04	74	857	238	38
3204	74	2,548	9.14	23	201	33	13
3211	155	5,170	8.68	8	113	29	133
3212	128	4,859	11.46	84	3,531	297	153
3231	97	3,604	8.60	34	299	99	417
3232	174	7,706	19.17	133	17,639	241	100
3240	110	3,789	17.26	69	1,529	413	226
3250	105	4,006	21.22	66	1,184	80	188
3261	93	3,332	19.18	17	50	26	44
3262	129	4,267	15.16	76	811	655	277
3291	159	4,137	25.02	138	2,098	111	688
India Total	**4,551**	**175,459**		**2,945**	**84,469**	**6,263**	**6,624**
3220	72	2,151	16.27	97	5,356	144	76
3271	143	3,132	17.88	156	2,450	223	28
3272	161	1,911	17.53	70	930	22	47
3281	310	8,233	18.69	279	2,717	156	207
3282	185	3,764	10.57	202	1,617	49	47
3292	155	5,965	18.21	182	5,361	143	133
S Asia Total	**5,577**	**201,111**		**3,931**	**102,900**	**7,000**	**7,162**

स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

Rotary PEOPLE OF ACTION

रो ई मंडल 3141 मुंबई को हरा भरा बना रहा हैं

रशीदा भगत

बाएं से: एनवायरनमेंट एवेन्यू की निदेशक श्री नंदी, डीजी संदीप अग्रवाला, मूर्तिकार अर्ज़न खंबाटा, रोटरी क्लब बॉम्बे के अध्यक्ष विनीत भटनागर और पार्क वास्तुकार अभिषेक कवितकर।

जनवरी 2021 की बात है, रो ई मंडल 3141 के गवर्नर संदीप अग्रवाला, तत्कालीन डीजीएन के रूप में, अपने भावी कार्यकाल की प्रमुख परियोजनाओं की रूपरेखा बना रहे थे, उस समय उन्होंने रोटरी के नवीनतम फोकस क्षेत्र - पर्यावरण संरक्षण क्षेत्र में कुछ बड़ा करने की ठानी थी। ''मैं मुंबई में एक स्थायी और विशाल हरे फेफड़े विकसित करना चाहता था और इस दीर्घकालिक स्थायी परियोजना के लिए एक उपयुक्त जगह ढूंढनी शुरू कर दी।'' उन्होंने भारतीय रेलवे और अन्य संगठनों की ज़मीन देखी भी थी। ''लेकिन इसके साथ ढेर सारी पाबंदियां भी थीं कि हम क्या कर सकते थे और क्या नहीं। सम्बंधित विभागों से अनुमति और कार्यों की मंजूरी प्राप्त करना भी टेढ़ी खीर साबित हो रहा था।''

इस सम्बन्ध में संभावित स्थानों का सुझाव मांगने के लिए जब उन्होंने मंडल के अन्य रोटेरियनों से संपर्क किया, उन्हें मालूम पड़ा कि मुंबई विश्वविद्यालय के कलिना परिसर में एक बड़ा पार्क है, जिसको जीर्णोद्धार की आवश्यकता है।

रोटरी क्लब मुंबई वरसोवा के पूर्व अध्यक्ष राजेश चौधरी के विश्वविद्यालय के साथ अच्छे संबंध हैं और इनका क्लब पहले भी यहां के अकादमिक निकाय के साथ यहां वृक्षारोपण और कचरा प्रबंधन का काम कर चुका है, अग्रवाला से मंजूरी मिल जाने के बाद उन्होंने शुरूआती कार्य किया। ''50,000 वर्ग फुट के क्षेत्र में पार्क फैला हुआ है, जिसमें एक झील सहित विशाल 18,000 वर्ग फुट का जल निकाय हैं,'' वे कहते हैं। ''यह पार्क कई साल पहले विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किया गया था, लेकिन अब यह एक जीर्ण शीर्ण अवस्था में था और विश्वविद्यालय फिर से इसका पुनरुद्धार करना चाहता था।''

''हमने विश्वविद्यालय के बोर्ड पर आने के साथ, एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसमें हम जो करना चाहते थे उसका और आगामी अगले 10 वर्षों में इसके सतत प्रबंधन और व्यवस्था का ब्यौरा था और साथ ही हमने प्रायोजकों की तलाश शुरू कर दी,'' डी जी कहते हैं।

शीघ्र ही सीएसआर पार्टनर के रूप में एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी बोर्ड में शामिल हो गई और पार्क की काया पलटने के लिए उन्होंने ₹2 करोड़ दिए जिससे ये एक शैक्षिक और टिकाऊ उद्यम में परिवर्तित हो कर, पर्यावरण रक्षा की आवश्यकता पर जागरूकता को बढ़ावा देगा और इसके लिए आवश्यक कदम सुझाएगा। इस राशि के अलावा पार्क के रख-रखाव के लिए हर साल ₹20-25 लाख की भी जरूरत होगी। अभी उनके अपने क्लब - रोटरी क्लब बॉम्बे ने उस पैसे का योगदान दिया है लेकिन भविष्य में इसके वार्षिक रख रखाव के लिए आवश्यक राशि के लिए प्रायोजक की तलाश जारी है।

MoU साइन होने के बाद इस प्रोजेक्ट में संलग्न मुख्य ग्रुप ने एक डिजाइनर और आर्किटेक्ट ढूंढना शुरू कर दिया। ''हालांकि बिल्डर्स और

प्रवेश द्वार पर, चमकदार रंग बिरंगे इंद्रधनुष से निकल रहे बच्चों की धातु की एक प्रभावशाली प्रतिमा स्थापित की गई थी।

खुशबू, खूबसूरती और रंगों भरा आकर्षक पार्क

श्री नंदी

कलिना बायोडायवर्सिटी पार्क की यह अनूठी पहल न केवल शहरी परिवेश में प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करती है बल्कि पर्यावरण की गुणवत्ता बढ़ाकर कार्बन डाइऑक्साइड और शहरी प्रदूषन तत्वों के लिए एक सिंक के रूप में जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन में सहायक होती है। यह पारिस्थितिक प्रयोगशाला मुंबई में जिज्ञासा के साथ जागरूकता भी पैदा करेगी और पर्यावरण को बनाये रखने में सहायक होगी।

पार्क आत्मनिर्भर पारिस्थितिक तंत्र का दावा करता है जिसमें दृष्टि, गंध, ध्वनि, स्पर्श और स्वाद की मूल इंद्रियों को शामिल कर इसे बहु-संवेदी सिद्धांतों के आधार पर डिज़ाइन किया गया है जिसका सुरम्य भूनिर्माण मेगा स्केप्स इंडिया द्वारा किया गया है, नेतृत्व इसके संस्थापक अभिषेक कवितकर ने किया है। पार्क को डिज़ाइन करने में एक अद्वितीय दृष्टिकोण का पालन किया गया है, जैव विविधता मानकों के आधारभूत अध्ययन, तालाब और भूजल, के जल विज्ञान, और जलवायु-लचीले पौधों और देशी पेड़ों के चयन के साथ शुरू किया गया है।

सेरेनिटी गार्डन में ओवा, चिव्स, पैशनफ्लावर, चमेली और अन्य चमकीले रंग बिरंगे फूलों के सुगंधित पौधे कतार में लगे हैं, जबकि स्टीविया, पेपरमिंट और बेसिल जैसी जड़ी-बूटियां हमारे स्वाद की ग्रंथियों को उपकृत करती हैं। औषधीय पौधे जैसे इंसुलिन, ऑलस्पाइस, सुपारी, लेमनग्रास, सब्जा, और अक्कलकड़ा पार्क के औषधीय उपचारात्मक वातावरण का समावेश करते हैं।

सभी किस्म के पक्षियों के आवास यहां बनाये गए हैं। पोलिनेटर पाथवे एक पौधों से बनाया हुआ कॉरिडोर है जो मधुमक्खियों और अन्य देशी परागणकों के लिए बनाया गया है। बटरफ्लाई गार्डन, लार्वा को आमंत्रित करने वाले मेजबान पौधों, पराग युक्त पौधों, देशी घास, और पत्तेदार झाड़ियों से आच्छादित है, जिसमें जटरोफा, रुक्मणि, हल्दी-कुंकू (अस्क्लेपियस फूल), डिंगला, स्टैकीटर्फेटा, कोरंती और नींबू शामिल हैं। यह तितलियों को आमंत्रित करता परिवेश है और दुखती आँखों के लिए राहत का दृश्य। पुनर्स्थापित झील कई जलीय पक्षियों, जानवरों और पौधों का घर है, और सर्दी आने पर, यहां प्रवासी पक्षियों के झुंड नज़र आएंगे। आगंतुक, बर्ड पार्क में, गहरी आंखों वाले गोल्डन ओरिओल्स, छोटे नीले किंगफिशर, सफेद-भूरे रंग के फंतासी, सनबर्ड, आम पतंग, रॉक कबूतर, एग्रेट्स या पैराकीट्स देख सकते हैं।

इस उद्यान में एक प्राकृतिक मियावाकी वन स्थित है, जो शहरी वनीकरण कार्यक्रमों के लिए वास्तव में एक मार्गदर्शक है। यह सूक्ष्म वन वृक्षों, घासों और झाड़ियों की एक देशी बहु-परत वनस्पति से आच्छादित है और इसमें हेदु, सीता-अशोक, नागकेसर, बहावा, बीजा, कंचन, काकड़, कर्म, शिवन, पंगारा, जंगली केला, ओचना, पारिजात और पुत्रंजीवा के वृक्ष शामिल हैं, ये छायादार

हरा भरा उपवन आगंतुकों के लिए एक शांतिदायक मनोरम स्थान है।

नई तकनीकों और क्यूआर कोडिंग जैसी तकनीक के साथ, सर्वोत्तम पारंपरिक तरीकों और प्रथाओं को इस हरित आवास के डिजाइन में शामिल किया गया है। उदाहरण के लिए, एक पूर्व आदिवासी प्रथा - छिद्रयुक्त मिट्टी के घड़ों का उपयोग करते हुए एक ड्रिप सिंचाई प्रणाली का प्रयोग किया गया है, जिससे वाष्पीकरण कम होता है और पौधों को अधिकतम जल आपूर्ति होती है।

इस हस्ताक्षर ग्रीन ज़ोन को आगंतुकों और छात्रों के लिए अग्रिम अनुमति के साथ खोल दिया गया है। सभी बारीकियों का ध्यान रखते हुए निर्मित ये अनुभव केंद्र और नवीनीकृत एम्फीथिएटर युक्त ये परिसर छात्रों और स्कूली बच्चों के लिए पाठ्येतर गतिविधियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए एक आदर्श स्थान है।

इन सबसे ऊपर, रोटरी के मूल सिद्धांत समावेशी होने पर जोर देते हुए, इस पार्क को दिव्यांगों की सुविधा और आसान पहुंच के अनुसार डिजाइन किया गया है।

लेखक रोटरी क्लब ऑफ मुंबई कलाकर की पूर्व अध्यक्ष हैं

आर्किटेक्ट तो हमारे क्लब और मंडल में भी बहुत हैं, लेकिन हम ऐसे व्यक्ति को चाहते थे जिसने जैव विविधता में काम किया हो और अंत में इस क्षेत्र में काफी अनुभवी पुणे की मेगास्केप्स के नाम पर निर्णय लिया गया।''

मुख्य कार्यों में से एक था झील का पुनरुद्धार करना जिसमें कई जगह रिसाव होने के कारण पानी दूषित हो गया था। तो जलाशय को पूरी तरह से खाली किया गया और इसके भीतर के पूरे क्षेत्र को साफ किया गया फिर मानसून की बारिश में पानी भर जाने के बाद, इसकी गुणवत्ता में सुधार के लिए आवश्यक जल उपचार किया गया। ''इसके बाद हमने झील में जलीय जंतु, पानी के पौधे आदि झील में छोड़ दिए।''

चूंकि मूल उद्देश्य पर्यावरण के संरक्षण और संरक्षण के महत्व पर युवाओं, विशेष

जलाशय को पूरी तरह से खाली किया गया और इसके भीतर के पूरे क्षेत्र को साफ किया गया फिर मानसून की बारिश में पानी भर जाने के बाद, इसकी गुणवत्ता में सुधार के लिए आवश्यक जल उपचार किया गया।

रूप से स्कूली बच्चों को शिक्षित और जागरूक करना था, इसलिए पार्क को इस आयु वर्ग हेतु आकर्षक बनाया भी आवश्यक था। तो प्रवेश द्वार पर, चमकदार रंग बिरंगे इंद्रधनुष से निकल रहे बच्चों की धातु की एक प्रभावशाली प्रतिमा स्थापित की गई थी। इसकी स्थापना के लिए राष्ट्रीय मूर्तिकार, अर्ज़न खंबाटा को चुना गया था, रोटरी क्लब बॉम्बे के अध्यक्ष विनीत भटनागर कहते हैं। ''शहरी परिवेश में जैव-विविधता पार्क स्थापित करना पर्यावरण बनाये रखने की दिशा में एक अभिनव और सकारात्मक दृष्टिकोण है। खूबसूरती देने के अलावा, यह हमारे पारिस्थिति की तंत्र के लिए भी महत्वपूर्ण है। हमें इस पार्क को, छात्रों और पर्यावरणविदों के लिए, विकसित करने का अवसर दिया इस के लिए हमारा क्लब मुंबई विश्वविद्यालय के

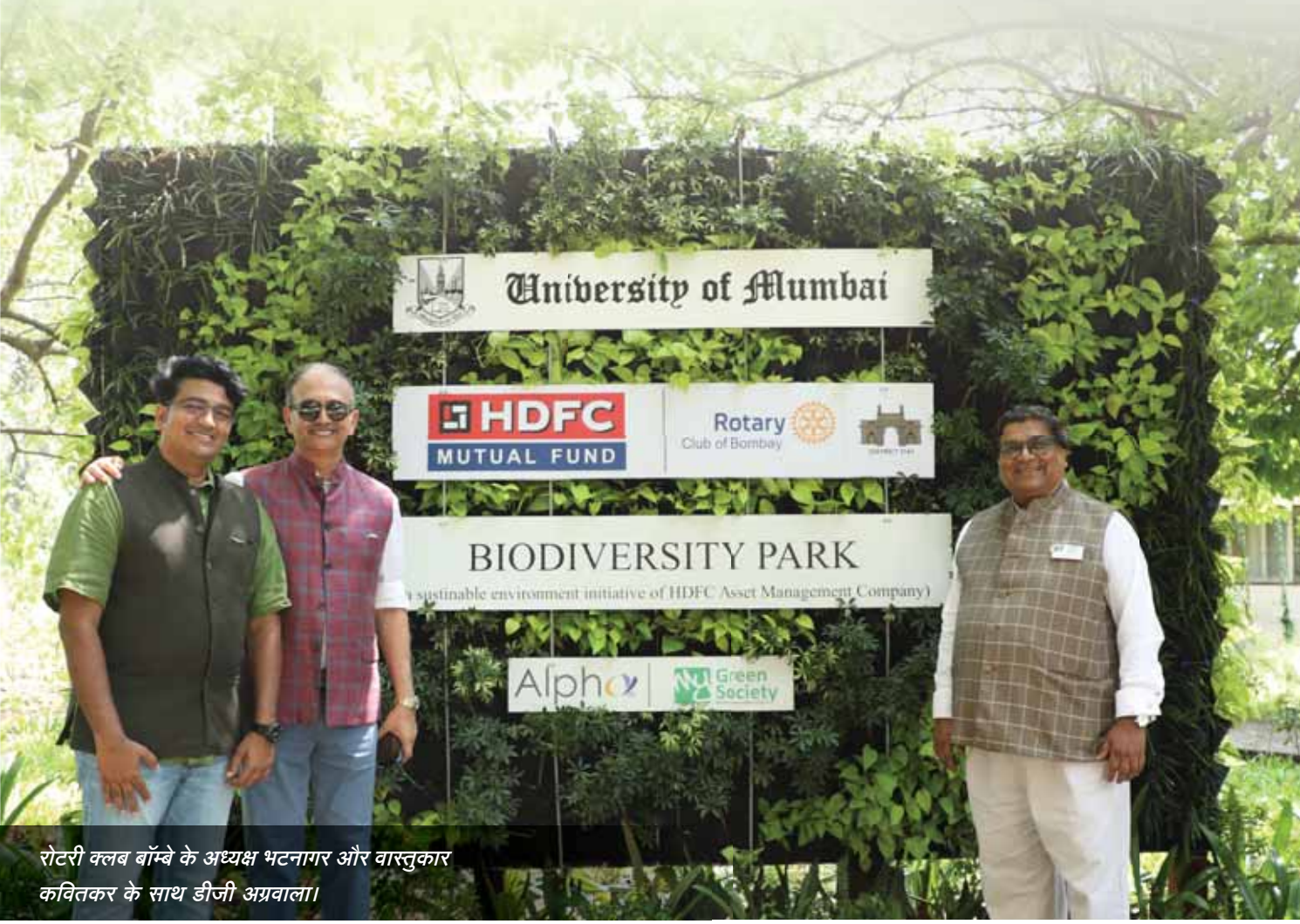

रोटरी क्लब बॉम्बे के अध्यक्ष भटनागर और वास्तुकार कवितकर के साथ डीजी अग्रवाला।

कुलपति, रजिस्ट्रार और प्रबंधन का अत्यंत आभारी है।''

एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट की मदद से यहां सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इस परियोजना को संचालित और क्रियान्वित करने वाले क्लब रोटरी क्लब बॉम्बे के सदस्य अग्रवाला ने इसकी प्रमुख विशेषताओं के बारे में बताते हुए,कहा, ''बच्चों को समझने और घर तक यह संदेश पहुंचाने के लिए कि यह एक माकूल जगह है निकट भविष्य में यहां मजेदार चीजें जोड़ी जाएँगी जैसे कि एक छोटी पवनचक्की, एक छोटा सौर फार्म, पेडलिंगवाली खड़ी बाइक, और भी इसी तरह की कई मनोरंजक सुविधाएं जोड़ने जा रहे हैं। इस पार्क के भीतर एक छोटा सा अखाड़ा बना हुआ है और उद्घाटन के दिन ही एक नुक्कड़ नाटक समूह ने वहां पारिस्थितिकी और जैव विविधता पर एक नाटक का मंचन किया था।''

अभी तक रोटरेक्टर को इस परियोजना नहीं जोड़ा है, हम उन्हें इसमें शामिल करने की योजना बना रहे है; रो ई मंडल 3141 में लगभग 7,500 रोटरेक्टर हैं।

इस जैव विविधता पार्क के शैक्षिक घटकों के बारे में बताते हुए, अग्रवाला बोले कि यहां लगाए गए सभी पेड़ों को क्यूआर कोडित किया गया था और जब स्कैन किया जाता है, तो ये कोड प्रजातियों का, वह देशी है या नहीं और इसी तरह और भी अन्य विवरण बताता है। हमने एक प्रकृतिवादी गाइड भी नियुक्त किया है जो बच्चों के समूह को पूरे पार्क में घुमाएगा और जानकारी देगा। ''गाइड की सेवाओं और पार्क को स्कूलों द्वारा ₹1000 के मामूली शुल्क का भुगतान कर अग्रिम बुक किया जा सकता है और बच्चे 3-4 घंटे के निर्देशित दौरे का आनंद ले सकते हैं।'' अन्यथा पार्क में प्रवेश निःशुल्क है।

गाइड की सेवाओं और पार्क को स्कूलों द्वारा ₹1000 के मामूली शुल्क का भुगतान कर अग्रिम बुक किया जा सकता है।

इस परियोजना का एक महत्वाकांक्षी हिस्सा है ''हमारे मुख्य शैक्षिक पाठ्यक्रम में पर्यावरण

अध्ययन को जोड़ने का प्रयास। अब तक, पर्यावरण विज्ञान केवल एक सह-कार्यक्रम है और ये हमारी स्कूली शिक्षा प्रणाली में मूल-पाठ्यचर्या का घटक नहीं है, और केवल कुछ वाक्यों में ही थोड़ा बहुत उल्लेख किया गया है,'' वे कहते हैं। एक बड़ी कोशिश के बाद, लगभग ₹50 लाख के निवेश और हमारे देश में कुछ राष्ट्रीय स्तर के वरिष्ठ पर्यावरण विशेषज्ञों की सेवाओं को लेते हुए, गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक सामग्री विकसित की गई है जिसमें हमारे पर्यावरण की रक्षा, पृथ्वी ग्रह के संसाधनों और उपलब्ध संसाधनों के सतत उपयोग की आवश्यकता के बारे में विस्तार से बताया गया है। ये सामग्री तीन भाषाओं - अंग्रेजी, हिंदी और मराठी में उपलब्ध है - इस को तीन पाठ्य पुस्तकों में विभाजित किया जा रहा है; स्तर 1,2 और 3। दृष्टांतों के साथ प्रत्येक स्तर में लगभग 250 पृष्ठ होंगे, और प्रत्येक पुस्तक की छपाई पर ₹500 खर्च होंगे। रोटरी इंडिया लिटरेसी मिशन (आरआईएलएम) के माध्यम से तीन ई-मॉड्यूल भी विकसित किए जा चुके हैं और इसे देश भर में बच्चों को प्रसारित करने का प्रस्ताव एनसीईआरटी को पहले ही भेजा चुका है।

इस परियोजना के तहत, मास्टर प्रशिक्षकों की सेवाएं ली गई हैं जो शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे कि बच्चों को पर्यावरण और इसे बनाये रखने पर विकसित सामग्री कैसे पढ़ाई जाए। ''हम मुंबई के स्कूलों में ट्रस्टियों और प्राचार्यों को प्रति सप्ताह 45 मिनट की 2 कक्षाएं देने के लिए प्रेरित करने जा रहे हैं, ताकि मास्टर प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षित शिक्षक, छात्रों को इस विषय को भली भांति पढ़ा सकें। इसकी शुरुआत हम पालघर से कर रहे हैं और पहले चरण में पर्यावरण के इस पाठ्यक्रम को 20,000 छात्रों तक पहुंचाने की उम्मीद रखते है,'' गवर्नर कहते हैं।

मॉड्यूल में कलिना जैव विविधता पार्क सहित इस क्षेत्र का भ्रमण शामिल है, ताकि बच्चा वास्तव में जैव विविधता, स्थिरता आदि पर संदेशों को अपने भीतर उतार सके । पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण और क्षेत्र के भ्रमण पर प्रति बच्चे ₹1,000 खर्च होंगे। इस पूरी परियोजना पर ₹2 करोड़ खर्च होने की संभावना है।

इसकी व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, रो ई मंडल 3141 इस विकसित पाठ्यक्रम की, भारत के सभी राज्यों को मुफ्त पेशकश करेगा, इसे विभिन्न भाषाओं में अनुवादित किया जा सकता है, और क्षेत्रानुसार इसमें परिवर्तन भी किया जा सकता है, क्योंकि विभिन्न राज्यों में पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता अलग-अलग है, और इसका उपयोग वहीं के स्कूलों के लिए किया जायेगा, उन्होंने जोड़ा।

और इस सब में बहुत ज़्यादा धन खर्च होगा, लेकिन कॉरपोरेट्स तक पहुंच कर उनके सीएसआर फंड के माध्यम से प्रतिबद्धता लेने के प्रयास जारी हैं। एक और विशेष तरीका है धन एकत्रित करने का, वो है। विश्व में *प्लैनेट रन,* हाफ मैराथन की एक श्रृंखला आयोजित करना है। रोटरी क्लबों के माध्यम से 52 देशों में 52 हाफ मैराथन की योजना बनाई जा रही है। जहां प्रत्येक विदेशी राष्ट्र में एक-एक हाफ मैराथन आयोजित की जाएगी, वहीं भारत में कम से कम 15 से 20 मैराथन की योजना बनाई जा रही है। पैसे प्रतिबद्ध करने के लिए कॉरपोरेट्स को जोड़ने के अलावा, इसमें समान विचारधारा वाले एनजीओ भी शामिल होंगे जो पर्यावरण और स्थायित्व के लक्ष्यों पर काम कर रहे हैं। अग्रवाला का महत्वाकांक्षी लक्ष्य, अगले पांच वर्षों में इन मैराथनों के माध्यम से इस विशाल पर्यावरण उद्यम के विभिन्न घटकों की रक्षा और देखभाल के लिए लगभग 1 मिलियन डॉलर इकट्ठा करना है।

एक और विशेष तरीका है धन एकत्रित करने का, वो है। विश्व में *प्लैनेट रन,* हाफ मैराथन की एक श्रृंखला आयोजित करना है। रोटरी क्लबों के माध्यम से 52 देशों में 52 हाफ मैराथन की योजना बनाई जा रही है।

कलिना पार्क के उद्घाटन में शरीक हुए, एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एमडी और सीईओ नवनीत मुनोट बोले, ''हमने टिकाऊ पर्यावरण की पहल के अंतर्गत अपनी सीएसआर गतिविधियों के तहत इस जैव-विविधता वाले पार्क का एकल फंडिंग पार्टनर बनने का निर्णय किया है। विशेष रूप से मुंबई जैसे शहर में, जहां यह पार्क इस कंक्रीट के जंगल के बीच प्रकृति के पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण का मॉडल स्थापित करेगा।''

स्कूल ऑफ स्ट्रेटेजिक स्टडीज के निदेशक शैलेंद्र देवलंकर ने कहा कि ''यह 150 साल पुराने विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण था।'' उन्होंने कहा कि पार्क पर एक वृत्तचित्र बनाया जाएगा और देश भर के विश्वविद्यालयों में इसी तरह के प्रयासों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

चित्र: अतुल जोशी और अभिषेक कवितकर

पार्क में वृक्षारोपण।

भारत ने रोटरी गोल्फ चैंपियनशिप में

इतिहास रचा

रशीदा भगत

मोरक्को की सुनहरी धूप में शानदार हरियाले गोल्फ कोर्स पर, रोटरी बिरादरी के भारतीय गोल्फरों ने 57वीं इंटरनेशनल गोल्फिंग फेलोशिप फॉर रोटेरियन्स (IGFR) वर्ल्ड चैंपियनशिप 2022 में पहला 'नेशन कप' जीतकर इतिहास रच दिया, जिसका समापन नवंबर के पहले सप्ताह में हुआ था।

जश्न मनाते हुए इस समारोह में, स्वादिष्ट व्यंजन, और संजीदा गोल्फिंग के बीच, 22 देशों के 182 रोटेरियन गोल्फरों ने अपने जीवन साथियों के साथ मोरक्को के माराकेच शहर पहुँच कर मौज मस्ती करते हुए एक सप्ताह की फ़ेलोशिप, धूप और गोल्फ़ का भरपूर आनंद लिया। ''बड़ी संख्या में IGFR में पहली दफा आये कई प्रतिभागियों का स्वागत करने में बेहद ख़ुशी हो रही है- विशेषकर भारत और एस्टोनिया में हमारे मित्रों के नेतृत्व में, जो पहली बार इतनी बड़ी तादाद में आये हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि आप सभी ने मोरक्को में पूरे हफ्ते लुत्फ़ उठाया होगा, नए दोस्त बनाए और मुझे यकीन है कि अगली बार वापस आने की योजना ज़रूर बनाई होगी। और हाँ : लोगों में इस इस की चर्चा करें, प्रसार करें और एक मित्र को भी साथ ले कर आएं,'' IGFR के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष एंड्रिया ओड्डी ने कहा।

भारत और शेष दक्षिण एशिया - बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल के गोल्फरों की सफलता का अधिकाँश श्रेय रो ई मंडल 3060 के पीडीजी पराग शेठ को जाता है, जिन्होंने 2015-16 में गोल्फिंग रोटेरियन की दक्षिण एशियाई फैलोशिप की शुरुआत की थी। शेठ और उनकी पत्नी पूनम का उत्साह देखते ही बनता है और दोनों गोल्फ के जोशीले खिलाड़ी हैं। ''आज फैलोशिप में दक्षिण एशिया के 460 से अधिक सदस्य हैं और SAFGR, IGFR से संबद्ध है,'' वे कहते हैं।

शेठ स्वयं हैंडीकैप वर्ग में उपविजेता रहे, जबकि भारतीय गोल्फरों ने अन्य कई पुरस्कार जीते। वे बहुत रोमांचित हैं इस प्रतिष्ठित गोल्फ टूर्नामेंट में भारत ने इतिहास रच दिया है, शेठ कहते हैं, जिन्होंने पिछले साल रो इ प्रेजिडेंट वर्ल्ड कप विश्व कप की शुरुआत की जब शेखर मेहता रो इ अध्यक्ष थे और करीब 10 वर्षों से वो पत्नी पूनम के साथ गोल्फ खेल रहे हैं। यह युगल भरूच में रहता है, लेकिन उनका एक घर अहमदाबाद में भी है जहां शुक्रवार से शुरू होने वाले हर लम्बा सप्ताहांत वे केंसविले गोल्फ रिज़ॉर्ट में गुजारते हैं। ''हम वास्तव में सप्ताह में चार दिन गोल्फ खेलते हैं,'' मुस्कुराते हुए कहते हैं।

देश और दुनिया भर में SAFGR के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में कई गोल्फ टूर्नामेंट आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले रोटेरियन कहते हैं, SAFGR के गठन में उनके समर्थन और प्रोत्साहन के लिए

2021 में SAFGR ने RI प्रेसिडेंट कप के माध्यम से
$280,000
जुटाए

बाएं: पूनम शेठ गोल्फ खेलती हुई।

और कल्पेश शाह को गोल्फ फेलोशिप शुरू करने के लिए प्रेरित किया। भारतीय रोटेरियन की पहली गोल्फ फेलोशिप सयाजीनगरी, अहमदाबाद में आयोजित करने के लिए, 9 रो ई मंडल के 45 गोल्फरों ने भाग लिया। यहीं पर सभी प्रतिभागियों ने सर्वसम्मति से फेलोशिप, नेटवर्किंग को बढ़ावा दे कर टीआरएफ और अन्य धर्मार्थ गतिविधियों के लिए धन एकत्र करने के लिए SAFGR की नींव रखने का संकल्प लिया।

उद्घाटन टूर्नामेंट रोटरी क्लब बैंगलोर के स्वर्गीय के विजय कुमार की अध्यक्षता में रो ई मंडल 3190 में बेंगलुरु में खेला गया था। ''पूरे भारत और बांग्लादेश के रोटेरियन गोल्फरों की संख्या और उत्साह को देखते हुए यह एक बड़ी सफलता थी।'' तत्कालीन रो ई अध्यक्ष बेरी रसिन, और दिवंगत पूर्व रो इ निदेशक सुशील गुप्ता और यश पाल

''मैं दोनों PRID सुशील गुप्ता और यश पाल दास का सदैव आभारी रहूंगा।''

SAFGR के गठन का ख़याल कैसे आया इस बारे में पूर्व गवर्नर कहते हैं, जब मुझे 2015-16 के लिए DG चुना गया, तो पूनम और मैंने सोचा था कि दक्षिण एशिया में एक गोल्फ फेलोशिप शुरू की जानी चाहिए क्योंकि इससे न केवल फेलोशिप बल्कि TRF और पोलियो के लिए धन एकत्रित करने में मदद मिलेगी। साथ ही विभिन्न क्लबों और मंडल द्वारा की जा रही सेवा परियोजनाओं के लिए भी।

इसके बाद उन्होंने रोटरी क्लब वडोदरा सयाजीनगरी के दोनों सदस्यों निशांत रमानी

दास के मजबूत समर्थन के साथ, फेलोशिप को 2016 में एक गैर-लाभकारी संगठन के रूप में पंजीकृत किया गया था।

शेठ का कहना है कि एसएएफजीआर ने हमेशा टीआरएफ और क्लब/मंडल सेवा परियोजनाओं दोनों के लिए धन जुटाने पर अपना ध्यान केंद्रित किया, रोटरी की सार्वजनिक छवि को ऊपर उठाया और भारत और दुनिया भर में टूर्नामेंट आयोजित करते समय भौगोलिक विविधता को ध्यान में रखा। दान के लिए धन जुटाने का इसका मुख्य उद्देश्य काफी सफल रहा है। ''उदाहरण के लिए, पिछले साल हमने रो इ प्रेसिडेंट कप के माध्यम से 280,000 डॉलर जुटाए थे, जो 28 देशों में खेला गया था और इसमें दुनिया भर के 1,036 प्रतिभागी खेले थे, जिसमें रोटेरियन, उनके दोस्त और परिवार के सदस्य शामिल थे। वाई पी दास टूर्नामेंट ने अपने पहले ही वर्ष में 325,000 डॉलर जुटाए।''

उन्होंने कहा, ''कुल मिला कर हमने दक्षिण एशिया के साथ-साथ दुनिया के बाकी हिस्सों में खेले गए टूर्नामेंटों से हमने 1 मिलियन डॉलर से अधिक एकत्रित की है और इसका अधिकांश पैसा टीआरएफ में गया है, और कुछ राशि सेवा परियोजनाओं के लिए क्लबों में दी गई हैं।''

SAFGR ने अहमदाबाद, बेंगलुरु, चंडीगढ़, चेन्नई, कोच्चि, दिल्ली, ढाका, जमशेदपुर, जयपुर, काठमांडू, कोडाइकनाल

ऊपर: चेक गणराज्य की एक रोटेरियन मारिया के साथ पीडीजी शेठ।

नीचे: पीडीजी पराग शेठ और पुनम, और **IGFR** *टीम, विश्व चैम्पियनशिप 2022 नेशन कप के साथ।*

IGFR इंटरनेशनल टूर्नामेंट से

$1.5

मिलियन

जुटाने का लक्ष्य 2025 में दिल्ली में आयोजित किया जाएगा

और अन्य कई स्थानों में गोल्फ टूर्नामेंट आयोजित किए हैं। सदस्य देशों में इसने वर्चुअल टूर्नामेंट के दो संस्करण भी आयोजित किए हैं जब 567 और 782 से अधिक गोल्फरों ने भाग लिया और टीआरएफ के लिए धन जुटाया था।

मार्च 2019 में रो इ द्वारा जुपिटर, फ्लोरिडा, यूएस में गोल्फ के लिए प्रतिष्ठित बीयर्स क्लब में पोलियो उन्मूलन के लिए

मार्च 2019 में रोटरी इंटरनेशनल द्वारा आयोजित गोल्फ टूर्नामेंट में टीआरएफ के लिए

$5.25 मिलियन

डॉलर जुटाए गए

रोटरी के वैश्विक राजदूत, गोल्फ के दिग्गज जैक निकलॉस के साथ आयोजित धन उगाहने वाले एक गोल्फ कार्यक्रम में पूनम और पराग शेठ उत्साही प्रतिभागी थे।सिर्फ उसी कार्यक्रम में, कुल 5.25 मिलियन डॉलर इकट्ठे हुए थे। जनवरी 2022 से शुरू होने वाले तीन साल के कार्यकाल के लिए शेठ को IGFR के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया है।

जमशेदपुर में **SAFGR** *गोल्फ टूर्नामेंट में शेठ युगल।*

पूनम शेठ अपने गोल्फ साथियों के साथ।

SAFGR द्वारा प्रदर्शित उत्साह और जुनून का शुक्रिया, इसे 2022 में विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए चुना गया था, ''लेकिन कोविड ने खेल बिगाड़ दिया और पूरे IGFR कैलेंडर का मंथन करना पड़ा। अब 2025 में भारत दिल्ली में विश्व टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। हमें इस चैंपियनशिप के माध्यम से 1.5 मिलियन डॉलर एकत्रित होने की आशा है। PRID अशोक महाजन की मदद और समर्थन के माध्यम से, हम राजश्री बिड़ला के आदित्य बिड़ला फाउंडेशन से $100,000 प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं, शेठ कहते हैं। अगला IGFR टूर्नामेंट 1-7 जुलाई को इटली में आयोजित किया जाएगा।

इन गोल्फ आयोजनों के माध्यम से धन कैसे जुटाया जाता है, इस पर वो बताते हैं कि प्रत्येक गोल्फर जो इन टूर्नामेंटों में भाग लेना चाहता है, उसे न्यूनतम 50 का योगदान देना होगा; ''निश्चित रूप से ऐसे बहुत से लोग हैं जो बहुत अधिक योगदान देते हैं। 1,000 डॉलर दान करने वालों को 'समर्थक' की श्रेणी दी जाती है। और हममें से दो, एकेएस सदस्य नवजीत चावला और मैंने, 25,000 डॉलर का दान दिया है।''

RI प्रेसिडेंट टूर्नामेंट 2023 में

50
देशों के

5,000
खिलाड़ी भाग लेंगे, जो

300
गोल्फ कोर्स में खेलेंगे

फरवरी 2023 में रो ई प्रेसिडेंट टूर्नामेंट में, ''हम लगभग 300 गोल्फ कोर्स में खेलने वाले 50 देशों के 5,000 खिलाड़ियों को सम्मिलित करने की उम्मीद करते हैं।'' वह एक अनूठी अवधारणा के बारे में बताते हैं - ये खिलाड़ी अलग-अलग स्थानों पर खेलेंगे, वे सभी ऑनलाइन पंजीकरण करेंगे, प्रत्येक 50 का न्यूनतम योगदान देगा जो टीआरएफ में जाएगा। परिणाम और अन्य विवरण ऑनलाइन उपलब्ध होगा।

उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान भी, जब अधिकांश गोल्फ कोर्स बंद थे, हमने SAFGR से जुड़े रहने के लिए अभिनव कार्यक्रमों के बारे में सोचा, जैसे कि 'हमारे सदस्य को जानें' वार्ता, रोटरी एक्सचेंज कार्यक्रम की तर्ज पर, गोल्फरों का 'एक्सचेंज कार्यक्रम',आदि। ये कुछ कारण हैं कि एक गोल्फर को दुनिया का अनुभव करने के लिए SAFGR की सहायता की आवश्यकता क्यों पड़ती है, शेठ मुस्कुराते हुए कहते हैं।

कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

Rotary PEOPLE OF ACTION

अंगदान को बढ़ावा देने की डगर पर

जयश्री

राजनीतिक उथल-पुथल और कोविड की चार पारी झेल चुके एक क्षेत्र, अलास्का राजमार्ग, से गुजरते हुए एक सीरियल किलर द्वारा पीछा किया जाना... इनमें से कुछ भी अनिल श्रीवत्सा को अंग दान हेतु वैश्विक जागरूकता को बढ़ावा देने और इससे जुड़ी भ्रांतियों को तोड़ने के उनके जीवन के मिशन को आगे बढ़ाने से नहीं रोक पाया। जून में ह्यूस्टन रोटरी सम्मेलन में तत्कालीन रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने ठखझए गॉर्डन मैकनली और रो ई निदेशक महेश कोटबागी एवं ए एस वेंकटेश की उपस्थिति में शुरुआत करते हुए अब वह मेलबोर्न में मई 2023 में होने वाले रोटरी सम्मेलन की ओर अग्रसर है।

किडनी दानकर्ता श्रीवत्सा (54) रोटरी क्लब मद्रास द्वारा प्रायोजित रोटरी क्लब ऑर्गन डोनेशन, रो ई मंडल 3232, के अधिकृत अध्यक्ष है। वह पिछले सात वर्षों से सड़क यात्रा पर है और अंग दान के लिए समर्थन इकट्ठा करते हुए 48 देशों की सड़क यात्रा कर चुके है। सितंबर 2014 में उन्होंने अपने भाई अर्जुन श्रीवत्सा, जो एक न्यूरोसर्जन है, को अपनी एक किडनी दान की जिसके बाद इस मुद्दे को बढ़ावा देने के लिए उनका जुनून बढ़ गया। ''मेरे भाई को गंभीर किडनी रोग हुआ था। एक दिन उसने ऐसे ही मुझसे पूछा, अगर मुझे किडनी की ज़रूरत पड़ी तो क्या तुम मुझे अपनी किडनी दोगे? मैंने कहा ठीक है। प्रारंभ में यह एक सहज प्रतिक्रिया थी। लेकिन जब मुझे पता चला कि मुझे उस वर्ष ऐसा करना है तो मैं घबरा गया,'' उन्होंने एल सल्वाडोर में पड़ाव लेते वक्त *रोटरी न्यूज़* को बताया।

उस समय वह कश्मीर में ट्रेकिंग कर रहे थे जब उनके पिता ने उन्हें सूचित किया कि उनका भाई अभी-अभी डायलिसिस के लिए गया है। ''तब मेरी आँखें खुल गई और मैं अंततः उसे किडनी देने

जून में ह्यूस्टन कन्वेंशन में पीआरआईपी शेखर मेहता और रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश के साथ श्रीवत्सा।

अनिल श्रीवत्सा, चार्टर अध्यक्ष, रोटरी क्लब ऑर्गेन डोनेशन, रो ई मंडल 3232, अपनी SUV के साथ।

के लिए तैयार हो गया। मेरे परिवार के समर्थन से मुझे ऐसा करने का साहस मिला। जब मैं प्रत्यारोपण सर्जरी से उठा तो वह पहला व्यक्ति था जिसे मैंने बिस्तर पर अपने नजदीक देखा था। हमने ज्यादा कुछ बात नहीं की लेकिन हमने अंगूठे ऊंचे करके एक-दूजे को इशारा किया कि हमने मिलकर यह कर दिखाया। सर्जरी के तीन सप्ताह बाद वह न्यूरोसर्जन के रूप में दूसरों की ज़िंदगियाँ बचाने के अपने काम पर वापस लग गया। वह सबसे अच्छा जीवन था जिसे मैं बचा सका।''

उनका संस्थान

प्रत्यारोपण की सफलता से उत्साहित होकर श्रीवत्सा ने दुनिया भर के लाखों लोगों को अंग दान हेतु प्रेरित करने के लिए 'गिफ्ट ऑफ लाइफ एडवेंचर (GOLA) ड्राइव - द मिलियन डोनर प्रोजेक्ट' शुरू किया। अप्रैल 2016 में उन्होंने ''अंग दाता जागरूकता के लिए लंबी राह के पहले चरण की शुरुआत की जब उनके परिवार जिसमें उनकी पत्नी दीपाली और बच्चे काव्या एवं सूर्या और उनके तीन दोस्तों ने 17 देशों को पार करते हुए बेंगलुरु से स्कॉटलैंड की यात्रा की।'' जहाँ दीपाली उनकी टाइम कीपर और नेविगेटर थी वहीं उनकी बेटी ने अपने सोशल मीडिया पेजों को इस अभियान की कहानियों से अपडेट किया और उनका बेटा उनका सामान्य सहायक था। ''एक संशोधित टोयोटा फॉर्च्यूनर और एक विशेष रूप से निर्मित SUV को आपात स्थिति से निपटने के लिए टूल किट से सुसज्जित किया गया और हमें अपने मिशन पर रवाना होने से पहले कार मैकेनिक्स की मूल बातों के लिए प्रशिक्षित किया गया,'' श्रीवत्सा ने आगे कहा कि यह यात्रा अच्छे और बुरे अनुभव से भरी हुई थी और ये हमारे जीवन के बेहतरीन सबक थे।

उन्होंने इस अभियान की शुरुआत तब की जब उन्होंने जाना कि अंग दान करने को लेकर लोगों के बीच कितना डर है। ''मैं अंगदान करने के रास्ते में आने वाले डर को खत्म करना चाहता हूँ। डर अज्ञानता, अंधविश्वास, गलत धार्मिक मान्यताओं से आता है... यह प्रेम की कमी से आता है। अंग दान प्रेम का एक कार्य है और जब कोई प्यार नहीं होता तो ऐसा करने की कोई वजह भी नहीं होती। अगर कोई अंगदान करना चाहता है तो सबसे बढ़िया तरीका है कि अपने परिवार से बात करें क्योंकि कानूनी तौर पर उनकी सहमति आवश्यक है।''

उन्होंने दूसरे चरण में 20 देशों का दौरा किया और तीसरे चरण में इटली, चीन, नॉर्वे, म्यांमार, उज्बेकिस्तान, बोस्निया, दुबई और ओमान का दौरा किया।

सम्मेलन पर सम्मेलन

अब चौथे चरण में 17 देशों को पार करने के बाद पर्थ, ऑस्ट्रेलिया, पहुंचकर अप्रैल 2023 में

आयोजित होने वाले विश्व प्रत्यारोपण खेलों (WTG) में बॉल-थ्रो और तैराकी में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए श्रीवत्सा 56,000 किमी की एक यात्रा पर है और वह मेलबर्न के रोटरी सम्मेलन में अपनी यात्रा पूरी करेंगे। उन्होंने न्यू कैसल में आयोजित 2019 WTG में बॉल-थ्रो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था जहाँ उन्होंने 100 मीटर दौड़ में भी भाग लिया था। उनके भाई जिन्होंने तब गोल्फ में स्वर्ण पदक जीता था इस साल भी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

विकलांगों के लिए पैरालिंपिक के समान ही, WTG अंग प्राप्तकर्ताओं और दाताओं के लिए ओलंपिक खेलों की तरह ही है। यह WTG फेडरेशन द्वारा आयोजित किया जाता है जिसमें 60 राष्ट्र हिस्सा लेते है। यह प्रत्यारोपण के बाद मूल रूप से जीवन की गुणवत्ता को उजागर करने के लिए है। एक जीवित अंग दाता जो एक एथलीट है, इस कार्य के लिए सबसे अच्छी प्रेरणा है। किसी के जीवन को बचाने के लिए लोगों को अंग दान करने हेतु प्रेरित करने से ज्यादा बढ़िया कुछ भी नहीं है, बेंगलुरु स्थित यह प्रचारक कहते है जो रेडियोवाला नेटवर्क के उएज और सह-संस्थापक एवं किंग्स इलेवन पंजाब के पूर्व CEO है।

इस अभियान के लिए रोटरी को एकजुट करना

ह्यूस्टन से रास्ते में रोटरी क्लबों को संबोधित करते हुए श्रीवत्सा अलास्का और अर्जेंटीना पहुंचे। ''मैं अंग दान पर अधिक ध्यान देने और समय पर इसकी व्यवस्था करने को लेकर दुनिया भर के रोटेरियनों को एकजुट करना चाहता हूँ ताकि कोई अंग के इंतजार में अपने प्राण न गंवा दें। ठीक वैसे ही जैसे हमने पोलियो उन्मूलन के लिए एक साथ काम किया है।'' पिछले अभियानों में 250 क्लबों को संबोधित करने के बाद उन्होंने इस कारण को बढ़ावा देने के लिए 100 रोटरी क्लबों से बात करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। ''मैंने उस लक्ष्य को तब हासिल किया जब मुझे होंडुरास में रोटरी क्लब सैन पेड्रो सुला में बोलने के लिए आमंत्रित किया गया था।'' यहाँ उन्होंने शहर के एकमात्र ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ रॉबर्टो को रोटरी क्लब ऑर्गन डोनेशन में शामिल किया। इस क्लब को छह देशों के 26 सदस्यों के साथ आधिकृत किया गया था और श्रीवत्सा इस यात्रा के माध्यम से अपने क्लब में कार्यकर्ताओं, डॉक्टरों, नेफ्रोलॉजिस्ट और प्रत्यारोपण सर्जनों को शामिल कर रहे है। ''पिछले दो हफ्तों में हमने पांच सदस्यों को जोड़ा है जिसमें अभिनेत्री रेवथी भी शामिल है,'' जो इस उद्देश्य को लेकर बहुत भावुक है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा निर्देशित फिल्म सलाम वेंकी अंग दान के बारे में है और इसे रो ई मंडल 3232 में एक धन संचयन समारोह के रूप में प्रदर्शित किया जाना है, उन्होंने आगे कहा।

मैं अंग दान पर अधिक ध्यान देने और समय पर इसकी व्यवस्था करने को लेकर दुनिया भर के रोटेरियनों को एकजुट करना चाहता हूँ ताकि कोई अंग के इंतजार में अपने प्राण न गंवा दें।

उनकी पत्नी दीपाली जहां भी संभव होता है उनकी यात्रा में उनका साथ देती है। यह दंपति वाहन में ही रहते है और पैसे बचाने के लिए यात्रा के अधिकांश समय में उसी में ही खाना भी बनाते है। वह इस अभियान में भूभाग के अनुसार तीन वाहनों के एक बेड़े का उपयोग कर रहे है।

अगस्त में, इस GOLA टीम ने एडिसन, छग, में इंडिया डे परेड में भाग लिया, ''जहाँ हमारा ओवरलैंड ट्रक अंग दान संदेशों को प्रदर्शित करने वाली एक झाकी था। हमने भीड़ पर कुछ टी-शर्ट भी फेंकी और इस बारे में उनसे बात करने के लिए उनका ध्यान आकर्षित किया।''

2 फरवरी को, RIPN स्टेफ़नी अर्चिक अपने क्लब को ऑनलाइन संबोधित करेंगे ताकि अध्यक्ष के रूप में ''उनकी योजनाओं और कैसे

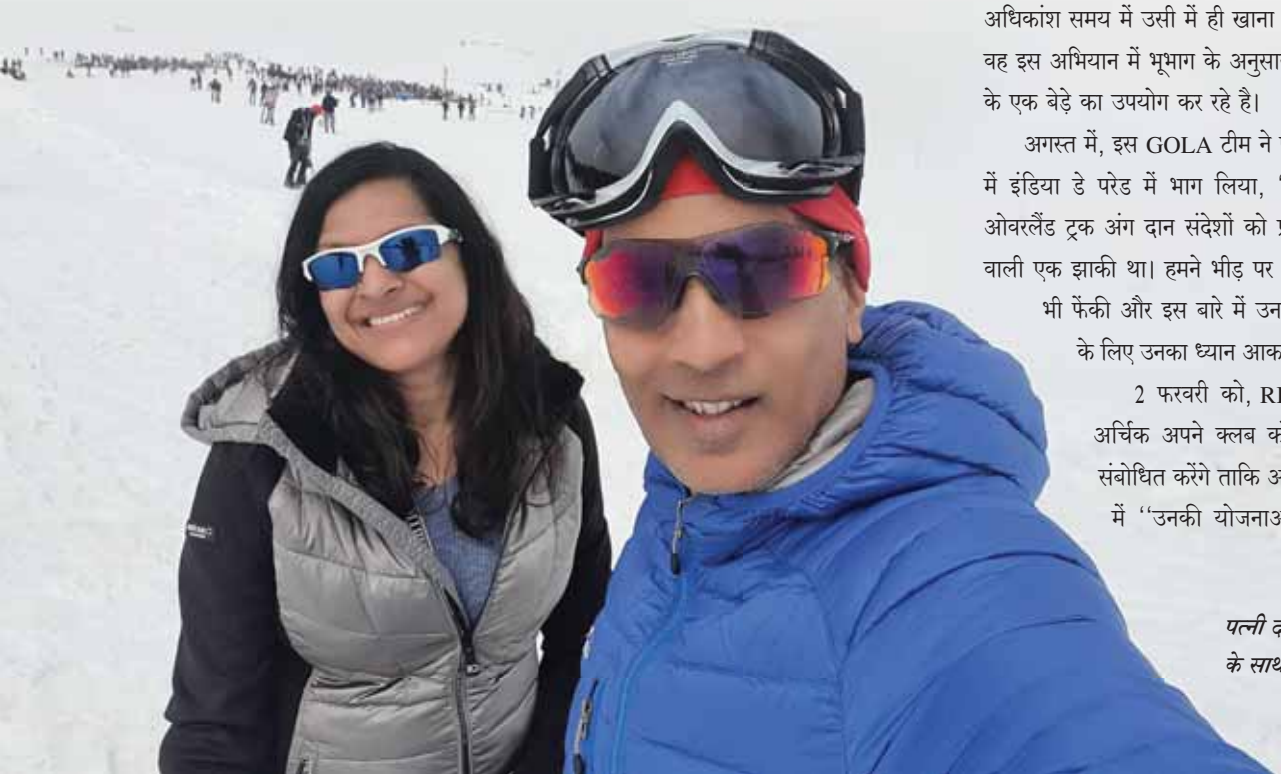

पत्नी दीपाली के साथ।

रोटरी क्लब के सदस्यों को संबोधित करते हुए श्रीवत्सा।

रोटरी अंग दान के लिए एकजुट होने में भूमिका निभा सकती है,'' पर चर्चा कर सके। उनके क्लब के लिए 'लिफ्ट अप प्रोजेक्ट' शुरू करने के लिए एक वैश्विक अनुदान आवेदन प्रक्रियाधीन है जिसका उद्देश्य उन 100 महिलाओं और बच्चों का समर्थन करना है जिनके पास कानूनी तौर पर स्वीकृत दानकर्ता तो है लेकिन उनके पास इस प्रक्रिया से गुजरने का साधन नहीं है।

उनके अभियान के दौरान उनसे पूछा जाने वाला सबसे आम सवाल है: दान करने के बाद दानकर्ता का क्या होता है?-या अधिक अंधविश्वासी तर्क - क्या दानकर्ता अगले जन्म में दान किए गए अंग के बिना जन्म लेगा। उन्होंने कहा, ''मैं स्कूलों और कॉलेजों में जाता हूँ क्योंकि युवा पीढ़ी के मध्य जागरूकता फैलाना बहुत महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने ऋषिकेश में गंगा आरती के दौरान जनता को संबोधित किया और कश्मीर घाटी में भारतीय सेना के लिए एक सत्र आयोजित किया। ''लोगों को दान करने के लिए मनाना मुश्किल होता है। मृत्यु के बाद केवल रिश्तेदार ही अंग दान करने पर कोई निर्णय ले सकते है और यह केवल तभी किया जा सकता है जब दाता ने अपने जीवनकाल के दौरान उन्हें अपने निर्णय से अवगत कराया हो,'' उन्होंने आगे कहा कि भले ही किसी ने दानकर्ता बैंक में अपना नाम दर्ज करवाया हो लेकिन कई मामलों में उनकी मृत्यु की सूचना बैंक को नहीं दी जाती।

दीपाली खाना बनती हुयी।

''मेरा काम किसी जीवित या मृत व्यक्ति को जीने का दूसरा मौका देता है। सबसे महत्वपूर्ण बात जो यह मेरे लिए करता है वो यह है कि यह प्यार में विश्वास को बहाल करता है। अगर यह प्यार से जुड़ा नहीं होता तो यह मेरे लिए कभी संभव नहीं होता। मैं दुनिया को बताना चाहता हूँ कि कोई कैसे एक संतुष्ट जीवन जी सकता है,'' उन्होंने चिंतनशील स्वर में कहा।

श्रीवत्सा बंधु रोटरी यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम के लाभार्थी है और रोटेरियन परिवार से आते है। उनके भाई डॉ अर्जुन और मां रोटरी क्लब बैंगलोर के सदस्य है। ''मेरे परदादा रोटरी क्लब हैदराबाद डेक्कन के अध्यक्ष थे,'' उन्होंने कहा।

रूप रेखा कृष्णप्रतीश द्वारा

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब एलेप्पी ने विकलांग बच्चों को हाउसबोट की सैर का उपहार दिया

रशीदा भगत

हाल ही में गई दिवाली को, 45 शारीरिक और मानसिक रूप से विकलांग बच्चे कभी नहीं भूलेंगे जो उन्होंने अपने माता-पिता, रिश्तेदारों और शिक्षकों के साथ केरल सरकार के अंबालापुळा ब्लॉक रिसोर्स सेंटर (बीआरसी), एलेप्पी में मनाई। उन्हें वेम्बनाड की शांत झील के पानी पर तैरती एक लक्जरी हाउसबोट स्का में अविश्वसनीय रूप से एक आनंददायक सैर कराई गई, जो बोट अमूमन सिर्फ रईसों या कॉर्पोरेट जगत की ही मेहमान नवाजी करती है।

लगभग 130 बच्चे और बड़ों के इस समूह ने, जिसमें एक विधायक, करीब 25 रोटेरियन और कुछ और लोग भी शामिल हैं, स्का के मालिक, रोटरी क्लब ऑफ एलेप्पी के अध्यक्ष, जोस अब्राहम की

ऊपर: रोटरी क्लब एलेप्पी के सदस्य, क्लब के अध्यक्ष जोस अब्राहम (बैठे, बीच में, दूसरी पंक्ति), बच्चों और उनके माता-पिता के साथ।

नीचे: लोक कलाकार पुन्नपरा ज्योतिकुमार, विधायक एच सलाम के उपस्थिति में, एक मानसिक रूप से विकलांग युवा लड़के का मनोरंजन करते हुए।

मेरे पास चूंकि एक हाउसबोट है, इसलिए मैं वंचित परिवारों के विकलांग बच्चों के लिए मौज, मस्ती और आनंद का एक दिन आयोजित करना चाहता था।

रोटरी क्लब एलेप्पी के अध्यक्ष

जोस अब्राहम

उदारता के कारण ये आनंद उठाया। बच्चों ने अल्लेप्पी से लगभग 6 किमी दूर स्थित केरल के अन्न भंडार कुट्टनाड से सवारी कर न केवल संगीत और नृत्य का आनंद लिया, बल्कि स्वादिष्ट भोजन का भी लुत्फ़ उठाया, जिसे स्वयं क्लब के अध्यक्ष जोस ने तैयार किया था, जो पाक कौशल के लिए मशहूर है!

स्का के ऊपरी डेक में एक शानदार सम्मेलन कक्ष बना हुआ है, जहां लगभग 250 व्यक्ति बैठ सकते हैं, और एक दिन की यात्रा के लिए, प्रति व्यक्ति सामान्य शुल्क ₹700 है, कर अतिरिक्त। इसमें स्वागत पेय और दोपहर का भोजन शामिल है।

क्लब के अध्यक्ष के रूप में अपने वर्ष को यादगार बनाने के लिए, अब्राहम ने परियोजनाओं की एक श्रृंखला आरम्भ की, जिसके अंतर्गत एक योजना में 50 पेंशनभोगियों को ₹2,000 से वजीफा देने के लिए क्लब ₹1 लाख खर्च करेगा। ''मेरे पास चूंकि एक हाउसबोट है, इसलिए मैं वंचित परिवारों के विकलांग बच्चों के लिए मौज, मस्ती और आनंद का एक दिन आयोजित करना चाहता था। इसलिए हमने बीआरसी का चयन किया और 45 बच्चों, उनके शिक्षकों और रिश्तेदारों को आमंत्रित किया।

कल कल करता पानी मानो ताल मिला रहा था, बच्चों की खिलखिलाहट, उनकी आवाज़ में गूंजते गीत, जीवंत संगीत और नृत्य के साथ। जैसे-जैसे स्थानीय लोकप्रिय और लोक गीत संगीत के साथ गाए जाते थे, बच्चे भी साथ में गाते हुए थिरकने लग जाते, और इसने उनके दोपहर के स्वादिष्ट भोजन के लिए भूख जागृत करने का काम शुरू कर दिया।

दोपहर के भोजन में मुख्य व्यंजन - मछली और चिकन - खुद जोस ने बनाये थे, जो खाना पकाने के शौक़ीन हैं; ''मैं अक्सर अपनी पत्नी का हाथ बंटाता हूं, और क्योंकि मेरे हाथ का खाना मेरे बेटे और बेटी दोनों को पसंद है, मैंने सोचा कि इन बच्चों के लिए भी खाना मैं ही बनाऊंगा,'' वह मुस्कुराते हैं।

10 साल के एक लड़के ने सामने जाने का फैसला किया, उसने कूद कर लोक गायक के हाथ से माइक लिया और अपनी खुद की धुन बनाकर गाने लगा, जिसे देख कर सभी को बहुत खुशी हुई। इसके बाद वो अध्यक्ष की गोद में कूद गया और जैसे ही बाकी बच्चों ने गाना और नाचना शुरू किया कि रोटेरियन भी उनके साथ शामिल हो गए और

अपनी 52 साल की रोटरी यात्रा में, मैंने कभी किसी भी सेवा परियोजना में इतनी ज़्यादा खुशी और भावनाओं को बहते नहीं देखा।

पूर्व अध्यक्ष टॉमी ईपेन

विधायक सलाम एक बच्ची के साथ बात करते हुए। चित्र में अध्यक्ष अब्राहम भी शामिल हैं।

विधायक एच सलाम भी जोस के साथ गाना गाने लगे।

उधर बच्चे समारोह का मज़ा ले रहे थे, इधर क्लब के पूर्व अध्यक्ष टॉमी ईपेन से ''एक माँ बोली, उसके गालों पर आंसू बह रहे थे, कि ज़िन्दगी में पहली बार इन बच्चों और उनके माता-पिता ने हाउसबोट में कदम रखा था और वो दिन उनके लिए एक परी कथा की तरह था।'' टॉमी बोले कि ''अपनी 52 साल की रोटरी यात्रा में, मैंने कभी किसी भी सेवा परियोजना में इतनी ज़्यादा खुशी और भावनाओं को बहते नहीं देखा।''

अब्राहम तो यह जानने की कोशिश था कि इन बच्चों की ज़रुरत और क्या थी। बाद में उन्होंने *रोटरी न्यूज़* को बताया, मैंने देखा कि 18 साल की दो लड़कियां थीं, जिनकी ऊंचाई 2 फीट भी नहीं थी। उन्हें केंद्र में उपलब्ध शौचालय का उपयोग करने में बहुत कठिनाई हुई थी। ''इसलिए अब मैं ₹60,000 की लागत से उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप एक विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया शौचालय बना रहा हूँ।''

इस आयोजन की बड़ी सफलता से उत्साहित होकर, वह वरिष्ठ नागरिकों के एक समूह को अपनी हाउसबोट पर इसी तरह की आनंद की सवारी और मौज-मस्ती के लिए ले जाने की योजना बना रहा है।

ईपेन ने जानकारी दी कि पिछले कुछ वर्षों में उनके क्लब ने विकलांग बच्चों के लिए एक और सेवा शुरू की है, जिसके लिए उनके भवन में रियायती किराए पर एक शिक्षण केंद्र की स्थापना की गई है। यहां करीब 30 बच्चों को प्रशिक्षित किया जाता है। ■

रोटरी नेताओं की भारत के राष्ट्रपति से मुलाकात

टीम रोटरी न्यूज़

रो ई के पूर्व अध्यक्षों राजेंद्र साबू और कल्याण बेनर्जी, रो ई के पूर्व निदेशक अशोक महाजन, 'इंडिया नेशनल पोलियो प्लस कमेटी' के अध्यक्ष दीपक कपूर और पीडीजी डी एन पाधी (रो ई मंडल 3262) सहित रोटरी के वरिष्ठ नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने 'आदित्य बिड़ला सेंटर फॉर कम्युनिटी इनिशिएटिव्स एंड रूरल डेवलपमेंट' की चेयरपर्सन राजश्री बिड़ला के साथ 31 अक्टूबर को दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

राष्ट्रपति ने पोलियो उन्मूलन अभियान के लिए टीआरएफ को वर्षों में 13 मिलियन डॉलर से अधिक के बड़े योगदान के लिए राजश्री को सम्मानित करते हुए रोटरी का सम्मान सौंपा।

बाएं से: इंडिया नेशनल पोलियोप्लस कमेटी के अध्यक्ष दीपक कपूर, पीआरआईपी राजेंद्र साबू, राजश्री बिड़ला, चेयरपर्सन आदित्य बिड़ला सेंटर फॉर कम्युनिटी इनिशिएटिव्स एंड रूरल डेवलपमेंट, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीडीजी डीएन पाधी (रो ई मंडल 3262), पीआरआईडी अशोक महाजन और पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी।

राष्ट्रपति ने उनकी उदारता की सराहना की और देश और दुनिया भर के समुदायों को बदल रही बड़ी मानवीय परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए प्रतिनिधियों की सराहना की। ■

दिल की सर्जरी के बाद शिवाय।

Rotary PEOPLE OF ACTION

नन्हें जीवन को बचाना

रोटरी क्लब मुजफ्फरनगर कल्चर, रो ई मंडल 3100 ने पिछले साल राजीव सिंघल की अध्यक्षता में एक परियोजना - 'चाइल्ड हार्ट सर्जरी' शुरू की है, ताकि जन्मजात हृदय रोगों वाले बच्चों की पहचान की जा सके और उन्हें नोएडा के सरकारी अस्पताल, पीजीआईसीएच अस्पताल में इलाज कराने में मदद मिल सके। रोटेरियन सीएचडी सर्जरी का नि: शुल्क लाभ उठाने के लिए अस्पताल में प्रस्तुत किए जाने वाले कागजी कार्रवाई करने में माता - पिता की सहायता करते हैं।

शामली के नन्हें शिवाय इस परियोजना के पहले लाभार्थी बने। उनके पिता दिनेश कुमार शामली के जिला अस्पताल में अपने बच्चे का इलाज करने के लिए तीन साल से कड़ी मेहनत कर रहे थे। इसके बाद उन्हें रोटरी क्लब शामली के तत्काल पूर्व अध्यक्ष सुधाकर आर्य ने चाइल्ड हार्ट सर्जरी प्रोजेक्ट के नोडल अधिकारी डॉ नितिन जैन से संपर्क करने का निर्देश दिया। क्लब द्वारा हृदय शल्य चिकित्सा के लिए आठ और बच्चों की पहचान की गई है, जिन्होंने इस परियोजना से लाभान्वित होने के लिए सीएचडी वाले बच्चों को निर्देशित करने के लिए जिले के सभी रोटरी क्लबों का आह्वान किया है। ■

किसानों की आय बढ़ाने के लिए सोलर ड्रायर

जयश्री

किसानों द्वारा अपनी कड़ी मेहनत से उगाई गई सब्जियों/फलों को सड़कों पर फेंक देने या उन्हें जमीन पर सड़ने देने की खबरें देखना या सुनना दिल दहला देने वाला होता है क्योंकि उन्हें उसकी अच्छी कीमत नहीं मिल पाती है। अक्सर बिचौलिये उनकी उपज की कम कीमत लगाते है, जिससे निराश किसानों को कौड़ियों के भाव बेचने के बजाय उपज को फेंकने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

अब हैदराबाद के पास कट्टंगुर गांव के किसानों को अपनी बिना बिकी फसलों को बर्बाद करने की आवश्यकता नहीं है, रोटरी द्वारा उनके संघ को प्रदान किए गए सौर ड्रायर की वजह से। स्मार्ट हैदराबाद और हैदराबाद डेक्कन के रोटरी क्लब, रो ई मंडल 3150, ने हाल ही में गांव में किसान उत्पादक संगठन (FPO) के लिए एक सौर ड्रायर प्रायोजित किया है।

डिहाइड्रेटर सूक्ष्म जीवों द्वारा संदूषण को रोकने के लिए सब्जियों से नमी को हटा देता है, ''इस प्रकार उपज की शेल्फ-लाइफ बढ़ जाती है। इस गांव में अब इसका उपयोग मुख्य रूप से टमाटर, नींबू और आम को संरक्षित करने के लिए किया जाता है।'' रोटरी क्लब स्मार्ट हैदराबाद के सदस्य शांतिकुमार कहते है, आगे यह कहते हुए की यह रासायनिक परिरक्षकों के उपयोग के बिना उपज को संरक्षित करने का एक सुरक्षित तरीका है।

किसान पूरी फसल को निर्जलित करने के लिए FPO परिसर में लाते है जहां हमने यह सुविधा स्थापित की है। सुखाने की प्रक्रिया में 48 घंटे लगते है। क्लब की सचिव लता सुब्रमण्यम कहती है, जब तक संगठन विपणन का ध्यान नहीं रखता, ''तब तक निर्जलित उपज का स्टॉक किया जा सकता है। FPO उन किसानों का समूह है जो कच्चे माल की खरीद, ऋण प्राप्त करने और उपज बेचने में बेहतर सौदेबाजी की शक्ति हासिल करने के लिए एक साथ आते है।

उन्होंने कहा, ''फसल की दरों में उतार-चढ़ाव एक बड़ी चुनौती है। कभी-कभी कीमतें इतनी कम हो जाती हैं कि किसान अपनी उपज को राजमार्ग पर फेंकना पसंद करते है या उन्हें मिट्टी के लिए उर्वरक के रूप में काम लाने के लिए जमीन पर सड़ने देते है।'' डिहाइड्रेटर उन्हें आम जैसे मौसमी फलों को स्टोर करने और उन्हें जैम या सॉस बनाने के लिए कॉर्पोरेट्स को बेचने में मदद करता है। शांतिकुमार कहते है। ड्रायर आपूर्तिकर्ता FPO से निर्जलित उपज खरीदने और इसे खाद्य उद्योग को बेचने के लिए सहमत हो गया है। FPO किसानों को प्रसंस्करण शुल्क के रूप में 3 प्रतिशत चार्ज करने के बाद मूल्य लाभ प्रदान करता है। ''उनकी आय कम से कम 25 प्रतिशत बढ़ जाएगी,'' वह कहते है।

ड्रायर की वास्तविक लागत ₹8 लाख है। नाबार्ड से सब्सिडी के बाद, क्लब ने इसे ₹1.2 लाख में खरीदा है। ''कुछ किसान अभी भी इसका उपयोग करने के लिए अनिच्छुक है क्योंकि वे इसकी सफलता को लेकर अनिश्चित है। धीरे-धीरे वे आत्मविश्वास हासिल करेंगे और इसके भारी लाभों को समझेंगे। इसे स्थापित किए हुए हमें अब एक महीना भी नहीं हुआ है,'' लता मुस्कुराते हुए कहती है।

FPO ने कृषि उपज के कोल्ड स्टोरेज के लिए अपने परिसर में चार सौर रेफ्रिजरेटर स्थापित किए

रो ई मंडल 3150 के डीजीएन शरत चौधरी (दाएं से चौथा) और प्रोजेक्ट चेयरमैन शांतिकुमार (बाईं ओर) रोटरी क्लब स्मार्ट हैदराबाद और हैदराबाद डेक्कन के सदस्यों के साथ कट्टनगुर गांव में एफपीओ में सोलर ड्रायर के उद्घाटन के बाद।

डीजीएन चौधरी निर्जलीकरण के लिए नींबू तैयार करते हुए।

है। इसे नाबार्ड से लोन और सब्सिडी की मदद से ₹15 लाख में खरीदा गया था। अब वह चाहते है कि हम गांव की महिलाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए उनके परिसर में अचार बनाने जैसी एक प्रसंस्कृत खाद्य इकाई स्थापित करें। इकाई से होने वाली आय का उपयोग ऋण चुकाने के लिए किया जा सकता है, वह कहते है। FPO हैदराबाद से 120 किलोमीटर दूर कट्टंगुर में 3 एकड़ जमीन पर स्थित है। ■

महिलाओं के लिए घर पर कैंसर स्क्रीनिंग की सुविधा

टीम रोटरी न्यूज़

रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स ने रो ई निदेशक गण ए एस वेंकटेश और महेश कोटबागी, डीजी पी सरवनन और उनकी पत्नी विजया की उपस्थिति में प्रोजेक्ट मलार का शुभारंभ किया।

रो ई मंडल 2982 ने अपनी परियोजना मलार के तहत तीन पोर्टेबल हेल्थकेयर डिवाइस प्रदान किए हैं - सर्वाईकल और स्तन कैंसर की जांच के लिए उपकरण, और बच्चों में सुनवाई की हानि के लिए - तमिलनाडु में होसुर के पास शूलगिरी में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में, और केंद्र के कर्मचारियों को इसका उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया है। इस परियोजना को रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स ने अपनी चेन्नई यात्रा के दौरान शुरू किया था। सहायक गवर्नर प्रतीप कृष्णन ने कहा कि बेंगलुरु स्थित स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदाता जेनवर्क्स हेल्थ के साथ रोटरी क्लब टिरचेंगोडू रेड्रॉक, होसुर सिपकोट और होसुर एंजेल्स ने इस परियोजना को समन्वित किया, जिससे होसुर मंडल की लगभग एक लाख महिलाओं को फायदा होगा। शूलगिरी यूपीएचसी, जिसके पेरोल पर 10 डॉक्टर हैं, पांच पड़ोसी पीएचसी के लिए रेफरल केंद्र है। शुरुआत में रोटरी क्लब हर महीने गांवों में तीन जागरूकता शिविर लगाकर लोगों को मशीनों से अवगत कराएगा।

''हमारा लक्ष्य अगले दो वर्षों में 50 और पीएचसी को ये उपकरण प्रदान करना है,'' वह कहते हैं। मंडल का लक्ष्य पहले तीन महीनों में छह पड़ोसी गांवों को कवर करना है। श्रवण हानि स्क्रीनिंग गैजेट एक महीने में 100 नवजात शिशुओं को लाभान्वित करेगा। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

मुंबई छात्रों के लिए लंच ब्रेक

किरण ज़ेहरा

मुंबई के एक गैर-सहायता प्राप्त स्कूल सरस्वती विद्या मंदिर में कक्षा 3 की छात्रा दीपाली को घड़ी देखते हुए कई मौकों पर पकड़ा गया था। उसकी क्लास टीचर स्वीटी सिंह कहती है, ''वह घड़ी को इतने गौर से देखती रहती थी कि मेरे पुकारने पर भी उसे अपना नाम सुनाई नहीं पड़ता था।'' जब उसे कक्षा में पढ़ाए जा रहे पाठ पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा जाता, तो दीपालीकिताब पर नज़र रखती थी, और जैसे ही टीचर मुड़ती वो वापस घड़ी को घूरने लग जाती।

''मेरी माँ मुझे नाश्ते में सिर्फ एक पाव देती है, मैं लंच टाइम की इन्तिज़ार में घड़ी देखती रहती हूँ ताकि पेट भर के खा सकूं,'' दीपाली कहती है। ''यहां ऐसे कई बच्चे आते हैं जो नाश्ता भी नहीं करते क्योंकि वे और भी निर्धन परिवार से आते हैं,'' स्वीटी कहती है और आगे बताती है कि ''उन्हें रो ई मंडल 3141 से रोटरी क्लब मुंबई वेस्टर्न एलिट द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा मिड - डे मील ही एकमात्र भोजन है जो बच्चे पेट भर के खा सकते हैं। कोई रोक टोक नहीं है, जितना मर्जी खाओ।''

2016-17 में क्लब द्वारा एक गैर-सहायता प्राप्त स्कूल में मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई यह परियोजना, आज चार स्कूलों तक पहुँच गई है, जिसमें रोज़ाना 450 छात्रों को भोजन खिलाया जा रहा है। सभी चार स्कूलों के लिए भोजन उपलब्ध कराने की परियोजना लागत सालाना ₹23 लाख है और इसके लिए क्लब द्वारा धन जुटाया जाता है। क्लब के अध्यक्ष पंकज जायसवाल कहते हैं, ''हमारे पास कुछ अन्य डोनर भी हैं जो उदारता से देते हैं लेकिन मुख्यतः इस परियोजना के लिए धन का स्रोत क्लब के सदस्य ही हैं।''

अगस्त 2016 में, तत्कालीन क्लब अध्यक्ष संदीप सराफ ने स्कूल की जरूरतों का आकलन करने के लिए संतोष नगर प्राइमरी स्कूल का दौरा किया, ''तो मैंने सोचा कि कोई बच्चा वहां कैसे पढ़ाई कर सकता है। स्कूल की ओर जाने वाली गली एक खाई के उस पार थी और परिसर अत्यंत दयनीय स्थिति में था,'' वह याद करते हैं। क्लब ने स्कूल का बुनियादी ढांचा तैयार कराया और प्रिंसिपल से पूछा कि और क्या चाहिए। गैर-सहायता प्राप्त स्कूल होने के कारण मध्याह्न भोजन कार्यक्रम का कोई प्रावधान नहीं था इसलिए ''हमने एक वर्ष के लिए भोजन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया।''

परियोजना के उद्घाटन के अवसर पर क्लब के सदस्यों ने बच्चों को भोजन खाते देखा था। वो हर कौर का आनंद ले कर गरमा गरम खाना खा कर बहुत उत्साहित

एक छात्र को खाना खिलाते क्लब अध्यक्ष पंकज जायसवाल। उनके पीछे प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर सचिन पटोदिया और देवकी नंदन अग्रवाल खड़े हैं।

थे! ''इन बच्चों के चेहरे पर झलकती खुशी देख कर हम अभिभूत हो गए और हमने इस पहल को जारी रखने का फैसला किया,'' सराफ कहते हैं।

इस परियोजना को अंतिम रूप देने के दौरान, शोध सामग्री के माध्यम से उन्होंने *नेचर कम्युनिकेशंस* पत्रिका में प्रकाशित 'भारत के राष्ट्रीय स्कूल फीडिंग प्रोग्राम के इंटरजेनरेशनल न्यूट्रिशन बेनिफिट्स' शीर्षक से एक लेख पढ़ा था। 1993 से 2016 तक माताओं और उनके बच्चों पर राष्ट्रीय प्रतिनिधि डेटा का उपयोग करते हुए अध्ययन ने जांच की थी कि क्या मध्याह्न भोजन, बच्चे का रैखिक विकास आगे आने वाली पीढ़ियों पर प्रभाव डाल उनकी वृद्धि में सहायक होता है या नहीं। यह पाया गया कि प्राथमिक विद्यालयों में मध्याह्न भोजन प्राप्त करने वाली लड़कियों के बच्चे स्वस्थ थे। ''जब आप बड़े परिदृश्य को देखते हैं, तो यह भोजन कार्यक्रम देश भर के स्कूली बच्चों के शारीरिक, मानसिक और मनोवैज्ञानिक विकास को लाभ पहुंचाता है। हम न केवल कक्षा की भूख को कम कर रहे हैं, बलिक यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि ये बच्चे स्वस्थ वातावरण में पले-बढ़ें, बल्कि हम उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर रहे हैं, विशेष रूप से लड़कियों के लिए।'' वे कहते हैं।

क्लब ने बाद में तीन अन्य गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों की पहचान की - सरस्वती विद्या मंदिर, छात्र अकादमी और मुंबई के गोरेगांव पूर्व में श्रीमती आशाबाई स्कूल। ''हमें स्कूल के अधिकारियों द्वारा सूचित किया गया था कि मध्याह्न भोजन के कारण छात्रों की संख्या और उपस्थिति में वृद्धि हुई है,'' जायसवाल कहते हैं। ''हम इस परियोजना का और विस्तार करने की उम्मीद कर रहे हैं। यह योजना केवल धन इकट्ठा करने और विक्रेताओं को भोजन के लिए भुगतान करने तक ही सीमित नहीं है। हम स्कूल जाते हैं, भोजन की गुणवत्ता की जांच करते हैं, और भोजन पर छात्र और शिक्षक की प्रतिक्रिया एकत्र करते हैं।''

ड़ नए मेनू में नूडल्स, पाव भाजी, बिरयानी और सब्ज़ी रोटी शामिल हैं। श्रीमती आशाबाई वेयर प्राइमरी स्कूल की कक्षा 3 का छात्र आरव कहता है, ''मंगलवार को हमने दोपहर के भोजन में नूडल्स खाए और यह मेरा पसंदीदा बन गया है । मैंने अपने शिक्षक से अगली बार मुझे अपनी माँ के लिए थोड़ा ले जाने की अनुमति देने को कहा है। मैं चाहता हूं कि वह भी इसे चख कर देखे।'' ■

शिमला में कैंसर रोगियों के लिए एक रोटरी हॉस्टल

वी मुत्तुकुमारन

रोटरी क्लब शिमला, रो ई मंडल 3080 द्वारा ₹3.5 करोड़ की लागत से बनाए गए कैंसर रोगियों और उनके परिचारकों के लिए छात्रावास रोटरी आश्रय की पहली वर्षगांठ के अवसर पर 1 दिसंबर को एक विशाल लंगर बनाया गया था। रसोई का उपयोग आईजीएमसी, राज्य के स्वामित्व वाले ऑन्कोलॉजी अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिचारकों को 1,000 से अधिक भोजन के पैकेट पकाने और वितरित करने के लिए किया जाएगा।

परियोजना अध्यक्ष डीजी वी पी कलता ने 2010 में आश्रय गृह की कल्पना की थी, जब वह रोटरी क्लब शिमला के अध्यक्ष थे। ''अधिकांश कैंसर रोगियों और उनके परिवारों को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि उपचार लागत के अलावा, शिमला में आवास प्राप्त करना मुश्किल है, जहां पर्यटक पूरे वर्ष यात्रा करते हैं,'' कलता कहते हैं। लेकिन क्लब को पर्यावरण मंजूरी के बाद राज्य मंत्रिमंडल द्वारा ठीक लगभग 440 वर्ग मीटर जमीन का पैच प्राप्त करने के लिए पांच साल तक इंतजार करना पड़ा। उन्होंने कहा, ''सीमेंट-कंक्रीट निर्माण कार्य पूरा करने में पांच साल से अधिक समय लग गया, इसके लिए एक नुल्लाह (धारा) पर काम करना था और शिमला में ठंड के महीनों के दौरान सीमेंट-कंक्रीट करवाना मुश्किल है।'' अब, रोटरी आश्रय, जो कि एक चार मंजिला इमारत है, कैंसर अस्पताल से केवल 50 मीटर की दूरी पर है और ''रोगियों के लिए एक मांग वाली जगह बन गई है। जबकि ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पार्किंग (35 कार) के लिए हैं, अन्य मंजिलों में 22 कमरे और दो डॉर्मिटरी हैं।'' उन्होंने कहा।

छात्रावास में एक बार में 32 मरीज और उनके परिचारक रह सकते हैं. हम एक छात्रावास के बिस्तर के लिए एक दिन में ₹250 लेते हैं; डबल बेड वाले कमरों के लिए 600 रुपये और ट्रिपल बेड वाले कमरों के लिए ₹800 किराया है।

यह SJVN की सीएसआर शाखा के साथ एक सामूहिक प्रयास रहा है, जो एक सरकारी स्वामित्व वाली पनबिजली फर्म है, जो ₹1 करोड़ का दान दे रही है; तुलसी राम भागीरथ राम मेमोरियल चैरिटेबल सोसाइटी TRBRMCS ₹1.5 करोड़ के साथ; और रोटरी क्लब शिमला के सदस्यों ने अपने धर्मार्थ ट्रस्ट के माध्यम से ₹85 लाख का योगदान दिया। शहरी विकास मंत्री सुरेश भारद्वाज और शिमला की तत्कालीन सांसद बिमला कश्यप ने इस परियोजना

रोटरी कैंसर छात्रावास के उद्घाटन के अवसर पर हिमाचल प्रदेश के सी एम जयराम ठाकुर (बाएं से दूसरे) शहरी विकास मंत्री सुरेश भारद्वाज (उनके बाएं) और डीजी वी पी काल्टा (दाएं)।

के लिए अलग-अलग ₹5 लाख का दान दिया था। ''हमने कैंसर अस्पताल को कुशलतापूर्वक चलाने के लिए एक छह सदस्यीय पैनल स्थापित किया है - मेरे सहित तीन रोटेरियन, और TRBRMCS से तीन,'' कल्टा कहते हैं। आधुनिक सुविधाएं - केंद्रीकृत हीटिंग, पावर बैक - अप, इंडक्शन स्टोव के साथ एक छोटा रसोईघर, प्रत्येक कमरे में बर्तन, और एक सब्सिडी कैंटीन - रोटरी आश्रय रोगियों के लिए एक आरामदायक लॉज बनाते हैं।

हिमाचल प्रदेश के स्पीति गांव की 34 वर्षीय मरीज लोबजंग डोलमा यहां घर जैसे महसूस करती हैं, ''यहां मेरी सभी जरूरतों का ख्याल रखा जाता है, भोजन से लेकर दैनिक आवश्यक वस्तुओं तक।'' ■

रोटेरियन को मिला फोटोग्राफी के लिए पुरस्कार

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब कोरेगांव पार्क, रो ई मंडल 3131, के एक वन्यजीव फोटोग्राफर संजय दनैत ने वन्यजीव श्रेणी में अपनी तस्वीर के लिए सोनी-BBC अर्थ पुरस्कार जीता है।

यह शौकीन फोटोग्राफर अपने काम को सोनी-BBC अर्थ में प्रदर्शित होने को लेकर उत्सुक है, जो BBC स्टूडियो और कल्चर मैक्स एंटरटेनमेंट के स्वामित्व वाले एक भारतीय टीवी चैनल है।

पिछले कुछ वर्षों में, दनैत को नैटजियो, BBC के वन्यजीव चैनलों, फेडरेशन इंटरनेशनेल डी ल आर्ट फोटोग्राफी (FIAP), फेडरेशन ऑफ इंडियन फोटोग्राफी (FIP), फोटोग्राफिक सोसाइटी ऑफ अमेरिका (PSA) और 35 अवार्ड्स (रूस) समेत अन्य अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिले है। इस साल, सोनी-BBC अर्थ अवार्ड प्रतियोगिता का विषय 'थ्रिल ऑफ लाइफ' था और तीन श्रेणियों -

पुरस्कार विजेता चित्र।

प्राकृतिक परिदृश्यों, रोमांच और वन्यजीव - में हजारों प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। प्रत्येक श्रेणी में प्रतियोगी से केवल एक तस्वीर की अनुमति थी। चयनित प्रविष्टियों को पहली बार 6-27 अक्टूबर तक सार्वजनिक मतदान के लिए सोनी-BBC अर्थ की वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया था। प्रत्येक श्रेणी में शीर्ष 15 प्रविष्टियां जिन्हें अधिकतम वोट मिले, उन्हें अंतिम निर्णय के लिए चुना गया था, और तीन विजेताओं, प्रत्येक श्रेणी में से एक, को नवंबर में जूरी द्वारा चुना गया था। *रोटरी न्यूज़* ने *बाघ के बच्चे वाटर पोलो खेलते हैं* शीर्षक के तहत मई अंक में उनकी तस्वीरों को चित्रित किया गया था। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

नेत्रहीनों के लिए एक पुनर्वसन कार्यशाला

जयश्री

भरत और उनके दो दोस्त एक कार्यालय की इमारत की लगभग 15 सीढ़ियां चढ़ने के बाद उत्साह से भर जाते है। ''मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैंने एवरेस्ट की चढ़ाई कर ली। यह मेरे जीवन में पहली बार है जब मैं बिना किसी सहायता के सीढ़ियां चढ़ पाया हूं,'' भावुक होते हुए भरत ने कहा। यह वास्तव में इन युवाओं के लिए एक उपलब्धि थी जो नेत्रहीन है और उन्हें हर कदम पर अपने दिन-प्रतिदिन के कार्यों के लिए किसी सहारे की जरूरत पड़ती थी। आज वे स्वतंत्र रूप से चलने, सड़क पार करने, सब्जियों और अनाज की पहचान करने और अपनी प्लेटों को टटोले बिना आत्मविश्वास से भोजन करने में सक्षम होने से खुशी से फूले नहीं समा रहे थे। नागपुर में आयोजित दो दिवसीय पुनर्वास कार्यशाला के लिए ये युवा और 200 अन्य दृष्टिबाधित लोग रोटरी क्लब नागपुर ईशान्य, रो ई मंडल 3030, के ऋणी है।

क्लब की सचिव डॉ मनीषा प्रशांत राठी कहती है, ''यह सब तब शुरू हुआ जब हमने एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराने के लिए नेत्रहीनों के लिए एक चलित कार्यशाला का शेड्यूल तैयार किया। अब तक इस किताब में नेत्रहीनों के लिए सफेद छड़ का उपयोग करने को लेकर पेशेवर प्रशिक्षण प्रदान करने का कोई रिकॉर्ड नहीं है, ''और हमने पहला होने का फैसला किया,'' वह आगे कहती है। क्लब फैसले का इंतजार कर रहा है।

''कीर्तिमान बने या न बने, हम इन लोगों के जीवन में एक बड़ा बदलाव लाकर खुश है जो अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में दो बार सोचते है। आज उनमें से हर एक ने जो कुछ भी सीखा है उसे वे अभ्यास में ला रहे है और कुछ कर दिखाना चाहते है,'' एक उत्साहित क्लब अध्यक्ष नरेश बलदवा कहते है।

इस कार्यशाला ने कॉलेज के एक छात्र पलाश हेडाऊ को अत्यधिक लाभान्वित किया। ''यह सफेद छड़ मेरा सारथी और मेरी आँखें है। अब मैं आत्मविश्वास से सड़क पर चल सकता हूँ और उसे बिना किसी डर के पार भी कर सकता हूँ। इससे पहले मैं सड़क के किनारे असहाय रूप से किसी सज्जन व्यक्ति का इंतजार करता था जो मेरा मार्गदर्शन कर सके। वह राजमा, चना और पोहा जैसे भोजन की पहचान करके खुश है। यह जानकर खुशी होती है कि मैं क्या खा रहा हूं,'' वह मुस्कुराता है।

एक पैरा तैराक, ईश्वरी कमलेशपांडे अब ध्वनियों से पक्षियों की पहचान करके खुश है वहीं गुणवंत येलने ''हमारी अन्य इंद्रियों के माध्यम से जीवन की सुंदरता को महसूस करके खुश है। इन दो दिनों ने मुझे जीवन को पूरी तरह से जीना और अपनी शारीरिक चुनौतियों से ऊपर उठना सिखाया है।''

संसाधन समन्वयक स्वागत थोराट और उनकी टीम ने सुरक्षित रूप से यात्रा करने और सार्वजनिक परिवहन तक पहुंचने के लिए सफेद छड़ का उचित उपयोग करने में व्यापक प्रशिक्षण प्रदान किया। ''महाराष्ट्र में बेंत का सही उपयोग सिखाने और गतिशील प्रशिक्षण प्रदान करने वाले बहुत कम शिक्षक है। इसलिए अधिकांश नेत्रहीन लोग अपने आराम क्षेत्र से बाहर कदम रखने में पर्याप्त रूप से आश्वस्त नहीं होते,'' मनीषा कहती है।

दो तकनीक - दो-बिंदु स्पर्श और तटरेखा - का पालन नेत्रहीनों द्वारा कुशलतापूर्वक अपने रास्ते को निर्देशित

छात्र सफेद बेंत से सड़क पार करना सीखते हुए।

नेत्रहीनों के लिए गतिशीलता कार्यशाला में वालंटियर करते हुए रोटरी क्लब नागपुर ईशान्य के सदस्य।

करने के लिए किया जाता है जिन्हें कार्यशाला में सिखाया गया था। ''यदि सामने कोई एस्केलेटर है तो अपनी छड़ को गतिशील क्षेत्र पर रखें ताकि यह पता लग सके कि यह ऊपर जा रहा है या नीचे। यदि बेंत आपसे दूर जा रहा है तो यह ऊपर जा रहा है; सीढ़ियों से ऊपर जाते वक्त जब आपका बेंत आखिरी बार टकराएं तो समझ लीजिए कि आप बस एक कदम और दूर है। नीचे जाते समय जमीन पर सुरक्षित रूप से कदम रखने के लिए आपको बस एक और कदम उठाना होगा। चलते समय अपने सिर को ऊंचा और कंधों को आराम से रखें। संसाधन टीम ने ऐसे उपयोगी सुझाव साझा किए।''

छात्रों को मिडब्रेन को सक्रिय करने के लिए भी प्रशिक्षित किया गया था जो गति, दृष्टि और सुनने के लिए जानकारी प्रसारित करता है, और उन्हें दिशाओं, वस्तुओं, फलों, सब्जियों और अनाज की पहचान करना सिखाया गया।

क्लब ने प्रतिनिधियों को सफेद छड़ें प्रदान की। रोटेरियनों को शुरू में उनका उपयोग करना सिखाया गया और उन्होंने आंखों पर पट्टी बांधकर इस कार्य में महारत हासिल की। नागपुर, चंद्रपुर, बदरावटी, वर्धा और कटूल के नेत्रहीन स्कूलों से बच्चे यहाँ लाए गए थे और क्लब द्वारा उनके परिवहन, आवास और भोजन का ध्यान रखा गया। इस कार्यशाला में ₹3.5 लाख खर्च हुए।

लाइव सत्र आयोजित किए गए जहाँ छात्रों को शहर की व्यस्त सड़क पर ले जाया गया। ''चरम ट्राफिक के दौरान उन्हें अपने सफेद बेंत के माध्यम से आत्मविश्वास के साथ सड़क पार करते हुए देखना बहुत संतोषजनक था। उन्हें हॉर्न की आवाज़ सुनकर वाहन की दूरी का आंकलन करना सिखाया गया। नागपुर यातायात पुलिस ने यातायात को नियंत्रित करने में हमारी मदद की।'' क्लब के तीन रोटरेक्ट क्लबों के रोटरेक्टरों ने इस कार्यशाला में स्वेच्छा से भाग लिया। वे ट्रैफिक जंक्शनों पर तख्तियां लेकर खड़े थे ताकि जनता को नेत्रहीनों की चुनौतियों के प्रति संवेदनशील कर सकें और फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त रखा जा सके और उन्हें अपनी गति से गुजरने देने के लिए कार को धीमा या रोक दिया जा सके।

कार्यशाला के बाद सफेद छड़ दिवस (15 अक्टूबर) पर क्लब ने एक फॉलो-अप आयोजित किया। मनीषा कहती है, ''हम यह सुनकर आश्चर्यचकित थे कि वे अपने सफेद छड़ की मदद से नए स्थानों की खोज कर रहे है वो भी बिना किसी सहायता के।'' क्लब ने उनमें से कुछ को प्लेसमेंट दिलवाकर उनकी मदद की जो कुशल एक्यूप्रेशर चिकित्सक थे। ''कार्यशाला में भाग लेने वाले कुछ युवा अब काम के अवसरों की तलाश करने के लिए अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकल रहे है। यह नई स्वतंत्रता उन्हें बाहर जाकर अपने सपनों को पूरा करने में मदद कर रही है।''■

कीर्तिमान बने या न बने, हम इन लोगों के जीवन में एक बड़ा बदलाव लाकर खुश है जो अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में दो बार सोचते है।

नरेश बलदवा
अध्यक्ष
रोटरी कल्ब नागपुर ईशान्य

ऊपर: रोटरी स्पेल बी प्रतियोगिता के विजयताओं के साथ डीजी गुलबहार सिंह रेटोले, डीजीई घनश्याम कंसल और मंडल इंटरेक्ट समिति के अध्यक्ष माणिक राज सिंगला।

रो ई मंडल 3090 में इंटरेक्ट को बढ़ावा

किरण ज़ेहरा

मोनिका सिंह की कलाकृति 'अतुल्य भारत' ने अपनी कक्षा में रोटरी पेंटिंग प्रतियोगिता पुरस्कार जीता। मैं अपने देश की प्रगति के विस्तार को सामने लाना चाहती थी। ''हमने अनेक क्षेत्रों में प्रगति की है, विशेष रूप से अंतरिक्ष अनुसंधान जो मेरा पसंदीदा विषय है इसलिए मैंने अपनी पेंटिंग में इसरो को उजागर किया है, पंजाब के पटियाला के सरकारी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की कक्षा 12 की छात्रा कहती है।

रो ई मंडल 3090 इंटरेक्ट समिति द्वारा अपने अध्यक्ष माणिक राज सिंगला के नेतृत्व में आयोजित प्रतियोगिता में 20 इंटरेक्टरों सहित लगभग 532 सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों ने भाग लिया। वर्धमान अस्पताल, पटियाला द्वारा प्रायोजित और शहर के पांच रोटरी क्लबों द्वारा समर्थित इस कार्यक्रम को किंडरगार्टन अनुभागों सहित कक्षा-वार आयोजित किया गया। प्रत्येक कक्षा के लिए एक थीम थी और विषयों को मौके पर ही दिया गया था। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्राप्त हुए जबकि विजेताओं को ट्राफियां और एक गिफ्ट हैंपर दिया गया। DGE घनश्याम कंसल ने पुरस्कार वितरित किए।

सिंगला कहते है, ''यह सरकारी स्कूल के छात्रों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने और कला की एक सुबह का आनंद लेने का अवसर था,'' वह आगे कहते है कि नियमित स्कूल पाठ्यक्रम में पाठ्येतर गतिविधियों के लिए बहुत कम या कोई जगह नहीं होती। ''हम इस नीरसता को तोड़ना चाहते थे और उन्हें अपनी रचनात्मकता व्यक्त करने और मज़े करने के लिए एक मंच देना चाहते थे।'' आयोजक टीम ने उन छात्रों को कला आपूर्ति प्रदान की जो उसको खरीदने में सक्षम नहीं थे। अवर लेडी फातिमा स्कूल में कक्षा 3 के ओमकार सैनी बहुत खुश है कि ''मुझे क्रेयॉन का वो बॉक्स लौटाना नहीं पड़ेगा जो मुझे मेरी क्लास टीचर ने दिया था। मैं इसे घर ले जाकर जब चाहे चित्रकारी कर सकता हूँ।''

जज बच्चों की रचनात्मकता को देखकर हैरान थी। जज रंजीत कौर कहती है: ''कागज पर कुछ ही रंगों से जान डालने का विचार शानदार है। यहाँ तक कि रंगों के संयोजन और अवधारणा के मामले में कक्षा 2 के एक छात्र की चित्रकारी भी शानदार थी। उनकी रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने और उन्हें अपनी पूरी क्षमता का एहसास दिलाने के लिए इस तरह के और कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।''

यह समिति इंटरेक्टरों और उनके स्कूल के साथियों के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रही है। ''हम चाहते है कि अधिक छात्र इंटरेक्ट में शामिल हों। यह उनके लिए नए कौशल सीखने और इंटरैक्ट अनुभव का आनंद लेते हुए अपने समुदाय की मदद करने के लिए एकदम सही मंच है। उम्मीद है कि इस सहयोग के माध्यम से इनमें से कुछ बच्चे भविष्य में रोटरेक्ट और रोटरी का हिस्सा बनना चाहेंगे,'' वह कहते है।

हाल ही में 20 सरकारी स्कूलों के 467 छात्रों को रोटरी पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता और रोटरी स्पेल बी प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा करने हेतु प्रशिक्षित किया गया जिसमें 18 स्कूलों के 1,032 छात्रों ने भाग लिया। ■

रो ई मंडल 3142 में उच्च सदस्यता विकास

टीम रोटरी न्यूज़

एक कार्यक्रम में, रो ई मंडल 3142 में एक नए बेंचमार्क के साथ सदस्यता वृद्धि में बार को बढ़ाते हुए, रोटरी क्लब डोंबिवली ईस्ट के अध्यक्ष विजय डुंब्रे ने अगस्त में, जो कि रोटरी की सदस्यता का महीना था, 56 रोटेरियन को शामिल किया।

रोटरी वर्ष की शुरुआत में, डुंब्रे ने पिछले अध्यक्षों की मदद मांगी, जिन्होंने उन्हें एक बार में 56 नए रोटेरियन को शामिल करने की उपलब्धि हासिल करने में मार्गदर्शन किया। ''उन्होंने सभी 170 सदस्यों से सदस्यता के लिए संभावित उम्मीदवारों के लिए अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और सहकर्मियों के बीच देखने का अनुरोध किया। इस प्रकार, क्लब द्वारा एक मेगा सदस्यता अभियान शुरू किया गया था,'' मंडल ट्रेनर पीडीजी चंद्रशेखर कोलवेकर ने कहा।

कराओके, ढाबा, साइकल चालक और इक्विटी जैसे फैलोशिप समूहों के सदस्य बाहर आये और समान विचारधारा वाले लोगों को क्लब में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया, ''फैलोशिप और सेवा परियोजनाओं का आनंद लेने के लिए।'' पिछले 2 -3 वर्षों में शामिल होने वाले रोटेरियन अगस्त कार्यक्रम में शामिल नए सदस्यों का एक बड़ा हिस्सा प्राप्त करने के लिए जिम्मेदार थे, उन्होंने कहा।

डीजी कैलाश जेठानी और क्लब के अध्यक्ष विजय डुम्ब्रे सहित नवनियुक्त सदस्य।

लिंग समानता पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, महिला रोटेरियन को तेजस्विनी पुरस्कार कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी दी गई, जिसमें तन्वी हर्बल्स की संस्थापक डॉ मेधा मेहंदाले द्वारा नौ महिला उद्यमियों को सम्मानित किया गया। वर्तमान में, 35 वर्षीय क्लब में 220 सदस्य हैं।

वर्ष की पहली तिमाही में जिला लक्ष्य को पूरा करने के बाद, डुंब्रे ने नवंबर के अंत तक एक और 56 सदस्यों को शामिल करने की योजना बनाई है। उन्होंने नए सदस्यों को जोड़ने में अपनी सफलता के लिए अब तक छप्पन (56) कमाया है। अपनी प्रशंसा पर आराम नहीं करते हुए, ''वह अपने अगले लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं,'' कोलवेकर ने कहा। ■

ADVERTORIAL

मण्डल 3110

प्राची – पवन अग्रवाल

मण्डलाध्यक्ष, रो.अ.मण्डल 3110

पीडीजी देवेन्द्र अग्रवाल
ए.आर.आर.एफ.सी.

पीडीजी शरत चन्द्रा
डी.आर.एफ.सी.

मेजर डोनर–लेवल 3

रो. योगेश जिन्दल
एवं श्रीमती सुधा जिन्दल
रोटरी क्लब ऑफ काशीपुर

टीआरएफ योग्दान-$7800

रो. बबिता जैन
रोटरी क्लब ऑफ नैनीताल – अध्यक्ष

सीएसआर (CSR) प्रोजेक्ट्स

हमारे मण्डल द्वारा एक और सीएसआर परियोजना RF(I) द्वारा अनुमोदित की गई है। इस रोटरी वर्ष में हमारे मण्डल की यह 7वीं सीएसआर परियोजना है। परियोजना का उद्देश्य काशीपुर क्षेत्र में 8 विद्या भारती स्कूलों में कंप्यूटर लैब उपलब्ध कराना है। परियोजना की कुल लागत 25,00,000 रुपये (USD 30,500) है। इस परियोजना में कार्पोरेट भागीदार मेसर्स काशी विश्वनाथ टेक्सटाइल मिल प्राइवेट लिमिटेड, काशीपुर है।
इस रोटरी वर्ष में हमारे मण्डल में अनुमोदित 7 सीएसआर परियोजनाओं का कुल मूल्य 3,03,50,000 रुपये है।

इंडोमेन्ट फंड

हमारे मण्डल के लिए यह बहुत गर्व की बात है कि इस रोटरी वर्ष में मण्डल 3110 में अब तक का पहला एंडोमेंट कोष बनाया गया है। रोटरी क्लब ऑफ काशीपुर ने ''शेयर'' आधार पर 25,316 अमेरिकी डॉलर (25 लाख रुपये) का पूल एंडोमेंट फंड बनाया।

इस एंडोमेंट फंड के अर्जन का एक हिस्सा अगले साल से हमारे मण्डल के DDF में आएगा। अर्जन का यह हिस्सा हमरे DDF में प्रतिवर्ष आएगा और आने वाले वर्षों में कई सेवा परियोजनाओं के लिए सहायक होगा।

सदस्यता वृद्धि

डीजीएन नीरव गिमेश अग्रवाल
चेयर
मण्डलीय सदस्यता समिति

एक बार पुन: हमारे मण्डल 3110 ने जोन 6 में

उच्चतम सदस्यता वृद्धि

हासिल की।

379
सदस्यता में वृद्धि

&

10.5%
सदस्यता में विकास दर

स्रोत : रोटरी अन्तर्राष्ट्रीय की सदस्या रिपोर्ट (31 अक्टूबर 2022 के अनुसार)

कन्या श्री 2.0

ANNOUNCING MEGA PROJECT
of
DISTRIBUTION OF E-TABS
to
635 Girl Students
by
88 Rotary Clubs of RI District 3110

DATE	TIME	DAY
DEC, 4	11 AM	SUNDAY

प्रोजेक्ट 'करुणा'

मण्डल 3110 ने करुणा परियोजना शुरु की है जिसमें मण्डल के 35 क्लबों द्वारा व्यक्तिगत और संस्थागत लाभार्थियों को 450 व्हील चेयर वितरित की जायेंगीं। प्रत्येक व्हील चेयर को मण्डल के प्रत्येक रोटेरियन द्वारा 1,000 रुपये की सहयोग राशि का भुगतान करके प्रायोजित किया जाता रहा है। व्यक्तिगत लाभार्थीयों के अतिरिक्त यह व्हील चेयर्स वृद्धाश्रम, विधवा आश्रम, धर्मार्थ अस्पताल, रेलवे स्टेशन आदि संस्थानों में भी वितरित की जा रही हैं।

मण्डल 3110 की गतिविधियां

"अर्पण: दि रोटरी फाउण्डेशन" की झलकियां

मुख्य अतिथि
पीआरआईडी डा. भरत पाण्डया
टी.आर.एफ. ट्रस्टी

विशेष अतिथि
सुश्री मानुषी छिल्लर
मिस वर्ड (2017)

विशेष पुरस्कृत
पद्म श्री
डा. जितेन्द्र सिंह 'शंटी'

विभिन्न सेवा कार्य

रक्त दान

वर्ल्ड हैंडवाशिंग दिवस

वर्ल्ड हैंडवाशिंग दिवस

व्हील चेयर्स का वितरण

स्वास्थ्य शिविर

टी.वी. किट वितरण

दीपावली पर्व – राशन वितरण

स्वच्छता अभियान

रो. राज मेहरोत्रा
CDS (Admin)

भोजन वितरण

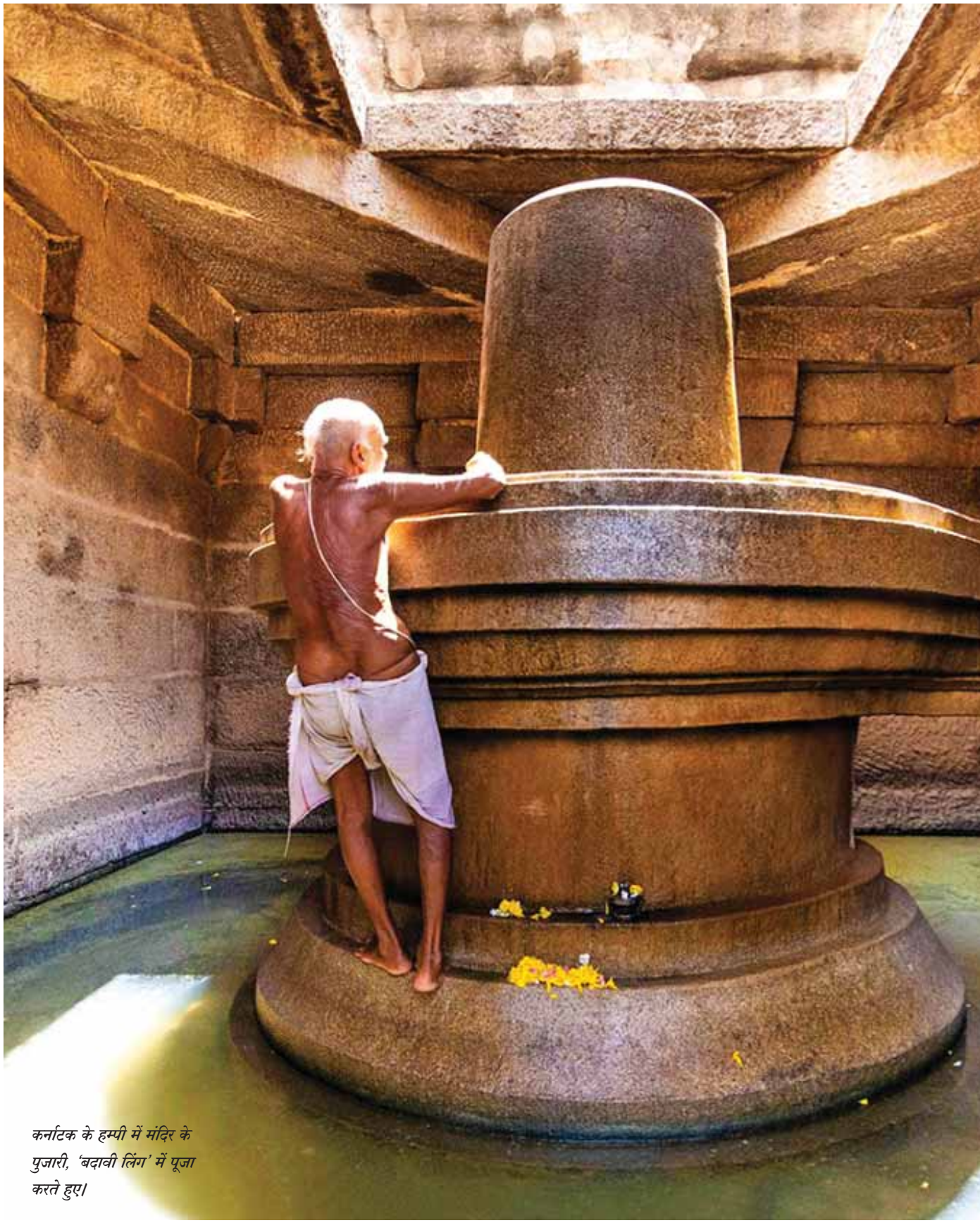

कर्नाटक के हम्पी में मंदिर के पुजारी, 'बदावी लिंग' में पूजा करते हुए।

चमकीले गुलाबी रंग से लेकर सुखद पीले रंग तक

एस आर मधु

श्रीवत्सन शंकरन की तस्वीरें ऊर्जा और मार्मिकता के साथ दमकती है। ट्रैवल फोटोग्राफर बने इस 32 वर्षीय इंजीनियर का काम लोगों और प्रकृति का उत्सव है - त्योहार, परिदृश्य, रोजमर्रा की जिंदगी का नाटक। कुंभ मेले, केरल की नौका दौड़ या मदुरै में बैलों को काबू करने के उत्सव की उनकी तस्वीरें देखें। या चेन्नई में मरीना समुद्र तट की तस्वीरें, भोर या सूर्यास्त के शानदार छायाचित्र।

जैसा कि मेघना मजूमदार *द हिंदू* में कहती है, ''उनकी तस्वीरों में लोग अक्सर रंग-बिरंगे दिखाई देते है, चाहे वह शानदार स्वेटर पहने हों, प्लास्टिक की बरसाती पहने हो या होली के असंख्य जलीय, पाउडर वाले रंग हों। उनके काम में रंग उठकर

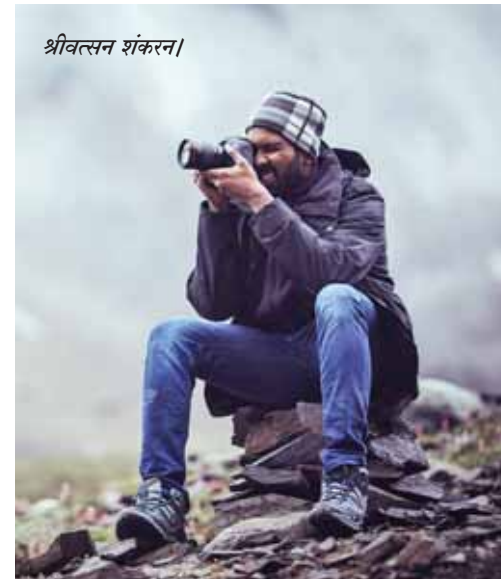

श्रीवत्सन शंकरन।

ऊपर से: रात भर बारिश के बाद चेन्नई; चेन्नई के सोकार्पेट में होली का त्योहार।
दाएं: चेन्नई के कासिमेड्डु में मछली की गाड़ी।

दिखते है - होली उत्सव के दौरान जीवंत गुलाबी रंग से लेकर कोल्हापुर के पट्टन कोडोली त्योहार के आनंदमय पीले रंग तक।''

श्रीवत्सन भारत की विशिष्टता, विशेष रूप से ग्रामीण भारत को उजागर करना पसंद करते है। कई विदेशी फोटोग्राफर भारत का सजीव चित्रण करते हुए अपना जीवन यापन करते है। मैंने सोचा कि क्यों न मैं भी ऐसा करूँ? उन्होंने लगभग 40 शहरों और अनगिनत गांवों की यात्रा की। उन्होंने हिमाचल प्रदेश के हिक्किम में दुनिया के सबसे ऊंचे डाकघर की तस्वीर ली; ताज में तीन दिन बिताए ताकि वहाँ के वातावरण में सराबोर हो सकें; तीन बार चेरापूंजी का दौरा किया जहाँ दुनिया में सबसे अधिक वर्ष होती है।

वह कहते है कि उनकी ''तस्वीरें प्रकृति और उसको पोषित करने वाले लोगों के मध्य रिश्ते को उजागर करती है। मेरा मानना है कि किसी स्थान को जानने का सबसे बेहतरीन संभव तरीका वहाँ के लोगों की मूल संस्कृति और विरासत में घुल-मिलकर उनकी जीवन शैली को समझना है।'' हेनरी कार्टियर-ब्रेसन और रघु राय उन फोटोग्राफरों में से है जिन्होंने उन्हें सबसे अधिक प्रभावित किया।

श्रीवत्सन एक गंभीर विकलांगता से पीड़ित है - उन्हें श्रवण विकलांगता है। जब वह छह साल के थे तो डॉक्टर ने कहा कि वह दाहिने कान से कुछ भी सुनने में सक्षम नहीं है और बायाँ कान भी बुरी तरह प्रभावित है। यह सुनकर उनकी मां फूट-फूटकर रोने लगी।

''बहरा होना एक बड़ी चुनौती थी,'' श्रीवत्सन कहते है। ''मेरे लिए दोस्त बनाना मुश्किल था। मैं शर्मीला था और लोगों से जुड़ने में असहज महसूस करता था।''

हालांकि, दृढ़ संकल्प के साथ वो कामयाब हुए। उन्होंने स्कूल में कड़ी मेहनत की, एक इंजीनियरिंग कॉलेज से स्नातक हुए और दो साल तक TCS में काम किया। 23 साल की उम्र में उन्होंने अपने जुनून - फोटोग्राफी - के लिए भारत की

उनके काम में रंग उठकर
दिखते है – होली उत्सव के दौरान
जीवंत गुलाबी रंग से लेकर
कोल्हापुर के पट्टन कोडोली त्योहार
के आनंदमय पीले रंग तक।

नीचे: कासिमेडु बंदरगाह।

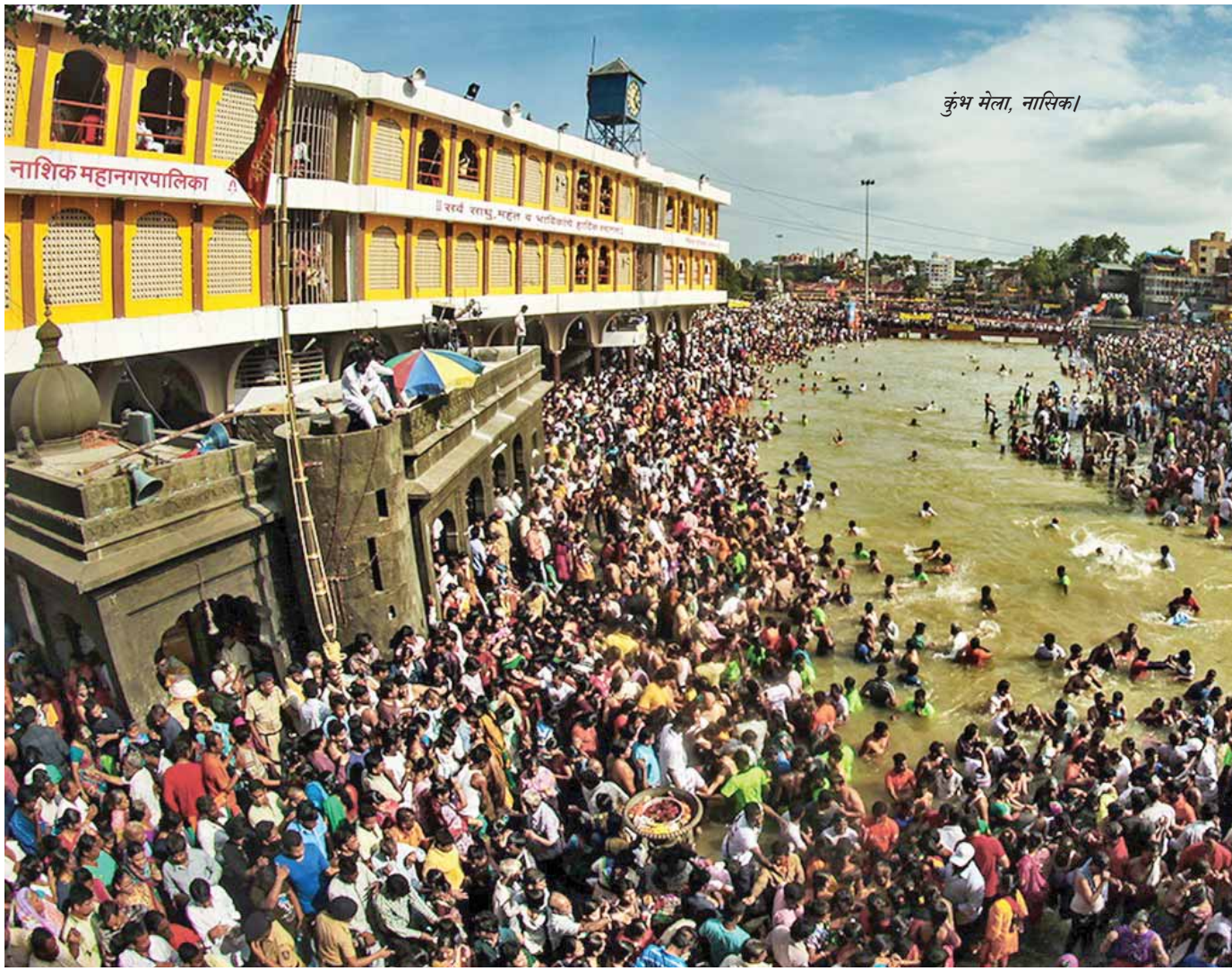

कुंभ मेला, नासिक।

अग्रणी IT कंपनी में अपने पेशे और एक सम्मानजनक नौकरी को छोड़ दिया।

श्रीवत्सन को बहुत पहले ही फोटोग्राफी का शौक लग गया था। उन्होंने स्वयं से सीखा, बहुत अभ्यास किया और बहुत कुछ शूट किया, फोटोग्राफी से जुड़ी पत्रिकाएं पढ़ी और अपनी गलतियों से सीखा। ''इस शौक से मुझे अपार प्रसन्नता महसूस हुई जो पहले कभी महसूस नहीं हुई थी।''

''मैंने कैनन 500D के साथ शुरुआत की और मूल बातें सीखीं। तीन साल बाद मैंने अपने पैसे से एक कैनन 6ऊ खरीदा। अब मेरे पास 16-35 मिमी लेंस वाला एक सोनी -7R3 कैमरा है। मैं सोनी अल्फा कैमरे का एक ब्रांड इन्फ्लुएंसर भी हूँ। सोनी हमारी गतिविधियों का समर्थन करता है।''

आज वह यात्रा करते है, पढ़ाते है, फोटो अभियान चलाते है, ग्राहकों के साथ बातचीत करते है और खुद के द्वारा स्थापित मद्रास फोटो ब्लॉगर्स (MPB) के लिए कार्यक्रम आयोजित करते है।

MPB 4,000 से अधिक फोटोग्राफरों का एक समुदाय है। यह नेटवर्किंग और मार्गनिर्देशन को सक्षम बनाता है और नए फोटोग्राफरों को एक मंच प्रदान करता है। यह नियमित रूप से कार्यशालाओं एवं प्रदर्शनियों और फोटो वॉक आयोजित करता है, कभी-कभी तमिलनाडु पर्यटन विभाग के सहयोग से। इसने 10 से अधिक फोटो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

MPB कई तरह से श्रवण बाधितों की मदद करता है। यह आठ से 10 लोगों के बैच के लिए

श्रमिक प्रतिमा, मरीना बीच, चेन्नई।

ट्रिप्लिकेन टेम्पल कार फेस्टिवल का एक दृश्य।

मेरा मानना है कि किसी स्थान को जानने का सबसे बेहतरीन संभव तरीका वहाँ के लोगों की मूल संस्कृति और विरासत में घुल-मिलकर उनकी जीवन शैली को समझना है।

श्रीवत्सन शंकरन

सांकेतिक भाषा में एक बुनियादी फोटोग्राफी पाठ्यक्रम लेकर आएं, जहाँ प्रशिक्षक संवाद के लिए सांकेतिक भाषा, चेहरे के हाव-भाव और व्यावहारिक तरीकों का उपयोग करते है। पाठ्यक्रम के उन प्रतिभागियों को एक कैमरा प्रदान किया जाता है जिनके पास नहीं है। श्रवण बाधित प्रतिभागी कौशल प्राप्त करके अपने आत्मविश्वास को बढ़ाते है, और इसी तरह की चुनौतियों के साथ दूसरों से मिलते है। ''फोटोग्राफी निर्जीव चीजों में नई जान डालती है। और मुझे इसे संभव बनाना रोमांचक लगता है।''

लद्दाख में फोटोग्राफी

श्रीवत्सन अपने सबसे अद्भुत परिदृश्य अनुभवों में से एक को लेकर भावुक है - लद्दाख में लेह महल की उनकी यात्रा जिसकी ऊंचाई अनेक मंजिला है। लेकिन जब वह गए तो उस समय महल के नवीकरण के चलते वह वहाँ का अधिकांश हिस्सा देख नहीं पाएं। ऊपरी मंजिलों पर जाने के लिए कोई सीढ़ियाँ या रास्ता मौजूद नहीं था इसलिए श्रीवत्सन और उनके समूह ने इसकी सात मंजिलों पर जाने के लिए सीढ़ियों का उपयोग किया!

उतना ही चुनौतीपूर्ण लेह का नामग्याल त्सेमो गोम्पा था, जो एक चट्टान पर बसा बौद्ध मठ था जिसमें बुद्ध की तीन मंजिला ऊंची सोने की मूर्ति है। उन्हें चट्टान तक पहुंचने के लिए भारी ट्रेकिंग करनी पड़ी, लेकिन उनके प्रयासों की वजह से उस मठ से लेह शहर के आश्चर्यजनक मनोरम दृश्य देखने लायक थे।

कहानी यहीं खत्म नहीं होती। उन्हें नीचे भी उतरना पड़ा जो भयानक था। ''हमें एक हाथ में कैमरा लेकर उतरना था और दूसरे हाथ से संतुलन बनाना था। लद्दाखी चाय की चुस्की के साथ अपनी ऊर्जा को दोबारा बहाल करते हुए हमने मनोरम यादों भरे अपने मनमोहक दिवस को याद किया,'' वह मुस्कुराते है।

चेन्नई की श्रीवत्सन की तस्वीरें - इसके बाजार, मंदिर, त्यौहार और मूर्तियां, इसके लोग और उनकी जीवन शैली - उस शहर के प्रति उनके प्रेम को दर्शाती है, जैसा कि इस फोटो निबंध में देखा जा सकता है।

सौजन्य: *बिट्वीन द लाइंस,* मद्रास बुक क्लब।

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

आपके गवर्नर्स

बलवंत सिंह चिराना

स्कूल शिक्षा, रोटरी क्लब सीकर, रो ई मंडल 3054

सदस्यता वृद्धि उनका लक्ष्य

इन DG का एक लक्ष्य है ''मेरे मंडल की सदस्यता को दुनिया में सबसे अधिक करना और ऐसा मैं 1,000 से अधिक नए रोटेरियनों को शामिल करके करूंगा,'' बलवंत सिंह चिराना कहते है। वह 7,214 सदस्यों वाले 174 क्लबों को निर्देशित करते है और पहले ही आठ नए क्लबों का गठन कर चुके है और इस साल 26 और नए क्लब जोड़ेंगे जिससे जून के अंत तक कुल सदस्यता 8,300 से अधिक हो जाएगी।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ग्लोबल हॉस्पिटल में एक वैश्विक अनुदान और क्लब सदस्यों के माध्यम से वित्त पोषित किए गए ₹3 करोड़ की लागत से एक और ब्लड बैंक एवं थैलेसीमिया सेंटर जोड़ा जाएगा। वैश्विक अनुदान की राशि से हाल ही में जयपुर में ₹2 करोड़ का एक स्किन बैंक स्थापित किया गया। चिराना की कोटा में पांच एकड़ (₹2-3 करोड़) में एक शहरी वन विकसित करने की योजना है। कैच फाउंडेशन की मदद से अहमदाबाद में दो मियावाकी जंगल (प्रत्येक एक एकड़) स्थापित किए गए।

5,000 स्कूल और कॉलेजों में पांच लाख विद्यार्थियों के लिए एक नशा विरोधी अभियान चलाया जाएगा। जबकि 52 हैप्पी स्कूल चल रहे है। TRF को देने का लक्ष्य 600,000 डॉलर से बढ़कर 1 मिलियन डॉलर हो गया है। PDG अशोक गुप्ता और रोटेरियन सुनील मोर से प्रभावित होकर वह 1997 में रोटरी से जुड़े।

भास्कर राम विश्वनाथम

चार्टर्ड अकाउंटेंट, रोटरी क्लब राजमुंदरी रिवर सिटी, रो ई मंडल 3020

सार्वजनिक छवि को बढ़ाने के लिए एक रोटरी पार्क

राजमुंदरी में 1.5 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में स्थित एक रोटरी म्यूनिसिपल पार्क (₹38 लाख) वॉकिंग ट्रैक, ''एक खुला जिम और अन्य हरित सुविधाओं से सुसज्जित है जिसे समुदाय में सराहा जा रहा है,'' भास्कर राम कहते है। उन्होंने सात नए क्लबों (कुल 15 नियोजित) का गठन किया है जिससे कुल संख्या 85 क्लबों तक पहुंच गई है और वर्ष के लिए 1,500 रोटेरियनों को जोड़ने के अपने लक्ष्य के अंतर्गत 769 नए सदस्यों को शामिल किया गया। वर्तमान में सदस्य संख्या 5,799 है।

प्राथमिक विद्यालयों में छह RO इकाइयां (₹30 लाख) स्थापित करने से लगभग 4,000 विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल तक पहुँच प्राप्त हुई है। लगभग 7-8 वैश्विक अनुदान परियोजनाएं प्रक्रियाधीन है। राजमुंदरी के पास स्थित कोव्वुर गांव में ₹8 करोड़ की लागत से एक रोटरी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल बन रहा है। हमने ₹2.5 करोड़ का योगदान दिया है और शेष राशी CSR निधि से आएगी। TRF को देने के लिए उनका लक्ष्य 450,000 डॉलर का है।

राम एक GSE सदस्य के रूप में अमेरिका के मिसूरी में रो ई मंडल 6070 की अपनी यात्रा के बाद 1994 में रोटरी से जुड़े। 1996 में उन्होंने *प्रोजेक्ट कैलाश भूमि* की शुरुआत की जो हिंदू श्मशान घाटों का नवीनीकरण करता है और यह 65 क्लबों की एक चिन्हक परियोजना है। वह एक AKS सदस्य है।

से मिलिए

वी मुत्तुकुमारन

डॉ आनंद ए झुनझुनूवाला

नेत्र सर्जन, रोटरी क्लब खामगांव, रो ई मंडल 3030

किसानों का कल्याण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है

प्रत्येक क्लब किसानों की सहायता के लिए कम से कम दो कृषि कार्यक्रम शुरू करेगा और ''हम कम से कम 200 ऐसी कल्याणकारी परियोजनाएं करेंगे,'' डॉ आनंद झुनझुनूवाला कहते है। कृषि विश्वविद्यालयों के समर्थन से की गई कृषि परियोजनाओं को क्लब दाताओं द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा। उन्होंने वादा किए गए 500 नए रोटेरियनों में से 200 को शामिल किया है जिससे जून के अंत तक उनकी सदस्यता बढ़कर 5,500 हो गई है; और 10 नए क्लबों को अधिकृत किया है। वर्तमान में मंडल में 99 क्लब है। वह 500 रोटरेकटरों को शामिल करने हेतु उत्सुक है जिससे सदस्य संख्या 1,500 से अधिक हो जाएगी।

वैश्विक अनुदान और CSR कोष के माध्यम से सरकारी और न्यास अस्पतालों में पांच-पांच इकाइयों के साथ पांच डायलिसिस केंद्र (₹50 लाख) स्थापित किए जाएंगे। झुनझुनूवाला 10 हैप्पी स्कूल करना चाहते है। 30 रोटरी सिंगर वोकेशनल केंद्रों में महिलाओं को प्रशिक्षित एवं प्रमाणित किया जाएगा। ''वे तीन और छह महीने के पाठ्यक्रम चलाते है, जिसके बाद परीक्षा आयोजित करके प्रमाण पत्र दिए जाते है।'' TRF के लिए उनका लक्ष्य 500,000 डॉलर इकट्ठा करना है। वह 2003 में अपने पिता अशोक झुनझुनूवाला से प्रेरित होकर रोटरी में शामिल हुए जो एक रोटेरियन भी है।

गुलबहार सिंह रेतोले

एडवोकेट, रोटरी क्लब फतेहाबाद टाउन, रो ई मंडल 3090

युवाओं को नशे से बचाना उनका लक्ष्य

प्रोजेक्ट बी अवेयर ऑफ अडिक्शन के तहत क्लब स्कूलों और कॉलेजों में कार्यशालाएं, सेमिनार और जागरूकता सत्र आयोजित करेंगे। युवाओं को शिक्षित किया जाएगा कि जब उन्हें कोई नशीले पदार्थ बेचने वाला दिखे या मादक द्रव्यों का सेवन होते दिखे तो वे पुलिस को कैसे सतर्क करें। सिंह का लक्ष्य जून के अंत तक कुल क्लबों को 114 तक ले जाने के लिए 10 नए क्लबों (चार पहले से गठित) को अधिकृत करना है और वे 250 रोटेरियनों को शामिल करके कुल संख्या को 2,750 के पार ले जाना चाहते है। 40 रोटरेक्ट क्लबों में से केवल 20 सक्रिय है और मेरा 50 नए रोटरेकटरों को जोड़ने का साधारण लक्ष्य है।

''*प्रोजेक्ट गोइंग टू स्कूल* वंचित परिवारों को अपने बच्चों को स्कूल भेजने हेतु प्रेरित करेगा। वंचित परिवारों के माता-पिताओं को अपने बच्चों को स्कूल भेजने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा,'' वह कहते है। रोटरी क्लब पटियाला के प्रोफेसर एन एस सोढ़ी इस परियोजना के प्रमुख है और वह *प्रोजेक्ट केयर ऑफ सीनियर सिटीजंस* का नेतृत्व करेंगे जो अपने बच्चों द्वारा उपेक्षित किए गए बुजुर्ग जोड़ों को भोजन, कपड़े और दवाएं प्रदान करेगा। कम से कम 100 स्वास्थ्य शिविर और 50 स्तन एवं सर्विकल कैंसर जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे। TRF को देने के लिए उनका लक्ष्य 175,000 डॉलर का है। वह अपने पिता स्वर्गीय हरमिंदर सिंह रेतोले से प्रेरित होकर 2006 में रोटरी से जुड़े।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

रोटरी क्लब नैनीताल की अध्यक्ष बबीता जैन महरागांव गांव में एक महिला को सिलाई मशीन भेंट करते हुए। उनके पति पीडीजी सुभाष जैन (रो ई मंडल 3012) दाएं से चौथे स्थान पर हैं।

Rotary
PEOPLE OF ACTION

मेहरागांव की महिलाओं के लिए सिलाई मशीन

किरण ज़ेहरा

इंटरेक्ट क्लब ऑफ मेहरागांव के इंटरेक्टर्स एक स्वच्छता अभियान पर।

रोटरी क्लब नैनीताल, रो ई मंडल 3110, के सदस्य रवि नरूला की पत्नी रेखा नरूला, नैनीताल के पास स्थित एक गांव मेहरागांव की वंचित महिलाओं के साथ काम कर रही है। इनमें से अनेक महिलाएं स्वयं सहायता समूहों का हिस्सा थी। ''वे हमसे पैसे नहीं चाहती। इसके बजाय उन्हें आजीविका कमाने और अपनी आय को बढ़ाने के लिए एक साधन की आवश्यकता थी,'' रेखा कहती है। उन्होंने अपने पति के क्लब से संपर्क किया और कुछ ही समय में उन्होंने आठ लाभार्थियों के लिए ₹3,800 प्रति लाभार्थी की लागत से सिलाई मशीन दान करने हेतु धन जुटाया।

चूंकि कुछ लाभार्थियों ने स्वयं सहायता समूहों के समर्थन से एक सिलाई पाठ्यक्रम पूरा किया था, इसलिए वे त्वरित रूप से सिलाई के ऑर्डर लेना शुरू कर सकते है। ''हम सिर्फ सिलाई मशीनें दान करने के साथ नहीं रुके। हमने सिलाई सामग्री खरीदी और उन्हें थोक ऑर्डर दिलाए,'' क्लब की अध्यक्ष बबीता जैन कहती है। शुरुआती ऑर्डर ₹20 प्रत्येक के 2,000 कपड़े के थैले बनाने का था। उन्हें अपने किए गए काम के लिए सीधे तौर पर भुगतान मिला। क्लब ने उनसे कोई भी शुल्क नहीं लिया,'' वह कहती है।

एक लाभार्थी हेमा जतिन का कहना है कि वह उस ऑर्डर से 1,250 कमा सकीं। ''भले ही यह एक छोटी राशि है लेकिन हम इसका उपयोग कर्ज चुकाने, स्कूल फीस का भुगतान करने या कोई आवश्यक घरेलू सामान खरीदने में कर सकते थे जिसे हम पहले वहन नहीं कर सकते थे।''

भले ही यह एक छोटी राशि है लेकिन हम इसका उपयोग कर्ज चुकाने, स्कूल फीस का भुगतान करने या कोई आवश्यक घरेलू सामान खरीदने में कर सकते थे जिसे हम पहले वहन नहीं कर सकते थे।

हेमा जतिन, एक लाभार्थी

एक लाभार्थी।

क्लब अध्यक्ष कहते है, पिछली दिवाली उन्होंने हैंपर बैग डिजाइन करके सिले थे और ''हमने उन्हें इसे बेचने में मदद की।'' अब उनके पास वाइन बॉटल कवर, बैग और एप्रन के ऑर्डर है। वे प्रति पीस ₹50 से ₹150 के बीच कमा सकते है। ''महिलाएं अपने काम को लेकर उत्साहित है और उनमें से कुछ अपने द्वारा सिली गई वस्तुओं में फीता या सजावटी बटन लगाकर उसे व्यक्तिगत स्पर्श भी देती है। हम उनके उत्पादों के विपणन में उनकी मदद करने की योजना बना रहे है ताकि उन्हें बेहतर दाम मिल सकें,'' वह आगे कहती है।

महिलाओं को फरसोली गांव में रोटरी डिस्पेंसरी में स्वास्थ्य सुविधाओं तक नि:शुल्क पहुंच मिल सकती है। बबीता कहती है कि इंद्रशील जैन ट्रस्ट के सहयोग से स्थापित यह क्लिनिक जल्द ही एक वैश्विक अनुदान की मदद से रोटरी डायग्नोस्टिक केंद्र में बदल जाएगा, वह आगे कहती है कि इस क्षेत्र के अस्पतालों में उचित उपकरणों की कमी है और ग्रामीणों को किसी भी परीक्षण या साधारण से एक्स-रे के लिए भी नैनीताल जाना पड़ता है। ''हमने इस परियोजना के लिए 30,000 डॉलर जुटाए है और हम एक साझेदार क्लब की प्रतीक्षा कर रहे है।''

क्लब ने हाल ही में संगठन की सार्वजनिक छवि को बढ़ावा देने के लिए नैनीताल के माल रोड पर रोटरी के लोगो वाली बेंच स्थापित की है। क्लब के सचिव नरिंदर कुमार लांबा कहते है, ''हमने स्वच्छता को बढ़ावा देने और गंदगी पर अंकुश लगाने के लिए रोटरी जॉगर्स पार्क में पोस्टर और बैनर लगाए।''

इस साल क्लब ने पांच नए इंटरेक्ट क्लब स्थापित किए है। दिवाली के बाद मेहरागांव के इंटरेक्ट क्लब ने अपने गांव में एक स्वच्छता अभियान चलाया। इंटरेकटरों ने प्लास्टिक और पटाखे के कचरे को एकत्र करके सुरक्षित रूप से उसका निपटान किया। स्वच्छता अभियान शुरू करने से पहले मूल रोटरी क्लब द्वारा उन्हें एक स्वास्थ्यवर्धक नाश्ता दिया गया। ■

बाल कैंसर के खिलाफ रोटरी क्लब बैंगलोर साउथ वेस्ट का संघर्ष

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब बैंगलोर साउथवेस्ट, रो ई मंडल 3190, 2010 में शुरू की गई परियोजनाओं की एक शृंखला रोटरी हेल्थ फॉर लाइफ (RHFL) के माध्यम से कैंसर से पीड़ित बच्चों के उपचार का समर्थन करने के एक मिशन पर है। इस 41 वर्षीय क्लब के एक चार्टर सदस्य, ज्ञानमूर्ति, कहते है कि नवंबर तक रोटरी से प्राप्त वित्तीय सहायता की मदद से किदवई मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी और सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज अस्पताल, बेंगलुरु, में 228 बच्चों का इलाज किया जा रहा है।

उपरोक्त संख्या में छह वर्षीय नूर अहमद और उनकी 90 वर्षीय परदादी नूरजहां भी शामिल है। क्लब के नियमित अन्नदान कार्यक्रम के दौरान किदवई अस्पताल में जब सदस्य युवा कैंसर रोगियों के परिचारकों को भोजन परोसने के लिए अस्पताल जाते है तब उनसे मिलने के बाद वह कहते है, ''महामारी के दौरान अपने पूरे परिवार को खोने के बाद बस वे दोनों ही बचे थे - सबसे वृद्ध एक अपंग है और सबसे कम उम्र की बच्ची गंभीर रक्त कैंसर से पीड़ित है। वहाँ मौजूद लगभग सभी लोग गरीब लग रहे थे और शायद दिन के एक समय के भोजन की प्रतीक्षा कर रहे थे।''

नूरजहां को उसके गांव के नगर निगम के डॉक्टर ने किदवई भेजा था। ''उसने कहा कि उसके गांव के लोग एक समूह के बारे में बात कर रहे थे (वह रोटरी का उच्चारण नहीं कर सकती थी) जो किदवई में रोगियों के लिए दवा और परिचारकों को भोजन प्रदान करके उनकी मदद कर रहे थे। अनपढ़ होने के कारण उसे रक्त कैंसर के परिमाण के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। उसने कहा कि भगवान में उसके विश्वास ने ही उसे हमारे पास भेजा है। हमारा क्लब उस बच्ची को बचाने की कोशिश कर रहा है - कम से कम हम उस लाचार परदादी के लिए इतना तो कर सकते है,'' ज्ञानमूर्ति कहते है।

एक कैंसर रोगी और उसकी माँ के साथ परियोजना अध्यक्ष एस के भगवान।

उत्पत्ति

इस उत्साहजनक परियोजना के शुरू होने के बारे में बात करते हुए परियोजना अध्यक्ष एस के भगवान ने 2010-11 की एक घटना का वर्णन किया जब तत्कालीन DG (स्वर्गीय) पांडुरंग पोटनिस ने इस उद्देश्य का समर्थन करने के लिए अपनी जी जान लगा दी। क्लब के तत्कालीन अध्यक्ष भगवान ने पोटनिस के साथ किदवई अस्पताल के बाल रोग ऑन्कोलॉजी विभाग का दौरा किया। ''उन असहाय माता-पिता को देखकर दिल दहल जाता है जो धन की कमी की वजह से अपने छोटे बच्चों को कैंसर से जूझते हुए देखते है। तब हमने कैंसर से पीड़ित बच्चों को मुफ्त या सब्सिडी वाली दवाएं प्रदान करने का फैसला किया।'' इस प्रकार 1,000 डॉलर की प्रारंभिक पूंजी के साथ RHFL का जन्म हुआ।

''हमने किदवई में 43 रोगियों को बाल चिकित्सा कीमोथेरेपी प्रदान करने के लिए मिलान अनुदान के माध्यम से 43,000 डॉलर जुटाए; 37 बच्चे बच गए जिससे जीवित रहने की दर 88 प्रतिशत हो गई।''

परियोजना के परिणाम से प्रोत्साहित होकर क्लब ने अपने लॉन्च के पहले वर्ष में TRF द्वारा वैश्विक अनुदान के लिए आवेदन किया और रोटरी क्लब रेडमंड, रो ई मंडल 5330, USA, के समर्थन से इस उद्देश्य के लिए 63,000 डॉलर

उन असहाय माता-पिता को देखकर दिल दहल जाता है जो धन की कमी की वजह से अपने छोटे बच्चों को कैंसर से जूझते हुए देखते है।

युवा कैंसर रोगी अपने माता-पिता और रोटरी क्लब बैंगलोर साउथवेस्ट के सदस्यों के साथ।

जुटाए गए। किदवई और सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 2015 से 2019 तक किए गए RHFL2 के तहत, ''हमने 102 बच्चों के इलाज में मदद की; उनमें से 84 का इलाज सफलतापूर्वक हो गया,'' भगवान कहते है।

दोनों संस्करणों के आशाजनक परिणामों से उत्साहित होकर क्लब ने रोटरी क्लब रिचमंड, रो ई मंडल 5080, USA, के साथ साझेदारी में 75,000 डॉलर के एक और वैश्विक अनुदान हेतु आवेदन किया। चूंकि अधिक बच्चों का समर्थन करने की आवश्यकता तीव्र हो गई थी, इसलिए क्लब ने तत्कालीन उक्त डॉ समीर हरियानी के मार्गदर्शन में धन जुटाने के लिए रोटरी क्लब बैंगलोर इंदिरानगर के साथ हाथ मिलाया। एक क्राउडफंडिंग मंच *www.fueladream.com* के जरिए धन जुटाया गया। दिल्ली पब्लिक स्कूल (दक्षिण), बैंगलोर के बच्चों और शिक्षकों ने ₹60 लाख जुटाए। RHFL4 को अगस्त 2019 में 135 बच्चों के उपचार हेतु शुरू किया गया था।

भगवान आंध्र प्रदेश के एक छोटे किसान थिप्पा रेड्डी के बेटे कृष्णा के सफल उपचार को याद करते है। कृष्णा को फरवरी 2021 में टी सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया हुआ था, जो एक इलाज योग्य कैंसर है। उसने RHFL परियोजना के माध्यम से सेंट जॉन्स अस्पताल में अक्टूबर 2021 में अपनी गहन कीमोथेरेपी पूरी की और अब नियमित फॉलोअप पर है। ''इस तरह की सफलता की कहानियां हमें और अधिक करने एवं अधिक जीवन बचाने हेतु प्रेरित करती है।''

ज्ञानमूर्ति कहते है: ''बचपन के कैंसर का इलाज संभव है यदि बच्चे को समय पर उचित उपचार मिल जाए। कैंसर का निदान मुश्किल से जीवन यापन करने वाले परिवारों के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। यदि बात पैसे की है तो हमारा मानना है कि वो यहाँ पर उपलब्ध है और हम इस अंतर को मिटा देंगे।'' ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

जलगांव में एक कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर

रो ई मंडल 3030 के महानिदेशक आनंद झुनझुनुवाला ने जलगांव के रोटरी भवन में कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर का उद्घाटन किया। रोटरी क्लब जलगांव पश्चिम ने रोटरी क्लब न्यू कल्याण, रो ई मंडल 3142 के सहयोग से शिविर का आयोजन किया। ठाणे उत्तर, चोपडा और जलगांव पश्चिम के रोटारैक्ट क्लब के रोटरी क्लब ने भी भाग लिया।

शिविर ने 121 शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण लोगों को चलने में मदद की। रोटरी क्लब जलगांव पश्चिम के अध्यक्ष सुनील सुखवानी ने कहा, इस परियोजना की कुल लागत ₹7 लाख है। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी इंडिया ने मनाया विश्व पोलियो दिवस

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब कटक, रो ई मंडल 3262, द्वारा प्रायोजित RAC बिरूपा ने आंगनवाड़ी और सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों की मदद से एक जागरूकता रैली आयोजित करके संन्यासीपटना गांव में विश्व पोलियो दिवस मनाया।

एंड पोलियो नाउ वॉक में हिस्सा लेते छात्र और रोटेरियन।

रोटरी क्लब करमदाई, रो ई मंडल 3203, ने श्री विनयाग विद्यालय, करमदाई के सहयोग से एक एंड पोलियो नाउ जागरूकता वॉक का आयोजन किया।

DG *अशोक कंटूर ने जागरूकता रैली के अंतर्गत साइकिल चलाई।*

रोई मंडल 3011, दिल्ली फेलोशिप फॉर साइकलिंग टू सर्व और दिल्ली पब्लिक स्कूल ने कुष्ठ रोग और पोलियो के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक साइकिल रैली का आयोजन किया। इस पहल के अंतर्गत रोटरी सदस्यों ने दुनिया भर में पोलियो के खिलाफ लड़ाई का समर्थन करने के लिए ₹20 लाख का योगदान दिया।

रोटरी क्लब विजयनगरम, रो ई मंडल 3020 द्वारा प्रायोजित इंटरेक्ट क्लब नर्तनासाला ने विश्व पोलियो दिवस पर विजयनगरम में तीन रणनीतिक स्थानों पर एक पोलियो जागरूकता नृत्य का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम ने एक अच्छी सार्वजनिक छवि बनाई।

पोलियो टीकाकरण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए नृत्य करते हुए इंटरेक्टर।

विधायक एच सालम ने क्लब अध्यक्ष कर्नल विजयकुमार, चार्टर अध्यक्ष प्रदीप कूटला और क्लब के सदस्यों की उपस्थिति में इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

रोटरी क्लब अलेप्पी ग्रेटर ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल, अलेप्पी, में विश्व पोलियो दिवस मनाया जहाँ क्लब सदस्यों ने 300 से अधिक रोगियों और उनके परिचारकों को नाश्ता परोसा। क्लब के अध्यक्ष कर्नल विजयकुमार ने भारत को पोलियो मुक्त बनाने में रोटरी की भूमिका और दुनिया भर में पोलियो के खिलाफ लड़ाई के बारे में बात की।

रोटरी क्लब ग्रेटर सिलचर, सिलचर पिंक, सिलचर सेंट्रल, सिलचर के रोटेरियनों और RAC सिलचर के रोटरेक्टरों ने बच्चों को पोलियो वैक्सीन पिलाने के महत्व के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए रैली निकाली।

विश्व पोलियो दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत रोटरी क्लब मैसूर साउथ ईस्ट, विजयनगर, HD कोटे और मैसूर स्टार्स, रो ई मंडल 3181, ने संयुक्त रूप से मैसूरू में महत्वपूर्ण स्थानों पर पोलियो जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

क्लब के रोटरेक्टर और स्काउट एंड गाइड कैडेट्स के सहयोग से रोटरी क्लब धर्मननगर, रो ई मंडल 3240, ने एक पोलियो रैली का आयोजन किया।

एक झलक

टीम रोटरी न्यूज़

प्लास्टिक को कहें ना

जे-हुक की मदद से प्लास्टिक कचरा इकट्ठा करते स्कूली बच्चे।

प्लास्टिक कचरे के निपटान के एक सुरक्षित तरीके को प्रोत्साहित करने के लिए, रोटरी क्लब नासिक वेस्ट, रो ई मंडल 3030, ने जे-हुक परियोजना शुरू की है। ये हुक स्कूली बच्चों को वितरित किए जाते है, जिन्हें इन हुक का उपयोग करके घर या सड़कों पर मौजूद प्लास्टिक कचरे को इकट्ठा करके नासिक नगर निगम को देने के लिए कहा जाता है, जो बदले में उपयुक्त एवं सुरक्षित विधियों के माध्यम से इसका निपटान करेगा।

एक वृक्षारोपण परियोजना

ग्रामीण पौधरोपण करते हुए।

रो ई मंडल 3231 की पर्यावरण टीम ने भारत की तेजी से लुप्त हो रही वन संपदा को बचाने के लिए एक अभियान शुरू किया है। पहले कदम के रूप में, DG JKN पलानी के नेतृत्व में टीम ने 250,000 ताड़ के बीज बोए। वेल्लोर ज़िला कलेक्टर पी कुमारवेल पांडियन ने वेल्लोर के आसपास के ग्रामीणों के साथ कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें 50,000 महिलाएं भी शामिल हुई।

मदुरै क्लब पाकिस्तान में बाढ़ प्रभावितों की मदद करता है

रोटरी क्लब मदुरै मेट्रो हेरिटेज, रो ई मंडल 3000, ने पिछले राष्ट्रपति डॉ टीना की सहायता से, रोटरी क्लब लाहौर शाहीन को पाकिस्तान में बाढ़ राहत के लिए एक साधारण दान दिया है। तस्वीर में एक आदमी बाढ़ प्रभावित इलाके में खाना बना रहा है। ''हमने अपने क्लब से जो पैसा भेजा वह अनाज और दवाई के लिए इस्तेमाल किया गया।'' रोटरी क्लब मदुरै मेट्रो हेरिटेज के अध्यक्ष सी आर वेंकटेश ने कहा, ''लाहौर क्लब के पूर्व अध्यक्ष अंदलीब संधू ने समन्वय किया।''■

लड़कियों के लिए साइकिलें

PRIP शेखर मेहता और राशि एक छात्रा को साइकिल सौंपते हुए।

PRIP शेखर मेहता ने परियोजना अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, क्लब अध्यक्ष अंकित मित्तल और सचिव सुशोभ बिंदल की उपस्थिति में 200 वंचित लड़कियों को रोटरी क्लब मुजफ्फरनगर मिडटाउन, रो ई मंडल 3100, द्वारा प्रायोजित साइकिलें वितरित की।

Rotary PEOPLE OF ACTION

रो ई मंडल 3170 सेवा मनाता है

टीम रोटरी न्यूज़

गोवा के पर्यटन मंत्री रोहन खाउंटे ने रो ई निदेशक महेश कोटबागी, आईपीडीजी गौरीश धोंड और प्रतिमा धोंड की उपस्थिति में पीडीजी दिलीप आर सालगांवकर और प्रमोद सालगांवकर को रो ई का विशिष्ट सेवा पुरस्कार प्रदान किया।

रो ई मंडल 3170 आईपीडीजी गौरीश धोंड ने हाल ही में गोवा में एक कार्यक्रम का आयोजन किया जहां कई मंडल नेताओं और क्लब अध्यक्षों को प्रशंसा पुरस्कार दिए गए। इस कार्यक्रम में रो ई निदेशक महेश कोटबागी और विभिन्न मंडलों के कई पीडीजीओं ने भाग लिया, मंडल के एक AKS सदस्य पीडीजी दिलीप सलगांवकर को रो ई के विशिष्ट सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। गोवा के पर्यटन मंत्री रोहन खाउंटे ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और राज्य में रोटेरियन द्वारा की गई महान सेवा को स्वीकार किया। ■

रो ई मंडल 3170 के पुरस्कार विजेता रोटेरियनों के साथ RID कोटबागी।

संगीत और माधुर्य

मुकेश: दर्द के सम्राट

एस आर मधु

1945 की बात है, के एल सहगल ने *दिल जलता है तो जलने दो* गीत सुना, जो आवाज और शैली में बिलकुल सहगल की नक़ल था और उदासी से भरी थी एक उत्कृष्ट कृति थी। ''मुझे याद नहीं ये गाना कब गाया,'' उन्होंने कहा। और यह सुनकर चकित रह गए कि यह वास्तव में मुकेश नाम के एक युवा गायक द्वारा *पहली नज़र* फिल्म के लिए गाया गया था, जिसका संगीत अनिल बिस्वास ने दिया था। सहगल ने मुकेश को *दर्द का शेहज़ादा* के खिताब से नवाज़ा था।

अनिल बिस्वास और बाद में नौशाद ने भी मुकेश को सहगल की छवि से बाहर निकल कर अपनी शैली बनाने का आग्रह किया। और फिर इसका इस्तेमाल उन्होंने लगभग एक हजार गानों में किया, जिन से हिंदी सिनेमा के कुछ सबसे यादगार गानों में शुमार हैं।

मुकेश के पास भले ही रफी जैसी मुखर रेंज, किशोर की तड़क भड़क, मन्ना डे के शास्त्रीय करिश्मे की कमी रही हो, लेकिन उनकी मधुर आवाज़ - एक ईमानदारी, सादगी और साफगोई लिए - ने उनके गीतों को मधुर बना दिया। मुकेश के दो अमर गीत, *आवारा हूं* और *मेरा जूता है जापानी* मुकेश या राज कपूर ही नहीं बल्कि भारत की पहचान हैं। वे मास्को या मैनहटन में उतने ही आनंद से गाये जाते हैं जितने मुंबई में।

एक रोचक किस्सा है। 1950 के दशक में, बॉम्बे में राज्यपाल एम सी छागला द्वारा चीनी प्रधान मंत्री चाउ एन-लाईवास के लिए आयोजित एक पार्टी में लाइव बॉलीवुड संगीत से मनोरंजन किया था जिसमें गायक: तलत महमूद और गीता दत्त मौजूद थे। वीआईपी अतिथि ने अचानक पूछा कि क्या मैं *''आवारा हूँ''* सुन सकता हूँ । तलत और गीता, मुकेश के इस गाने की धुन तो जानते थे लेकिन शब्द याद नहीं थे। एक उपाय निकाला गया। उन्होंने *आवारा हूँ* की पहली कुछ पंक्तियों को गाया, फिर इस गीत की धुन को यथावत रखा लेकिन अन्य किसी गीत के शब्दों का प्रयोग कियाजो उन्हें याद थे। तलत और गीता ने मुकेश

मुकेश ने (ऊपर दाएं से दक्षिणावर्त) धर्मेंद्र, मनोज कुमार, राज कपूर और दिलीप कुमार के लिए गाने गाए हैं।

का अत्यंत प्रभावी ढंग से क्लोन किया; चाउ एन-लाई अपना पसंदीदा गीत सुनकर बहुत प्रसन्न हुआ था।

एक अन्य राष्ट्राध्यक्ष - बेनज़ीर भुट्टो, पाकिस्तान की प्रधान मंत्री - मुकेश की जबरदस्त प्रशंसक थीं। सड़क पर यात्रा करते समय, वह अपनी कार में रखी कई कैसेट में से मुकेश को अक्सर सुनती थीं।

शायद मुकेश के सबसे अविश्वसनीय प्रशंसक थे भारत के सेलिब्रिटी स्पिन और गुगली गेंदबाज बी चंद्रशेखर, जिनके पास मुकेश के गीतों का काफी बड़ा संग्रह था। एक रिकॉर्डिंग स्टूडियो में उन्हें मुकेश से मिलवाया गया, चंद्रशेखर के शब्द हलक में अटक गए, कुछ बोल ही नहीं पाए। बाद में बॉम्बे में वो अक्सर मुकेश और उनके परिवार से मिलने जाते थे और अपने आराध्य के साथ भोजन करते थे। कहा जाता है कि सुनील गावस्कर एक बार रणजी ट्रॉफी बॉम्बे-कर्नाटक मैच में चंद्रशेखर की गुगली से परेशान थे। भीड़ में एक ट्रांजिस्टर से मुकेश के गाने की धुन पिच पर सुनाई पड़ रही थी। गावस्कर ने आगे बढ़कर चंद्रशेखर से कहा, क्या तुमने ये गाना सुना? उनके आराध्य का जिक्र कर चंद्रशेखर का ध्यान भटकाने की यह एक चाल थी! मुकेश का एक बेटा है,नितिन। चंद्रा ने भी अपने बेटे का नाम नितिन रखा है!

बेनज़ीर भुट्टो, पाकिस्तान की प्रधान मंत्री – मुकेश की जबरदस्त प्रशंसक थीं। सड़क पर यात्रा करते समय, वह अपनी कार में रखी कई कैसेट में से मुकेश को अक्सर सुनती थीं।

शुरुआती दौर

मुकेश का जन्म 22 जुलाई 1923 को दिल्ली में एक इंजीनियर पिता के घर में हुआ था और 10 लोगों के परिवार में वह छटी संतान थे। उन्हें पढ़ाई में कोई दिलचस्पी नहीं थी और उन्होंने एसएससी करने के बाद पढ़ाई छोड़ दी। अपनी किशोरावस्था के दौरान, वो अपने जमाने के प्रसिद्ध गायक अभिनेता कुंदनलाल सहगल के बड़े फैन थे और हर समय उनके गीत गुनगुनाते रहते थे। हालांकि उन्होंने सरकारी नौकरी कर ली थी

फिल्म दो दिल (1947) में मुकेश और सुरैया।

लेकिन उनका दिल और दिमाग संगीत में रमता था।

दूर के चचेरे भाई, अभिनेता मोतीलाल ने मुकेश को एक शादी में गाते हुए सुना और वो मंत्रमुग्ध हो गया, उसे बंबई लाया, और उसे एक गुरु के निर्देशन में प्रशिक्षित किया। फिल्मों में कुछ गानों के बाद, मुकेश ने दो संगीतकारों का ध्यान खींचा- शुरू में अनिल विश्वास और बाद में नौशाद का। 1945 में *दिल जलता है* ने धूम मचा दी थी, जबकि उनका गीत-*गाये जा गीत मिलन के* (दिलीप-स्टारर *मेला*, 1948, नौशाद द्वारा रचित) एक हिट था। वास्तव में, दिलीप फिल्म *मेला* में अभिनय करने के अनिच्छुक थे, लेकिन जब उन्होंने फिल्म में मुकेश के गीत *मेरा दिल तोड़ने वाले* की रिकॉर्डिंग सुनी तो अपना इरादा बदल दिया।

ऊपर से दक्षिणावर्त: बाएं से: मुकेश, लता मंगेशकर, संगीत निर्देशक पंडित रविशंकर और निर्माता/निर्देशक त्रिलोक जेटी के साथ फिल्म गोदान (1963) के गाने के पूर्वाभ्यास के दौरान; मोहम्मद रफ़ी के साथ; बाएं से: सलिल चौधरी, मुकेश और आशा भोंसले।

अंदाज़ - एक यादगार फिल्म

मुकेश ने 1949 में आई ब्लॉकबस्टर *अंदाज़* में लाखों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें राज कपूर, दिलीप और नरगिस ने एक साथ काम किया था (यह फिर कभी नहीं हुआ!) दिलीप पर फिल्माए गए मुकेश के चार एकल गीत - *तू कहे अगर, झूम झूम के नाचो, हम आज कहिं दिल खोबैठे और टूटे ना दिल टूटे ना* (आखिरी गीत का

भीड़ में एक ट्रांजिस्टर से मुकेश के गाने की धुन पिच पर सुनाई पड़ रही थी। गावस्कर ने आगे बढ़कर चंद्रशेखर से कहा, क्या तुमने ये गाना सुना? उनके आराध्य का जिक्र कर चंद्रशेखर का ध्यान भटकाने की यह एक चाल थी!

इन सभी में नायिका नरगिस थी और संगीतकार और पटकथा लेखक शंकर जयकिशन-शैलेंद्र थे। तीनों ने बॉलीवुड संगीत की कहानी नए सिरे से रची थी। लेकिन मुकेश का गाया मेरा पसंदीदा गीत है राजकपूर के लिए, फिल्म बावरे नैन में (1950) रोशन का नगीना - तेरी दुनिया में दिल लगता नहीं।

भारी भूल

खैर, मुकेश ने अपनी प्रसिद्धि को भूल कर एक गलती की, उन्होंने एक अभिनेता बनने का निर्णय किया, और बाद में, निर्माता भी। हर तरह की फिल्मों की मानो बाढ़ सी आ गई। एक तरफ, जहां ये फ़िल्में बुरी तरह फ्लॉप हुईं वहीं प्रतिद्वंद्वी गायकों - रफ़ी,

पूर्वाभ्यास 23 बार किया गया था नौशाद की मंजूरी से पहले), ये शास्त्रीय धुनों पर बने थे। अविस्मरणीय दृश्यों के साथ बनाए गए इन गीतों को पर्दे पर दिलीप ने प्रस्तुत किया था।

लेकिन 1950 के दशक की शुरुआत में राज कपूर के लिए गाये वो मुकेश के गीत थे जिन्होंने संगीत की दुनिया में तूफान मचा दिया था। मुकेश ने 1948 से 1953 तक राज कपूर की छह प्रसिद्ध फिल्मों के लिए 13 हिट गाने (एकल, लता या समूह गीतों के साथ युगल) गाए - *आग, बरसात, आवारा, आह, श्री 420* और *जागते रहो*।

लता मंगेशकर के साथ।

किशोर, मन्ना डे, हेमंत कुमार - ने एक के बाद एक चार्टबस्टर्स की एक झड़ी लगा दी। कुछ साल पहले तक राष्ट्रीय उन्माद रहा वह गायक, बीते कल की बात हो गई।

1950 के दशक का मध्य अंधकार भरा था। अनुबंध और पैसा दोनों ख़त्म हो गए। स्थानीय सब्जी विक्रेता तक ने कभी-कभी मुकेश को पैसे उधार दिए। मुकेश का बेटा नितिन कक्षा 5 में था, बेटी रीता कक्षा 3 में थी। स्कूल की फीस नहीं देने की वजह से परीक्षा में बैठने नहीं दिया गया। दोनों बच्चे भरी बारिश में अपने घर लौट आये जिससे मुकेश का गुस्सा और वेदना काफी बढ़ गई।

शानदार वापसी

लेकिन उनके पुराने दोस्त सलिल चौधरी ने मुकेश को गायक के रूप में दूसरी पारी शुरू करने में मदद की, 1958 में *मधुमती* में दिलीप पर फिल्माए गए *सुहाना सफ़र और ये मौसम हसीन* के साथ। उसी वर्ष, दिलीप के लिए यहुदी फ़िल्म फिर से *येह मेरा दीवानापन है* (शंकर-जयकिशन) गाना गा कर 1958 में मुकेश ने शानदार वापसी की। उन्होंने राज कपूर के लिए दो मार्मिक गीत और गाए - *वो सुबह कभी तो आएगी (फिर सुबह होगी)* और *आंसू भरी हैं* (परवरिश)। सफलता का ये दौर 1959 में भी जारी रही। *अनाड़ी* फिल्म ने प्रशंसकों को (*सब कुछ सीखा हमने* और *किसी की मुस्कराहटों पे हो निसार*) शंकर-जयकिशन के संगीत से सजे में मुकेश के दो शानदार गाने दिए।

वो मुकेश का शानदार दौर था, कई हिट फिल्मों के साथ उन्होंने अपने करियर के सबसे अच्छे दौर का लुत्फ़ उठाया। 1950 के दशक में की गई गलती के बाद अपने प्लेबैक करियर को उन्होंने बहुत गंभीरता से लिया। उन्होंने कल्याणजी-आनंदजी के उत्थान में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे वो दोनों विनम्रता से स्वीकारते भी हैं। उन्होंने सलिल चौधरी, शंकर-जयकिशन और मदन मोहन के लिए हिट फिल्में दीं और मनोज और धर्मेंद्र दोनों के अभिनय करियर को बढ़ाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।

1960 और 1970 के दशक के उनके कुछ सर्वश्रेष्ठ गीत :

सारंगा तेरी याद में (सारंगा, 1960); *चल री सजनी* (*बम्बई का बाबू,* 1960); *मेरे टूटे हुए दिल से* (*छलिया,* 1960); *ओ जाने वाले हो सके तो लौट के आना* (*बंदिनी,* 1963); *दोस्त दोस्त ना रहा* (*संगम,* 1964); *ओह रे ताल मिले नदि के जल में* (*अनोखी रात,* 1967); *चंदन सा बदन* (*सरस्वती चंद्र,* 1968); *जाने कहाँ गये वो दिन* (*मेरा नाम जोकर,* 1970); *कोई जब तुम्हारा हृदय तोड़ दे* (*पूरब और पश्चिम,* 1970); *कहीं दूर जब दिन ढल जाए* (*आनंद,* 1971); *कभी कभी मेरे दिल में* (*खय्याम,* 1976)।

उन्होंने पुरुष श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक का राष्ट्रीय पुरस्कार *कई बार यूँ ही देखा है* (*रजनीगंधा,* 1974, सलिल चौधरी द्वारा रचित संगीत) गीत के लिए जीता। उन्होंने चार फिल्मफेयर पुरस्कार जीते: इन गानों के लिए *सब कुछ सीखा हमने* (*अनाड़ी,* 1959, शंकर-जयकिशन);

दिलीप कुमार फिल्म *मेला* में अभिनय करने के अनिच्छुक थे, लेकिन जब उन्होंने फिल्म में मुकेश के गीत *मेरा दिल तोड़ने वाले* की रिकॉर्डिंग सुनी तो अपना इरादा बदल दिया।

सब से बड़ा नादान (*पहचान,* 1970, शंकर-जयकिशन); *जय बोलो बेइमान की* (*बेइमान,* 1972, शंकर-जयकिशन); और कभी कभी मेरे दिल में (खय्याम, 1976)। कुल मिलाकर, उन्होंने राज कपूर के लिए 110, मनोज कुमार के लिए 46 और दिलीप कुमार के लिए 19 गाने गाए। मुकेश का रिकॉर्ड किया गया अंतिम गीत 1978 की राज कपूर की फिल्म *सत्यम शिवम सुंदरम* के लिए *चंचल शीतल निर्मल कोमल* था, जिसका संगीत लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने दिया था।

ईर्ष्या या अभिमान मुकेश को छू तक नहीं गया था। जब भी रफ़ी, किशोर और महेंद्र कपूर के गीत उन्हें अच्छे लगते, वो उनकी भरपूर प्रशंसा करते थे। कॉलेज जाने वाले बेटे नितिन ने एक बार कहा कि उसके दोस्त तो कार से कॉलेज जाते थे, जबकि वह, मुकेश का बेटा होते हुए भी बस से जाता था। मुकेश ने चुपचाप अपनी कार की चाबी नितिन को सौंप दी, जो बहुत खुश हुआ। लेकिन जब उसे पता चला कि मुकेश बस से यात्रा करने लगा है। शर्मसार नितिन ने कार की चाबी वापस लौटा दी!

राज कपूर के साथ।

नीचे: (बाएं से) तलत महमूद, मुकेश, लता और रफ़ी।

लता मंगेशकर के सबसे करीबी गायक थे मुकेश। 1976 में, जब मुकेश अमेरिका के एक संगीत कार्यक्रम के दौरे पर गए थे तो उन्होंने लता को भी इसमें शामिल होने के लिए राजी कर लिया था। 27 अगस्त 1976 को, जिस दिन डेट्रॉइट में प्रदर्शन करना था, मुकेश को दिल का बड़ा दौरा पड़ा, जो उनका पाँचवाँ दौरा था। मगर इस बार वह नहीं बचे, वह केवल 53 वर्ष के थे। आंसुओं से भरी लता उनके पार्थिव शरीर को बॉम्बे ले कर आई। राज कपूर ने कहा, ''जब जयकिशन की मृत्यु हुई, तो मेरा एक हाथ खो गया था और शैलेंद्र के जाने पर दूसरा हाथ। लेकिन मुकेश के साथ तो मेरी जान ही चली गई। दुनिया भर के बॉलीवुड फैन्स सदमे में थे।'' हालांकि, मुकेश की अनूठी दमदार लेकिन कोमल आवाज़ सुर की लहरियों पर राज कर, कोमलता बिखेरती रहेगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार और रोटरी क्लब मद्रास साउथ के सदस्य हैं।

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

इंटरेक्टर एक स्कूल की परिकल्पना को आकार देते है

वी मुत्तुकुमारन

तमिलनाडु के तूतीकोरिन में स्थित श्री कामाक्षी विद्यालय मैट्रिक हायर सेकेंडरी स्कूल ने जहां तीन दशकों से छात्रों को अकादमिक उत्कृष्टता हासिल करने में मदद की, वहीं अपनी रजत जयंती मना रहे इसके इंटरेक्ट क्लब ने 25 वर्षों के दौरान पाठ्येतर गतिविधियों और रोटरी के सभी महान आदर्शों के साथ छात्रों को समृद्ध बनाया है। ''SPIC ग्रुप ऑफ कंपनीज की धर्मार्थ शाखाओं में से एक, कामाक्षी सेवा ट्रस्ट, द्वारा चलाया जा रहा यह स्कूल, कॉलेज में अपना रोटरेक्ट कार्यकाल बिताने के बाद रोटरी में शामिल होने वाले इंटरेक्टरों का एक डेटाबेस बना रहा है, क्योंकि इससे हमारी गर्भनाल मजबूत होगी,'' स्कूल सचिव और इन्टरेक्ट क्लब के प्रायोजक रोटरी क्लब SPIC नगर रो ई मंडल 3212 के सदस्य सी अरुणाचलम कहते है।

1996 में अधिकृत इस इंटरेक्ट क्लब का मुख्य उद्देश्य छात्रों में सेवा दृष्टिकोण पैदा करना था। ''यह भविष्य में रोटरी में शामिल होने के लिए युवा मस्तिष्क के लिए एक मंच तैयार करेगा,'' ओरेगन, अमेरिका, में GSE सदस्य के रूप में अपने अनुभव को याद करते हुए रोटेरियन कहते है जिसने 1997 में उनके जीवन को बदल दिया। स्कूल की प्रिंसिपल जी मीना कुमारी कहती है, कोविड अंतराल को छोड़कर, हमारा इंटरेक्ट क्लब हमारे परिसर में बहुत सक्रिय है, जिसने WinS परियोजनाएं, एक स्मार्ट क्लास, कक्षाओं में मिनी लाइब्रेरी और रोटरी की जमीनी गतिविधियों और कार्यक्रमों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की है। केवल कक्षा 9-12 के छात्रों को क्लब में शामिल होने की अनुमति है जिसमें 27 इंटरेक्टर है और जो पोलियोप्लस अभियान और रोटरी क्लब SPIC नगर के गवर्नर के दौरे के दौरान रोटरी परियोजनाओं में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते है।

वार्षिक परियोजना निधि

हर साल, उनका प्रायोजक रोटरी क्लब उनके इंटरेक्ट क्लब को अपनी गतिविधियों को शुरू करने के लिए ₹15,000-20,000 की एक राशि देता है। ''हमारी मौद्रिक सहायता के अलावा, इंटरेक्टरों को कामाक्षी सेवा ट्रस्ट द्वारा समर्थित किया जाता है जिसके प्रमुख पी मुथुकुमार उनमें गहरी रुचि लेते है।'' रोटरी क्लब SPIC नगर के अध्यक्ष अरुण जयकुमार कहते है, चाहे स्कूल में सैनिटरी पैड भस्मक लगाना हो, मंडल परियोजना विग्नन रथम आयोजित करना हो या सेव द गर्ल चाइल्ड कार्यक्रम चलना हो, हमारे इंटरेक्टर हमारी सफलता के लिए महत्वपूर्ण है।

हाल ही में, उन्होंने प्रत्येक कक्षा में *बुक्स बुके* नामक मिनी लाइब्रेरी स्थापित की, जहां छात्रों द्वारा उन्हें पढ़ने के बाद पुस्तकों की अलमारियों को तीनों ब्लॉकों के अनुभागों में घुमाया जाता है। ''इंटरेक्टर हमें वयस्कों को व्यावसायिक कौशल प्रदान करने में भी मदद कर रहे है। दिवाली की पूर्व संध्या पर, कम इस्तेमाल किए गए कपड़ों को इस्त्री एवं पैक करके 180 सहवासियों वाले एक वृद्धाश्रम अंबु उल्लंगल को दान किया गया। लगभग 10 लड़की इंटरेक्टर अरुमुगासामी अंबू आश्रम गई, जो 18 साल से कम उम्र की परित्यक्त लड़कियों का एक आश्रय गृह है और उन्होंने 55 सहवासियों के साथ दिन बिताया,'' जयकुमार याद करते है। पिछले साल, इंटरेक्टरों ने भारी वाहनों पर नजर रखी थी और रोटेरियनों के साथ मिलकर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत 10 दोपहिया वाहन सवारों को हेलमेट दिए थे।

इंटरेक्ट क्लब अध्यक्ष आशिव मुथुसुथन, कक्षा 12वीं, कंप्युटर साइंस में मेजर करने के अलावा इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग का अध्ययन करने की इच्छा रखते है।

700 छात्रों और स्मार्ट कक्षा, कंप्यूटर लैब, RO जल इकाई और लिंग-पृथक शौचालयों जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं के कारण, स्कूल अपने इंटरेक्टरों का बहुत आभारी है जो जनता और समुदाय के साथ हमारा प्रत्यक्ष इंटरफ़ेस है, प्रिंसिपल मुस्कुराते हुए कहती है। SPIC समूह के संस्थापक उद्योगपति - C मुत्तैय्या स्कूल के संरक्षक है। ■

इंटरेक्ट क्लब के अध्यक्ष आशीष मुत्तुसुधन ने रोटरी क्लब SPIC नगर के अध्यक्ष अरुण जयकुमार (बाएं से तीसरे) को डीजी वी आर मुत्तु (बीच में) और स्कूल प्रिंसिपल जी मीनाकुमारी (बाएं) की उपस्थिति में एक विशेष घर में पहुंचाने के लिए ड्रेस सामग्री दी।

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी ऑटो ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया

टीम रोटरी न्यूज़

आईपीडीजी राजेंद्र अग्रवाल ने (उनके बाईं ओर)क्लब अध्यक्ष विद्या सुब्रमण्यन और व्यावसायिक निदेशक अलका मुरली (उनके दाईं ओर) की उपस्थिति में एक ऑटो रिक्शा को झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुंबई में जल्द ही बीस महिलाएं अपने ऑटो रिक्शा की ड्राइवर सीट पर बैठेंगी, रोटरी क्लब देवनार, रो ई मंडल 3141 की *पिंक एंजेल्स* पहल के लिए धन्यवाद, जो पिछले साल इसके व्यावसायिक निर्देशक अलका मुरली के एक प्रस्ताव के बाद लॉन्च किया गया था। अलका कहती हैं, ''उस समय एक महिला को ऑटो चालक बनाना एक कठिन काम था।, न सिर्फ़ सदस्यों को फौलादी संकल्प और समुदाय का समर्थन उन महिला प्रतिभागियों और उनके परिवार का समर्थन मिला, लेकिन उन गृहणियों का समर्थन भी मिला जिनमें अपने और अपने परिवार के लिए कुछ करने की ललक थी।''

महिलाओं को तिपहिया वाहन चलाने के लिए प्रशिक्षण देने के अलावा, क्लब उनके वाहन खरीदने और लाइसेंस और ऋण प्राप्त करने में उनकी सहायता कर रहा है। प्रशिक्षण के विभिन्न चरण में 20 महिलाएं हैं, और उनके लाइसेंस और ऋण संसाधित हो रहे हैं।

क्लब अध्यक्ष विद्या सुब्रमण्यन की मौजूदगी में, पूर्व अध्यक्ष सुधीर मेहता और मंडल एवेन्यू निर्देशक इंदुमति गोपीनाथन आईपीडीजी राजेंद्र अग्रवाल ने अगस्त में चेंबूर में चार गुलाबी ऑटो रिक्शा को हरी झंडी दिखाई। भारत सरकार की वित्त योजना, प्रधान मंत्री मुद्रा योजना के माध्यम से महिलाओं को अपना ऑटोरिक्षा मिल गया। ■

पूर्व अध्यक्षों के लिए एक कार्यक्रम

PRID कमल संघवी के साथ (बाएं से) PDG रत्नेश कश्यप, DG बलवंत सिंह चिराना, PDGs अजय कला, अशोक के मंगल और DGE निर्मल कुनावत (RID 3056)।

रोटरी मंडल 3054 ने DG बलवंत सिंह चिराना के नेतृत्व में उमंग नामक 'पास्ट प्रेसिडेंट्स इंस्टीट्यूट' का आयोजन किया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम की मेजबानी रोटरी क्लब जयपुर रॉयल ने की। PRID कमल संघवी और RIDE अनिरुद्ध रॉयचौधरी मुख्य अतिथि थे।

इस कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं पूर्व अध्यक्षों की डायरेक्टरी का अनावरण और मंडल के PDGयों के साथ स्पष्ट प्रश्नोत्तर सत्र थे। DG चिराना ने कहा कि यह कदम पूर्व अध्यक्षों को वर्तमान परियोजनाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने और प्रतिधारण को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करेगा। रोटरी के पास सक्षम और अनुभवी पूर्व क्लब अध्यक्षों का खजाना है। उनके कौशलों को हमारे संगठन को बेहतर बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, उन्होंने कहा। ■

शब्दों की दुनिया

एक फिल्म, एक किताब, एक लेखक

संध्या राव

पोन्नियिन सेल्वन महाकाव्य एक्शन फिल्म के रूपहले परदे पर आने से काफी पहले, दक्षिण भारत के शक्तिशाली चोल वंश की कहानी सैकड़ों और हजारों, युवा और वृद्ध लोगों ने पढ़ी है।

पोन्नियिन सेल्वन फिल्म बनने से पहले, यह पांच भागों की एक किताब थी, और उस किताब से पहले, ये कल्कि नामक एक तमिल पत्रिका में क्रमबद्ध रूप से अंशों में छपी थी जो 29 अक्टूबर 1950 से शुरू होकर 16 मई 1954 में जा कर समाप्त हुई थी। कल्कि उपनाम था आर कृष्णमूर्ति का जो इस पत्रिका के अद्भुत लेखक और संपादक ही नहीं थे बल्कि ये पत्रिका उनके द्वारा शुरू की गई थी और वो तमिल भाषा के प्रति जुनून रखने वाले एक स्वतंत्रता सेनानी थे। कई बार उन्होंने अगस्त्यर, तमिल तेनी, रा की और कर्नाटकम जैसे विभिन्न छद्म नामों के तहत लिखा लेकिन अंत में वो कल्कि पर अटक गए थे। उन्होंने कल्कि को क्यों चुना, इसके पीछे कई कहानियां तो बहुत हैं पर कोई पुख्ता जवाब नहीं है।

लेकिन इससे पहले कि हम इसे और खंगालें, एक अचरज भरी छोटी सी बात मैं आपके साथ साझा करना चाहती हूं। जैसा कि अक्सर होता है, इस बार भी, 'ऊपर वाले' ने इस स्तंभ के विषय से जुड़ा एक उपहार मेरी झोली में डाल दिया: दो-खंड का, हार्ड बाउंड बुक-सेट जिसका शीर्षक है *कल्कि कृष्णमूर्ति, हिज़ लाइफ एंड टाइम्स* बाय सुंडा, एमआरएम सुंदरम, कल्कि की पोती गौरी रामनारायण द्वारा अंग्रेजी में अनुवादित! कल्कि बायोग्राफी प्रोजेक्ट की इस शानदार भेंट के शुरूआती पृष्ठों में ही 'कल्कि' रहस्य के कुछ संकेत छिपे हैं। तो चलिए

तमिल पत्रिका *आनंद विकटन* और फिल्म निर्माण कंपनी जेमिनी स्टूडियोज़ के संस्थापक एस एस वासन के अनुसार, कल्कि ने इस उपनाम का प्रयोग पहली बार 1928 में पत्रिका के लिए एक लेख में किया था। उस समय जब शब्दों के आडम्बर से युक्त लेखन बढ़िया समझा जाता था और निश्चित ही प्रचलन मे भी था, वास्तव में, कहीं कहीं अभी भी है - वासन ने 1954 में उस लेख के बारे में लिखा था कि कल्कि ने 'एक ऐसी शैली अपनाई जिसे एक बच्चा भी समझ सकता था। यह गहरी सोच और उनका मजाक उड़ाने से उपजी थी।' फिर इसके बाद कल्कि की कलम नहीं रुकी और 13 साल बाद उन्होंने अपनी पत्रिका कल्कि की स्थापना की।

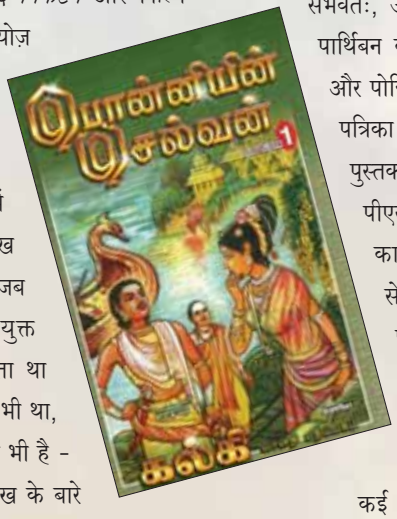

जबकि एक धारणा यह है कि विष्णु के दसवें अवतार, कल्कि से लिया गया उप नाम है पुरानी मान्यताओं को उतार फेंक, परिवर्तन का प्रतीक है, एक और बात याद आती है जो कल्कि ने खुद 1950 में कोलंबो में स्पष्ट रूप से कहा था कि उन्होंने इसे छोटा कर दिया था क्योंकि उनका नाम कृष्णमूर्ति के उच्चारण में कुछ लोगों को तकलीफ होती थी। फिर भी एक अन्य धारणा 'काल' भाग को 'कल -यान सुंदर मुदलियार' से जोड़कर देखते हैं, जिनके साथ मैंने तमिल की पढ़ाई की थी या कल-लिदैकुरिची शहर से, जहाँ मैं पैदा हुआ था', यहाँ तक कि उनकी पत्नी कल्याणी के नाम से भी जोड़ा जाता है (पर ये सब सच नहीं था!)।

55 साल के कम जीवन काल में कल्कि ने अपेक्षाकृत बहुत कुछ समेट लिया था । एक विपुल और व्यापक रूप से पढ़े जाने वाले लेखक होने के अलावा, उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया, रूढ़िवादी और पुराने रीति-रिवाजों और प्रथाओं का विरोध किया, और वे तमिल भाषा में सिद्धहस्त थे। उन्होंने लेख, लघु कथाएँ, उपन्यास लिखे; स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि के रूप में उनकी अलाई ओसाई (साउंड ऑफ द वेव्स) ने 1957 में साहित्य अकादमी पुरस्कार जीता। सबसे प्रसिद्ध, संभवतः, उनके ऐतिहासिक रोमांस हैं: पार्थिबन कानवु, शिवकामीन सबाथम और पोन्नियिन सेल्वन। ये सभी पहले पत्रिका में किस्तों में और बाद में पुस्तकों के रूप में प्रकाशित हुए। पीएस पांच भागों में है। सीवी कार्तिक नारायणन मैकमिलन से अनुवादित संस्करण में द फर्स्ट फ्लड्स, द साइक्लोन, द किलर स्वॉर्ड, द क्राउन और द पिनेकल ऑफ सैक्रिफाइस हैं।

कई अंग्रेजी संस्करण उपलब्ध हैं और इस वक्त मैं किताब 1: फ्रेश फ्लड्स का ऑडियो सुन रही हूं पवित्रा श्रीनिवासन द्वारा

'कल्कि' कृष्णमूर्ति

अनुवादित पुस्तक जिन्हें हमने जून 2021 में खो दिया। अमित भार्गव की आवाज़ आकर्षक है और जोड़े रखती है, तमिल शब्द स्पष्ट बोले गए हैं, और ये अनुवाद एक कहानीकार के रूप में कल्कि के कौशल को उनके सजीव वर्णन, तेज तर्रार संवाद और हास्य पुट को दर्शाता करता है। बस यूँ ही, मैंने 'अध्याय 31: चोर! चोर!' सुनने के साथ साथ पुस्तक को भी पढ़ा। याद रहे, पुस्तक संस्करण कार्तिक नारायणन द्वारा अनुवादित है और ऑडियो पवित्रा श्रीनिवासन द्वारा। मैंने पाया कि पुस्तक की तुलना में ऑडियो कहीं अधिक विस्तृत था, जिसके दो में से एक मायने हो सकते हैं : या तो पहला, मूल तमिल का अलंकृत संस्करण है या बाद वाला थोड़ा कम करके लिखा गया है। चूंकि तमिल पढ़ने की ही क्षमता प्रारंभिक स्तर की ही है, इसलिए इसे परखने के लिए मुझे किसी और के पास जाना होगा।

अगस्त 2018 में *द न्यूज़ मिनट* में अंजना शेखर के साथ एक साक्षात्कार में, पवित्रा श्रीनिवासन अपनी मां द्वारा 12 साल की उम्र में इस 'कल्ट सीरीज़' से परिचित कराए जाने के बारे में बताती हैं, हालांकि चिन्ना पझुवेट्टारायर, इरत्तैक्कुदई राजलियार जैसे कुछ नाम पढ़ने में दिक्कत ज़रूर आई पर ये मुझे बहुत रोचक लगा और मैं इसे पढ़ने बैठ गई! 'केवल अनुवादक ही मूल स्रोत के बारे में जानता है। इसलिए, पाठकों को सबसे सटीक, विस्तृत और समृद्ध अनुभव देने के लिए वो अनुवादक पर भरोसा करते हैं। और बड़ी खुशी होती है जब कोई पाठक कहता है कि, ये अनुवाद बिकुल सटीक है, मुझे मूल किताब पढ़ने की ज़रुरत नहीं है।'

बुक क्लब की मेरी दोस्त ने मूल किताब नहीं पढ़ी, उसने और ही कुछ किया। उसकी शादी 18 साल की उम्र में हुई थी, उसने कहा कि उसकी 14 साल की ननद ने सबसे पहले पूछा था, 'क्या आपने *पोन्नियिन सेल्वन* पढ़ा है?' उस समय यह कल्कि में किस्तों में आ रहा था - वास्तव में, इसे सीरियल के रूप में पत्रिका में कई बार प्रकाशित किया जा चुका है क्योंकि यह काफी लोकप्रिय था और इसकी वजह से नए पाठक के ग्राहक बन रहे थे। हालांकि मेरी सहेली, एक तमिल है और बैंगलोर में पली-बढ़ी थी, इसलिए वह तमिल ना तो पढ़ सकती थी और ना ही लिख सकती थी। तो, 14-वर्षीय ने 18-वर्षीय को बोल कर कहानी सुनाने का बीड़ा उठाया! ऐसे वह पीएस के संपर्क में आई ! उसने देखा कि कल्कि धारावाहिक की ताज़ा किस्त सबसे पहले पढ़ने के लिए, उस पत्रिका पर परिवार के सदस्य कैसे झपटा करते थे।

कल्कि के लेखन में आखिर ऐसा क्या खास था कि उन्हें आज भी याद किया जाता है और पढ़ा जाता है, नए-नए अनुवाद प्रकाशित होते रहते हैं? कार्तिक नारायणन के संस्करण में CIEFL हैदराबाद के टी श्रीरामन की एक प्रस्तावना है, जो एक जीवनी शैली में नहीं है, यह लेखक का एक उद्देश्यपूर्ण विश्लेषण है और अपने ऐतिहासिक उपन्यास के लिए एक संदर्भ है। दिलचस्प बात यह है कि वह मूल तमिल में कल्कि पर सुंडा द्वारा किये गए कार्य के बारे में लिखते हैं। कल्कि ऐतिहासिक कथा है क्या, इस सवाल के जवाब में वह प्रो मीनाक्षी मुखर्जी को उद्धृत करते हैं कि 'कई भाषाओं में ऐतिहासिक उपन्यासों के सर्वाधिक लोकप्रिय विषय,' शिवाजी और राजपूत राजाओं के आस पास केंद्रित हैं, जिन्होंने मुगल सत्ता का सफलतापूर्वक विरोध किया था और स्पष्ट किया कि 'कल्कि को वीरता की सच्ची कहानियों के लिए तमिलनाडु के बाहर जाने की कोई आवश्यकता नहीं पडी।'

वह आगे कहते हैं: 'लेखक के रूप में कल्कि की मान्य उपलब्धि में से एक, आधुनिक दुनिया में - साहित्यिक, राजनीतिक, यहां तक कि ऐतिहासिक-भाषणों - के लिए तमिल गद्य शैली का सहज उपयुक्त माध्यम में रूपांतरण शामिल है। वास्तव में, कल्कि को अपने समय के तमिल को उसके समर्थकों के साथ-साथ उसके आलोचकों से भी बचाना था। तमिल के लेखक दो प्रकार के थे: वे जो धार्मिक लेखन में लगे हुए थे जिन्होंने अत्यंत क्लिष्ट संस्कृत में लिखा और इसलिए समझ से बाहर थी,और दूसरे वे कट्टरपंथी शुद्धवादी जिन्होंने परिश्रमपूर्वक संस्कृत की मात्रा तक से परहेज किया लेकिन जिन्होंने इस प्रक्रिया में तरह तरह की शैली अपना कर अपने पाठकों और श्रोताओं को सबसे अधिक प्रताड़ित किया। (इन लोगों ने अपनी तमिल को 'सेंटामिज़' - उच्च कोटि की तमिल - कहा था - लेकिन कल्कि ने इसे 'कोडुनटमिज़' - क्रूर तमिल' के रूप में वर्णित किया!) कल्कि ने अपने आप को इन चरम शैलियों से दूर ही रखा।'

तमिल का कोई भी जानकार इस विरोधाभास को समझ जाएगा और कल्कि के नवीन दृष्टिकोण की सराहना करेगा, जो लगभग 80-90 वर्षों से प्रासंगिक बना हुआ है। शायद, यही, उनकी स्थायी विरासत है।

कल्कि ने – एक ऐसी शैली अपनाई जिसे एक बच्चा भी समझ सकता था। यह गहरी सोच और उनका मजाक उड़ाने से उपजी थी।

एस एस वासन

तमिल पत्रिका *आनन्द विकटन* के संस्थापक

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब चेन्नई लेजेंडस के लिए एक यादगार चार्टर नाइट

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब चेन्नई लेजेंड्स के चार्टर नाइट में पीडीजी जे श्रीधर, डीजीएन एन एस सरवनन, क्लब के अध्यक्ष राजशेखर सुब्बय्या, पीडीजी जी ओलिवंन और चार्टर अध्यक्ष इलंजेळियन के साथ अनिरुद्धा रॉयचौधरी (बैठे, केंद्र, दूसरी पंक्ति)। रोटरी क्लब माल्टा के सदस्य एडवर्ड सामने बैठे नज़र आ रहे हैं।

हाल ही में RIDE अनिरुद्धा रॉयचौधरी ने, रोटरी क्लब चेन्नई लेजेंडस, रो ई मंडल 3232 के चार्टर नाइट समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने अपनी सभी गतिविधियों में क्लब के प्रत्येक सदस्य को शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि, ''सक्रिय सदस्य-कार्य और फैलोशिप सदस्यों के बीच संबंध मजबूत करता है और जीवंत रोटरी क्लब के लिए एक अच्छी तरह से संतुलित मार्ग प्रशस्त करेगा।''

डीजीएन एन एस सरवनन ने क्लब को अपनाने और विकसित होने के लिए व्यावहारिक सुझाव दिए। रोटरी क्लब माल्टा, रो ई मंडल 2110 के सदस्य एडवर्ड को दिसंबर 2004 में जब भारतीय तट पर सुनामी आई थी, के बाद से भारत में विभिन्न सेवा परियोजनाओं में उनकी मदद के लिए सम्मानित किया गया।

एक उत्कृष्ट रोटरी सामुदायिक सेवा परियोजना के लिए क्लब ने हर साल उनके नाम पर दिया जाने वाला पुरस्कार स्थापित कीया है।

क्लब को 2019 में PRIP शेखर मेहता से चार्टर मिला था, लेकिन आगामी कोविड महामारी और लॉकडाउन ने इसकी प्रगति में बाधा उत्पन्न की थी, क्लब में गवर्नर के विशेष प्रतिनिधि पीडीजी जी ओलिवण्णन ने कहा, इसके चार्टर अध्यक्ष इलंजेळियन की निरंतर प्रेरणा के लिए धन्यवाद जिन्होंने क्लब ने पिछले तीन वर्षों में अपनी टीम भावना को प्रभावी ढंग से बनाए रखा है।

25 सदस्यों वाले क्लब ने अब तक ₹1 करोड़ की सेवा परियोजनाएं की हैं जिनमें श्रीलंका को ₹70 लाख की मानवीय सहायता और दवाई खाद्य सामग्री के रूप में शामिल है। उन्होंने कहा कि, ''हमने अरक्कोनम में लगभग 175 पौधे लगाए हैं,'' उन्होंने कहा कि, पूरे हरियाली अभियान की लागत ₹20 लाख है। ■

क्लब को 2019 में PRIP शेखर मेहता से चार्टर मिला था, लेकिन आगामी कोविड महामारी और लॉकडाउन ने इसकी प्रगति में बाधा उत्पन्न की थी।

अक्टूबर 2022 तक मंडल टीआरएफ योगदान

(अमेरिकी डॉलर में)

मंडल संख्या	एनुअल फण्ड	पोलियो प्लस फंड	एंडोमेंट फण्ड	अन्य निधि	कुल योगदान
India					
2981	11,520	127	0	625	12,271
2982	6,805	1,494	2,001	32,116	42,416
3000	16,477	2,680	0	0	19,157
3011	19,969	4,358	127	155,057	179,512
3012	7,970	752	65,235	78,188	152,144
3020	32,657	3,062	30,000	0	65,719
3030	11,661	43	0	1,275	12,979
3040	7,135	1,028	0	15,471	23,635
3053	19,606	136	0	0	19,742
3054	4,221	0	0	0	4,221
3060	21,713	200	0	61,476	83,389
3070	29,473	811	23,581	8,038	61,904
3080	5,690	1,787	0	37,163	44,641
3090	4,054	0	4,447	0	8,501
3100	41,770	400	17,762	0	59,932
3110	11,129	354	25,317	469,185	505,985
3120	5,974	0	0	0	5,974
3131	119,081	4,129	29,035	115,645	267,889
3132	9,508	1,346	25,000	500	36,354
3141	348,977	28,281	86,500	371,582	835,341
3142	113,439	2,893	1,098	25	117,455
3150	20,301	1,171	13,000	313	34,785
3160	1,310	2,338	0	0	3,648
3170	36,054	16,287	1,006	275	53,622
3181	34,696	56	25	912	35,690
3182	20,202	253	0	0	20,455
3190	15,977	4,059	0	985	21,021
3201	59,865	11,161	0	258,145	329,171
3203	1,427	7,732	0	26,479	35,638
3204	3,825	250	0	152	4,227
3211	56,068	0	0	1,049	57,117
3212	40,799	12,553	0	31,646	84,998
3231	44,302	19,845	32,025	569	96,741
3232	31,862	11,593	18,038	50,122	111,616
3240	19,754	11,200	1,000	3,622	35,576
3250	5,666	175	0	10,500	16,341
3261	11,008	13	0	5,277	16,298
3262	2,920	413	0	27,471	30,803
3291	21,209	248	15,033	8,190	44,679
India Total	**1,276,072**	**153,231**	**390,230**	**1,772,053**	**3,591,586**
3220 **Sri Lanka**	16,111	2,321	0	0	18,432
3271 **Pakistan**	25	11,125	0	250	11,400
3272 **Pakistan**	305	61	0	5,000	5,366
3281 **Bangladesh**	40,245	1,146	20,125	27,978	89,494
3282 **Bangladesh**	25,886	2,389	1,000	2,906	32,182
3292 **Nepal**	25,253	13,643	35,000	13,730	87,627
South Asia Total	**1,383,897**	**183,917**	**446,355**	**1,821,918**	**3,836,086**

वार्षिक कोष (AF) में SHARE, फोकस के क्षेत्र, विश्व कोष और आपदा प्रतिक्रिया शामिल हैं।
स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी कलपेट्टा डायलिसिस मशीन प्रदान करता है

टीम रोटरी न्यूज़

बाएं से: जोस मैथ्यू, डीजी प्रमोद नयनार, आईपीडीजी राजेश सुभाष, मनोज एमएसपी, डीआरएफसी पद्मनाभन और सहायक गवर्नर शायजू।

कलपेट्टा भारत के केरल राज्य के वायनाड ज़िले में स्थित एक छोटा-सा नगर है। यह आदिवासियों और पिछड़े लोगों की एक बहुत बड़ी संख्या के साथ आबाद है। इस शहर में स्थित 'शांति पेन एंड पल्लीएटीव केयर सुविधा' अपनी सात डायलिसिस मशीनों के साथ गरीबों को मुफ्त डायलिसिस सेवा प्रदान करती है। जब इस सुविधा केंद्र को बड़ी आबादी की सेवा के लिए अधिक डायलिसिस मशीनों की आवश्यकता थी, तो इसका प्रबंधन रोटरी क्लब कलपेट्टा, रो ई मंडल 3204 के पास मदद के लिए गया, जिसके साथ यह कई सेवा परियोजनाओं के लिए जुड़ा हुआ है।

क्लब ने ₹20.16 लाख के वैश्विक अनुदान के लिए हाथ बढ़ाया, साथ ही ब्राजील के रोटरी क्लब रिबेराव प्रीटो जार्डिम के साथ मिलकर और 'हैप्पी' बीन परियोजना के तहत तीन डायलिसिस मशीन प्रदान की गई। इसके अलावा, क्लब ने ₹2.93 लाख की लागत वाली 30 केवीए की यूपीएस इकाइयों को बिजली की आपूर्ति की सहायता करने के लिए भी प्रदान किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एक सुचारू और निर्बाध डायलिसिस प्रक्रिया जारी रह सके। डायलिसिस रोगियों को सुरक्षित पीने योग्य पानी उपलब्ध कराने के लिए एक जल शोधक और दो टेलीविजन सेट भी इस केंद्र को भेंट किए गए।

जबकि यह परियोजना पिछले साल डॉ राजेश सुभाष के गवर्नरशिप के दौरान शुरू की गई थी, हाल ही में इसका उद्घाटन वर्तमान डीजी प्रमोद नयनार ने किया। डीआरएफसी डॉ. पद्मनाभन और परियोजना समन्वयक जोस मैथ्यू भी उपस्थित थे।

'हैप्पी बीन' के गूढ़ शीर्षक को समझाते हुए, डॉ सुभाष ने कहा कि ''गुर्दा एक सेम के आकार का अंग है और जब डायलिसिस किया जाता है, तो यह गुर्दे से भार हटाता है और उन्हें खुश करता है, इसलिए शीर्षक 'हैप्पी बीन' पड़ा है।''

उन्होंने कहा कि अतिरिक्त तीन डायलिसिस मशीनें हर दिन छह और रोगियों को डायलिसिस में पूरी तरह से मुफ्त में मदद कर सकती हैं। ''यदि हम प्रत्येक डायलिसिस की लागत ₹1,000 मानते हैं, तो हर महीने यह केंद्र जरूरतमंद मरीजों को ₹1.5 लाख की सेवा प्रदान करेगा।'' ■

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से संदेश

2021-22 फाउंडेशन बैनर्स

रोटरी वर्ष 2021-22 के लिए फाउंडेशन बैनर और 'एंड पोलियो नाऊ' प्रमाण पत्र पात्र वितरित करने के लिए 2022-23 मंडल गवर्नरों को भेज दिए गए है।

पॉल हैरिस सोसाइटी (PHS)

पॉल हैरिस सोसाइटी उन व्यक्तियों को मान्यता देती है जो TRF को वार्षिक कोष, पोलियोप्लस कोष या एक अनुमोदित वैश्विक अनुदान के लिए प्रत्येक रोटरी वर्ष में 1,000 डॉलर का योगदान करते है। PHS योगदान रोटरी फाउंडेशन सस्टेनिंग मेंबर (केवल वार्षिक निधि योगदान), पॉल हैरिस फेलो, मल्टीपल पॉल हैरिस फेलो और प्रमुख दानकर्ता मान्यता और क्लब मान्यता बैनर के अंतर्गत गिना जाता है। इस मान्यता में एक शेवरॉन-स्टाइल पिन और मंडल PHS समन्वयक द्वारा प्रदान किया गया प्रमाण पत्र होता है। अधिक जानकारी के लिए https://www.rotary.org/en/about-rotary/history/paul-harris-society पर जाएँ या PHS ब्रोशर पढ़ें।

अपने क्लब/मंडल के भीतर PHS विस्तार करने के तरीके

- दिखाए कि कैसे संस्थान योगदान दुनिया की अत्यंत आवश्यकताओं के लिए उच्च प्रभाव वाले, टिकाऊ समाधानों में बदल जाते है।
- क्लब और मंडल प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज के महत्व को समझाएं।
- सदस्यों को वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन जुड़ने या PHS फॉर्म पर हस्ताक्षर करके शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करें
- संभावित सदस्यों की पहचान करने के लिए फाउंडेशन रिपोर्ट का उपयोग करें और उन्हें प्रत्यक्ष बैठकों में शामिल होने हेतु आमंत्रित करें
- PHS सदस्यों के लिए मान्यता कार्यक्रमों की योजना बनाएं या उन्हें अन्य उपयुक्त घटनाओं के दौरान मान्यता प्रदान करें

PHF मान्यता बिंदुओं का हस्तांतरण

संस्थान मान्यता बिंदुओं के हस्तांतरण के लिए आपके अनुरोध को प्राप्ति के पदानुक्रम में दक्षिण एशिया कार्यालय में संसाधित किया जाता है। हम मंडल और क्लब के नेताओं से अनुरोध करते है कि वे संबंधित क्लब मान्यता सारांश रिपोर्ट की समीक्षा करें और PHF मान्यता के लिए पात्र दाताओं की किसी भी जानकारी को डोनर सर्विसेज टीम के साथ साझा करें। हमें PHF सूची की समीक्षा करने और तदनुसार मान्यता की प्रक्रिया करने में खुशी होगी। अधिक जानकारी के लिए मंजू जोशी से Manju.Joshi@rotary.org (011-42250148) पर संपर्क करें। सामान्य तौर पर मान्यता वस्तुओं को संसाधित करने और उसे भेजने में लगभग 4 से 6 सप्ताह लगते है।

PHF मान्यता स्थानांतरण अनुरोध फॉर्म यहां उपलब्ध है

https://my.rotary.org/en/document/paul-harris-fellow-recognition transfer-request-form

फाउंडेशन मान्यता बिंदुओं की फैक्ट शीट यहाँ उपलब्ध है

https://my.rotary.org/en/document/foundation-recognition-points-fact-sheet ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

स्कूल जाने के लिए साइकिल की सवारी

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब लेक, मोइनाबाद, रो ई मंडल 3150 ने अरबिंदो फार्मा फाउंडेशन, रोटरी क्लब अमीरपेट, हैदराबाद आर्मर और हैदराबाद डेक्कन के साथ साझेदारी में हैदराबाद से 165 किलोमीटर दूर नारायणपेट में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली लड़कियों को साइकिल वितरित की। रोटरी क्लब मोइनाबाद जिला अध्यक्ष पतंजलि राव और परियोजना समन्वयक उदय पिलानी ने परियोजना का नेतृत्व किया। इसी क्षेत्र में एक मेडिकल कैंप भी लगाया गया।

अरबिंदो फार्मा के पूर्व अध्यक्ष रघुनाथन कन्नन ने कहा कि सीएसआर पहल के तहत 76 सरकारी स्कूलों की वंचित छात्राओं को ₹39.2 लाख की 800 साइकिलें दी गईं।

चिकित्सा शिविर में महिलाओं और पुरुषों के लिए कैंसर स्क्रीनिंग और बच्चों के लिए ईएनटी स्क्रीनिंग की गई। इसी दिन नारायणपेट में भी रक्तदान अभियान चलाया गया। मल्ला रेड्डी अस्पताल और MAA ईएनटी अस्पतालों ने शिविर की देखरेख के लिए उपकरण और कर्मचारी प्रदान करके चिकित्सा शिविर की सहायता की। डीजी राजशेखर रेड्डी तल्ला ने क्लब के इस प्रयास की सराहना की।■

लाभार्थी छात्रों के साथ क्लब के सदस्य।

पर्यावरण के अनुकूल उत्सव

प्रीति मेहरा

क्रिसमस और नए साल के बारे में सोचते ही आप अपने प्रियजनों से मिलने, उत्सव मनाने और पार्टियां करने के बारे में सोचने लगते है। ये ऐसी गतिविधि है जो पारंपरिक रूप से भारी मात्रा में अपशिष्ट पदार्थ उत्पन्न करती है और हमारे कार्बन फुट्प्रिन्ट को बढ़ाती है। लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि हम त्योहार के अवसर पर पारिवारिक सभाओं का आयोजन करना बंद कर दे? नहीं, आपको इतना कठिन निर्णय लेने की ज़रूरत नहीं है। सौभाग्य से कम अपशिष्ट पदार्थ उत्पन्न करने और जिम्मेदारी से इसका निपटान करने के अनेक तरीके है। अगर उचित भोजन और सामान का चयन करके एक बढ़िया जीवन शैली तय होती है और अगर हम हमारे मेहमानों को यह संदेश भी भेज पाते है कि हमारे पास मजेदार हरित विकल्प मौजूद है, तो फिर हम कह सकते है कि हमने क्रिसमस और नए साल में ग्रीन टच देने के लिए अपना काम किया है।

चलिए निमंत्रण के साथ शुरू करते है- उन्हें सरल और डिजिटल रखें। और यदि आप एक ऐसे व्यक्ति है जो एक अनोखा निमंत्रण चाहते है तो आप इसे स्वयं डिजाइन कर सकते है या किसी ऐप या वेबसाइट के माध्यम से ऐसा करवा सकते है। हालांकि, इसे अधिक जटिल न बनाएं क्योंकि अंततः आपका डिजिटल कार्बन फुटप्रिंट भी मायने रखता है!

पेय पदार्थों की बारी आती है तो अपने मेहमानों को घर में ताज़ा रूप से निर्मित पेय पदार्थों का सेवन करने हेतु राजी करें।

चलिए आगे सजावट की ओर चलते है। जब क्रिसमस की बात आती है तो अधिकांश घर पिछले वर्ष के पेड़, नेटिविटी सेट, पालना और खिलौने बहुत सावधानी से रखते है और त्योहार के मौसम में इन्हें बाहर निकालते है। लेकिन अगर रीसाइक्लिंग का विकल्प नहीं है, तो आप हमेशा इन्हें बिना कचरा फैलाए बना सकते है - कार्डबोर्ड, रैपिंग पेपर, पुराने ग्रीटिंग कार्ड, बीते वर्ष के कैलेंडर का उपयोग करें। बल्कि इस तरह की गतिविधि में बच्चों को शामिल करने से त्योहार और भी सार्थक हो जाते है। वे कार्डबोर्ड को काटकर सितारों की लड़ी, पेड़ और यहाँ तक कि नेटिविटी सेट बनाकर उन्हें जीवंत रंगों में रंग सकते है। और यदि आप एक नए साल की पार्टी की योजना बना रहे है तो ताजे पत्ते, फूल, झिलमिल और कागज़ के सितारे एक साथ लटकाने से कमाल हो सकता है।

अब टेबलवेयर की बात करते है। यहाँ भी आपके पास जो है उसका उपयोग करें। अपने कपड़े के नैपकिन, सिरेमिक प्लेट्स, कांच के बोल और कटलरी को बाहर निकालें। एकल उपयोग किए जाने वाले प्लास्टिक टेबलवेयर या फेंके जाने वाली पेपर प्लेट खरीदने के बजाय इनका उपयोग करना पर्यावरण के हित में है। हां, बाद में इन बर्तनों की सफाई थोड़ी कठिन लगती है लेकिन यह टिकाऊ जीवन शैली में स्थानांतरित होने का बढ़िया विकल्प है। यदि इन बर्तनों को धोना संभव नहीं है या बैठक कहीं बाहर है तो बायोडिग्रेडेबल पत्तल ऑर्डर करना सबसे अच्छा होगा। आजकल पार्टी के लिए बनने वाले पत्तल बांस, गन्ने के गूदे या सूखे पत्तों और अपशिष्ट कागज़ से बनते है और ऑनलाइन उपलब्ध होते है, वे प्रसिद्ध खुदरा दुकानों पर ही गूगल करने से मिल जाएंगे। यहाँ तक कि ट्राइब्स और कुछ गैर सरकारी संगठन भी पत्तल बनाते है जिसे वे खुदरा या ऑनलाइन बेचते है।

आखिरी एवं महत्वपूर्ण चीज़ आपके द्वारा परोसे जाने वाला भोजन और पेय पदार्थ है। वास्तव में 'प्रकृति के अनुकूल बनने' के लिए अपने भोजन को स्थानीय, सरल, जैविक, स्वादिष्ट और यथासंभव प्रकृति के करीब रखें। अधिक मात्रा में कम तरह के व्यंजन बनाएं, विशेष रूप से ऐसे व्यंजन जिनका कार्बन फुट्प्रिन्ट कम हो।

सामान स्थानीय रूप से जितना अधिक खरीदे जाएंगे, उनका कार्बन फुटप्रिंट उतना ही कम होगा। उदाहरण के लिए जिस शहर, कस्बे या राज्य में आप रहते है वहाँ उगाई जाने वाली सब्जियों को एक बाहर से आए सामान की तुलना में कम यात्रा करनी पड़ती है क्योंकि वे हजारों मील की हवाई यात्रा करके और कोल्ड स्टोरेज में भारी ऊर्जा सोंखकर आते है। इसलिए स्थानीय रूप से उगाई गई फसलों का पूरा उपयोग करें और यह भी ध्यान रखें कि जितना संभव हो अपने पड़ोस के विक्रेताओं से ही सामान खरीदें ताकि उनकी आजीविका बाधित न हो।

फिर, जब पेय पदार्थों की बारी आती है तो अपने मेहमानों को घर में ताज़ा रूप से निर्मित पेय पदार्थों का सेवन करने हेतु राजी करें, लेकिन अगर आपको पेय पदार्थ खरीदना ही पड़ता है तो एल्यूमीनियम के डिब्बे और कांच की बोतलों वाले पेय पदार्थ ही खरीदें जिनका प्लास्टिक की बोतलों की तुलना में अधिक आसानी से

पुनर्नवीनीकरण किया जा सकता है। अब खाद में परिवर्तित होने योग्य और यहां तक कि खाने योग्य कप और स्ट्रॉ भी उपलब्ध है तो फिर क्यों न प्राकृतिक रूप से नष्ट न हो सकने वाले इनके प्लास्टिक समकक्षों के बजाय इन पर पैसे खर्च किए जाए। ये पौधे-आधारित, खाद्य-ग्रेड सामग्री से निर्मित होने के कारण खाद में परिवर्तित हो जाते है और आने वाले अनेक वर्षों तक जमीन में मौजूद नहीं रहते।

हाल ही में मेरे एक मित्र ने मुझे दोपहर के भोजन पर आमंत्रित किया जहाँ उसने सीधा हरी खोल वाला नारियल पानी परोसा, जिससे सभी को प्रकृति से जुड़ाव महसूस हुआ। उसने अपनी सलाद की प्लेटर के लिए एक खोखले अनानास का भी इस्तेमाल किया। मैंने अपने कुछ दोस्तों को डिज़र्ट के लिए तरबूज़ का गूदा निकालकर उसमें और अधिक फल मिलाकर ताजे फलों का एक मिश्रण तैयार करते हुए भी देखा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इन अभिनव रचनाओं के माध्यम से वे धरती माता के करीब होने और इसके प्राकृतिक संसाधनों का आनंद लेने का एक बढ़िया उदाहरण पेश कर रहे है।

और अब पार्टी के बाद के झंझट की बात करते है। जैसे कि बर्तन साफ करना और धोना तब सरदर्द बन जाता है जब आप इसे एक बकवास काम के रूप में देखते है। लेकिन अगर आप इसे पर्यावरण के हित में देखते हुए स्वीकार करते है तो आपको कम कष्ट होगा। इस प्रयास में परिवार के बाकी सदस्यों को भी शामिल करें, सब कुछ अपने ऊपर न लें। काम पूरा होने के बाद कचरे को व्यवस्थित रूप से अलग करके इनका निपटान करें जिससे आप एक गैर-जिम्मेदार पार्टी की मेजबानी करने के अपराध बोध के बिना दुनिया का सामना कर सकें।

लेखिका एक वरिष्ठ पत्रकार हैं,
जो पर्यावरण के मुद्दों पर लिखती हैं।

दर्द करने वाले कंधों का इलाज

भरत और शालन सवुर

हमारे कंधे हमारे बड़े सहयोगी होते है। वे हमारे बैग को उठाते है, वे हमारे परेशान दोस्तों को दिलासा भरा कंधा प्रदान करने के काम आते है, वे किसी ऊंची अलमारी के ऊपर रखें हुए कुकीज़ के डिब्बे तक पहुंचने में हमारी मदद करते है, जब हम एक गेंद या भाले को दूर तक फेंकने के लिए अपनी बांह को पीछे की ओर ले जाते है तो वे हमें असीम शक्ति प्रदान करते है।

इसलिए, जब मैं एक महीने में कंधों के दर्द से पीड़ित ऐसे तीन लोगों से मिला तो मुझे वास्तव में उनके लिए बुरा लगा। वे अपने दम पर ही घर की सफाई करते है, गाड़ी चलाते है और अपने मासिक किराने का सामान घर लाते है।

फुटपाथ पर चलते समय उनमें से दो गिर गए थे, जिससे उनके कंधों की स्थिति ऐसी हो गई जिसकी मैं आगे चर्चा करने वाला हूँ। तथ्य यह है कि हम सभी के दोनों कंधे के चारों ओर तरल पदार्थ की आठ छोटी थैलियाँ मौजूद होती है। ऐसी 89 और होती है लेकिन हम आज केवल कंधे पर ध्यान केंद्रित कर रहे है। इन थैलियों को बुरसे कहा जाता है और ये हमारे जोड़ों को घर्षण के बिना सुचारू रूप से कार्य करने में मदद करती है। वे तब तक शांत और शिकायत रहित रहती है जब तक... एक दिन, उनमें से किसी एक में अचानक सूजन आ जाती है और उसका दर्द इतना तीव्र हो सकता है कि जब आप अपनी नींद में उस कंधे से करवट लेते है तो आप दर्द के मारे जाग जाते है। तो, यहाँ पहला सुझाव यह है: जब आपके कंधों में दर्द हो तो एक आरामदायक नींद लेने वाली अवस्था को जानें और फिर तकिए से खुद को घेर लें ताकि आप आसानी से हिल न सकें। यहाँ तक कि अगर आप अपनी स्थिति को बदलने की कोशिश करते समय जागते भी है तो कम से कम आपको अधिक दर्द न हो।

जारी रखते हुए, जब इस थैली, जिसे चिकित्सकीय रूप से बुरसे कहा जाता है, में सूजन आ जाती है तो इसे बर्साइटिस कहा जाता है। नोट: 'आईटिस' का अर्थ है सूजन। और अच्छी खबर यह है कि यह तीन सप्ताह या उससे भी अधिक समय में अपने आप ठीक हो जाता है यदि आप इस पर ध्यान देते है और 48 घंटों के भीतर कुछ घरेलू उपचारों के साथ इसका इलाज करते है।

इसके उपाय इस प्रकार हैं:

रुकें... और आराम करें

कृपया भारी सामान न उठाएं और कोई ऐसी गतिविधि न करें जिससे आपके कंधे के जोड़ों में दर्द हो। इसे किसी भी तरह के परिश्रम से बचाएं। इसे आराम करने दीजिए। शरीर में उठे किसी भी दर्द को अनदेखा न करें क्योंकि प्राकृतिक चिकित्सा कहती है कि अच्छे स्वास्थ्य के संकेतों में से एक शरीर में किसी भी दर्द का न होना है। शारीरिक दर्द के प्रति संवेदनशील होना महत्वपूर्ण है।

सुझाव: कंधे को निर्धारित व्यायाम की आवश्यकता होती है लेकिन इसे दर्द कम होने के चार से पांच दिन बाद ही किया जाना चाहिए।

इसपर बर्फ लगाएं

अगर वहाँ पर सूजन हो या वो क्षेत्र छूने पर अधिक गर्म लगे तो एक रूमाल में कुछ बर्फ के टुकड़े डालें और इसे सहन करने तक जोड़ों पर रखें। फिर इसे हटाकर दोबारा रखें जैसे 10 मिनट तक बर्फ रखें फिर 10 मिनट के लिए हटा दें और फिर इसे दोहराएं।

ठंडा और गर्म

बाद में जब सूजन और दर्द कम हो जाता है और यह गर्म नहीं लगे तो डॉक्टर ठंडे-गर्म उपचार की सलाह देते है - 10 बर्फ, 10 गर्म, 10 बर्फ, 10 गर्म। सुझाव: प्रारंभ में, गर्म पानी की थैली के चारों ओर एक तौलिया लपेटें। आपको अपनी तकलीफों को बढ़ाने के लिए त्वचा को जलाने की आवश्यकता नहीं है।

दर्द निवारक गोलियां

यदि आपको सूजन-विरोधी दवा से एलर्जी नहीं है तो या तो इबुप्रोफेन या एस्पिरिन लें। सुझाव: धीरे-धीरे घुलने वाली एस्पिरिन अच्छी है क्योंकि इसके धीरे-धीरे घुलने से यह सुनिश्चित हो जाता है कि आपको इसे बार-बार लेने की आवश्यकता नहीं है। यदि आपको छाले है तो अपने डॉक्टर से सलाह लें कि एन्टेरिक कोटेड एस्पिरिन लेना ठीक है या नहीं। यदि सही नहीं है तो फिर पूछें कि कौन सी प्रासंगिक क्रीम को दर्द वाले स्थान पर लगाया जा सकता है। सोते समय गोली लें। तकिए और कुशन की व्यवस्था को न भूलें। एक अच्छी नींद हमेशा उपचार प्रक्रिया को तेज करती है।

अरंडी के तेल से राहत

यदि आप अपने डॉक्टर के पास नहीं जाना चाहते हो तो अरंडी के तेल की एक बोतल ले आएं। इसमें

सूजन-रोधी गुण होते है। इसे धीरे-धीरे जोड़ पर रगड़ें। इस पर गर्म कपड़ा रखें। यदि आपको इस बात का संकोच हो रहा हो कि एक बार बर्साइटिस के ठीक हो जाने के बाद अरंडी के तेल की बोतल काम नहीं आएगी और 'पैसे बर्बाद' हो जाएंगे तो चिंता न करें क्योंकि इसके अनेक उपयोग है:

- इसे त्वचा पर रोजाना लगाएं क्योंकि इसके एंटी-बैक्टीरियल गुण त्वचा को मुंहासों से छुटकारा दिलाते है।
- यह झुर्रियों, स्ट्रेच मार्क्स को कम करता है और उन्हें मॉइस्चराइज करता है।
- हफ्ते में दो बार सिर की त्वचा पर मसाज करने से रूसी से छुटकारा मिलता है और बाल बढ़ते है।
- यह सफेद रक्त कोशिका और प्रतिरक्षा को बढ़ाता है और मौखिक रूप से लेने पर कब्ज से राहत प्रदान करता है।

तो, आपके पैसे का अच्छा उपयोग हो सकता है!

धीरे-धीरे घुमाएं

जैसे ही दर्द कम हो जाए तो प्रमुख क्षेत्रों की कुछ मांसपेशियों को मजबूत करना शुरू करें। इस महान व्यायाम को करें: कुर्सी की बांह पर अपना हाथ रखकर स्वयं को सहारा दे, थोड़ा आगे झुकें, पीड़ित बांह को शिथिल रूप से नीचे की ओर झूलने दें, फिर धीरे-धीरे हाथ को आगे और पीछे घुमाएं... सिर्फ दो बार। इसे कुछ हफ्तों में 10 से... 20 गुना तक बढ़ाएं।

एक उचित सलाह; बर्साइटिस ठीक होने के बाद भी इस झूलने वाले व्यायाम को करते रहे। बल्कि, इसे प्रत्येक हाथ के लिए 20 बार करें। यह एक अच्छा निवारक उपाय है। लेख में जिन तीन लोगों का मैंने पहले उल्लेख किया था, उनमें से एक ने इस अभ्यास को अपना 'झूला' कहा है!

दीवार पर चलना

एक और अद्भुत अभ्यास जिसकी मैं अनुशंसा करता हूँ वो है चलना: दीवार पर अपने पीड़ित हाथ की तरफ से खड़े हो जाएं। अब, उंगलियों को दीवार पर चलाते हुए जितना संभव हो सकें उतना ऊंचा ले जाएं। खिंचाव महसूस करना महत्वपूर्ण नहीं है क्योंकि खिंचाव के साथ दर्द आ सकता है। इसे वहीं तक करें जहाँ तक आपको आरामदायक लगें। प्रत्येक पक्ष के लिए इसे केवल दो बार करें। फिर इसे हफ्तों में 20 बार तक करने लगे। यह अकड़े हुए कंधों के लिए भी प्रभावी है।

इन अभ्यासों के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि इन्हें करना आसान है। और आपको खुशी महसूस होगी जब आप धीरे-धीरे झूलने और चलने में वृद्धि करते है। यह इस बात का संकेत है कि अच्छे दिन आने वाले है। बाहर भी अपनी दैनिक सैर जारी रखें। एक पुनर्जीवित रक्त परिसंचरण शरीर के लिए चमत्कार करता है।

क्या इसकी पुनरावृत्ति हो सकती है?

यह सवाल हर किसी के मन में है, है ना? क्या इसकी पुनरावृत्ति हो सकती है? हाँ, हो सकती है। इसलिए, भविष्य में इसे रोकने के लिए अभ्यास करें। उन मांसपेशियों को मजबूत करें। कंधों का अधिक उपयोग न करें - कोई भारी सामान उठाना नहीं... कभी भी। कुछ उपयोगी सुझाव:

- अपने मोबाइल के लिए हैंड्स फ्री सामग्री का इस्तेमाल करें। जब तक कुछ निजी बातचीत न हो, तब तक मोबाइल को स्पीकर फोन पर रखें।
- अपने कंधों को चौकोर रखें क्योंकि एक अच्छी मुद्रा अनिवार्य होती है।
- रोजाना अपने कंधों की धीरे-धीरे मालिश करें - यह शारीरिक और मनोवैज्ञानिक दोनों रूप से आवश्यक है। दर्द विशेषज्ञों का कहना है कि शरीर में जो भी होता है उसका सीधा प्रभाव मस्तिष्क पर पड़ता है और मस्तिष्क में जो भी होता है उसका सीधा असर शरीर पर पड़ता है।
- इसी कारण से, न तो तनाव लें और न ही तनाव दें। बुरे लोगों से दूर रहें - मार-पीट करने के आवेग में भले ही आप सचमुच अपनी बांह न उठाएं लेकिन इससे आपके कंधों में दर्द उठ सकता है। इसी तरह कृपया यह महसूस न करें कि आपके कंधों पर सारी दुनिया का बोझ है - इस दबाव, क्रोध और असंतोष के परिणामस्वरूप कंधे में दर्द उठ सकता है। जितना संभव हो उतनी जिम्मेदारियों को बांटें। आराम करने के लिए अनेक चीजें कर सकते है, अपने आप में खुश रहें, बढ़िया गर्म पानी से स्नान का आनंद लें, संगीत सुनें। अपनी जीवनशैली में आनंद को आने दें।
- अपने डॉक्टर से सलाह लें कि क्या आपको ग्लूकोसामाइन या ओमेगा-3 फैटी एसिड का कैप्सूल लेने की आवश्यकता है। ओमेगा-3 से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे सामन, टूना, अखरोट, फ्लेक्स सीड, चिया सीड, अमरूद शामिल करें।

अंत में, हर दिन इस वाक्य को अपने दिमाग में याद रखें: 'अच्छा होना अभी भी बाकी है।' इससे आपके हौसले को जबरदस्त रूप से बढ़ावा मिलता है। यह आपको ऐसे समय में हौसला प्रदान करता है जब आपको धैर्य की अधिक आवश्यकता होती है। धैर्य की भाषा सुंदर होती है। यह कहता है, 'मैं अनुमति देता हूँ।' मैं अपने कंधे को ठीक होने के लिए समय देता हूँ। मैं स्वयं को आराम करने की अनुमति देता हूँ। जैसा कि एक प्राचीन स्वाहिली कहावत है: 'धैर्य खुशी को आकर्षित करता है, यह उस चीज़ को पास लाता है जो दूर है।' प्रिय पाठक, कभी झल्लाएं नहीं। उपचार होता है। यह प्राकृतिक है।

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, *और* बी सिम्पली स्पिरिचुअल - यू आर नैचुरली डिवाइन *के लेखक है और फिटनेस फॉर लाइफ कार्यक्रम के शिक्षक है।*

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब चिदंबरम सेंट्रल - रो ई मंडल 2981

सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल को दस ग्लूकोमीटर दान किए गए।

रोटरी क्लब खामगांव - मंडल 3030

13 अक्टूबर को DG आनंद झुनझुनूवाला के जन्मदिन पर रोटरी के प्रत्येक ध्यानाकर्षण क्षेत्रों के तहत सात परियोजनाओं को पूरा करके चिह्नित किया गया।

रोटरी क्लब मदुरई संगमम - रो ई मंडल 3000

सी पुलियांगुलम गवर्नमेंट हायर सेकन्डरी स्कूल को ₹70,000 के फर्नीचर दान किए गए।

रोटरी क्लब सूरत ईस्ट - रो ई मंडल 3060

लगातार दो महीनों में दो कैंसर जांच शिविरों से लगभग 500 लोग लाभान्वित हुए। उनका ब्रेस्ट स्कैन, मैमोग्राफी, PAP स्मीयर, PSA टेस्ट और डेंटल चेक-अप किया गया।

रोटरी क्लब गाज़ियाबाद नॉर्थ - रो ई मंडल 3012

सरकारी स्वास्थ्य विभाग को शव रखने हेतु दो फ्रीजर बॉक्स (₹1 लाख) दान किए गए।

रोटरी क्लब भिवानी डाउनटाउन - रो ई मंडल 3090

चुघ मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किए गए एक चिकित्सा शिविर में 50 से अधिक लोगों की बीपी और ब्लड शुगर की जांच की गई।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब मेरठ कॉसमॉस - रो ई मंडल 3100

क्लब के अध्यक्ष वर्तुल अग्रवाल ने सरधाना गांव के प्राथमिक विद्यालय के परिसर की सफाई के बाद वहाँ वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया।

रोटरी क्लब मुंबई बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स - रो ई मंडल 3141

RCC मालीपाड़ा, वाडा, पालघर, की स्थापना के दौरान जिला परिषद स्कूल के आदिवासी छात्रों को 15 साइकिलें (₹55,000) और 100 सौर अध्ययन लैंप (₹1 लाख) दिए गए।

रोटरी क्लब पूना मिडटाउन - रो ई मंडल 3131

सेवासदन दिलासा कार्यशाला में दिव्यांग छात्रों के लिए एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया।

रोटरी क्लब तडेपल्ली - रो ई मंडल 3150

गोद लिए गए मेल्लामपुड़ी गांव की एक आंगनवाड़ी को ₹40,000 की दस कंक्रीट बेंच दान की गई।

रोटरी क्लब वाई - रो ई मंडल 3132

विश्व जूनोसिस दिवस के अवसर पर पशु चिकित्सालय, वाई, में 60 से अधिक आवारा कुत्तों को एंटी-रेबीज़ वैक्सीन का टीका लगाया गया।

रोटरी क्लब गुलवर्गा - रो ई मंडल 3160

गांधी जयंती के उपलक्ष्य में यूनानी अस्पताल के पास कुष्ठ रोग कॉलोनी में कुष्ठ रोगियों और उनके परिवारों को मिठाई एवं फल वितरित किए गए।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब गजेंद्रगढ़ - रो ई मंडल 3170

रोटेरियन डॉ टी एच शंकर और उनकी टीम के नेतृत्व में एक दंत जांच शिविर में गर्ल्स गवर्नमेंट हाई स्कूल की 1,000 से अधिक छात्राओं की जांच की गई।

रोटरी क्लब मेट्टुपालायम प्राइम - रो ई मंडल 3203

लक्ष्मी अस्पताल कौंडमपालयम के सहयोग से आयोजित एक हृदय जांच शिविर में दो सौ लोगों की जांच की गई। ECG, इको और खून की जांच की गई।

रोटरी क्लब शंकरनारायण - रो ई मंडल 3182

क्लब के आउटरीच कार्यक्रम के तहत आंगनवाड़ी केंद्र, माविनाकोडलू, को एक LED टीवी सौंपा गया।

रोटरी क्लब सुल्तान बाथरी - रो ई मंडल 3204

तिरुपुर में क्लबों द्वारा आयोजित एक बाइक रैली के दौरान रोटरी क्लब तिरुपुर नॉर्थ के सहयोग से एक प्राथमिक विद्यालय को एक झूला (₹25,000) दान किया गया।

रोटरी क्लब कोयंबटूर मोनार्क्स - रो ई मंडल 3201

रोटेरियन गुरुमूर्ति विग्नेश के सहयोग से पोदानूर के एक वृद्धाश्रम-सह-अनाथालय को ₹10,000 की लागत से किराने का सामान दान किया गया।

रोटरी क्लब चेंगन्नूर - रो ई मंडल 3211

क्लब ने MMAR सेंट्रल स्कूल, चेंगन्नूर, में 500 छात्रों के लिए नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर एक सेमिनार आयोजित किया। छात्रों पर रो ई लोगो के साथ 'से नो टू ड्रग्स' के बैज लगाए गए।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब शिवकासी - रो ई मंडल 3212

दिवाली की पूर्व संध्या पर दिव्यांगों को ₹2,000 की लागत से चावल के थैले सहित किराने का सामान दान किया गया।

रोटरी क्लब गया सिटी - रो ई मंडल 3250

एक आदिवासी छात्रा उर्मिला कुमारी को ₹70,000 की नर्सिंग कोर्स की पूरी फीस चेक के रूप में दी गई।

रोटरी क्लब वेल्लोर फोर्ट - रो ई मंडल 3231

श्री नारायणी अस्पताल, ऑक्जिलियम कॉलेज और जेपी डेंटल क्लीनिक के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किए गए एक विशाल स्वास्थ्य शिविर में लगभग 590 छात्राओं की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए जांच की गई।

रोटरी क्लब राउरकेला रिवरसाइड - रो ई मंडल 3261

दो वयस्क साक्षरता विद्यालयों के अभ्यर्थियों को पाठ्यक्रम पूरा करने के सर्टिफिकेट और उपहार दिए गए। DGE मंजीत सिंह अरोड़ा और DGE जयश्री महंती (रो ई मंडल 3262) मौजूद थे।

रोटरी क्लब आर्च सिटी मद्रास - रो ई मंडल 3232

DG नंदकुमार ने क्लब अध्यक्ष सुगंथी कन्नन और अन्य सदस्यों की मौजूदगी में साईं इलम नामक एक वृद्धाश्रम को ₹6 लाख की एक वैन सौंपी।

रोटरी क्लब भुवनेश्वर मीडोज़ - रो ई मंडल 3262

सरकारी कॉलेजों में दाखिला लेने के लिए वंचित परिवारों की 11 मेधावी छात्राओं को छात्रवृत्ति दी गई।

वी मुत्तुकुमारन द्वारा संकलित

पेंट करवाएं या नहीं

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

दुनिया में हर जगह समय-समय सभी घरों को दुबारा रंग रोगन की आवश्यकता पड़ती है। लेकिन हमारी जलवायु परिस्थितियों के कारण भारत में ये समस्या और गंभीर है। उत्तर और मध्य भारत में धूल बहुत उड़ती है जो दीवारों पर चिपक कर उसे मटमैला कर देती है। उधर दक्षिणी, पश्चिमी और पूर्वी भारत के क्षेत्रों में नमी ज़्यादा होती है जिससे दीवारें धूसर दिखने लगती हैं।

और, आप तो जानते हैं, रिसाव या टपकने की समस्या हमेशा बनी रहती है। उत्तर भारत में यदा कदा आने वाले भूकंप के कारण, दीवारों के कोनों और किनारों में बहुत बारीक दरारें पैदा हो जाती हैं। और ये दरारें नमी के धब्बे का आकार लें इसके लिए आपको केवल तीन दिन मूसलाधार बारिश चाहिए। और अगर यह धब्बा बिजली स्विच के सेट के पास बन गया तो बहुत दु:खदायी होता है।

शाम को कमरे में आने के बाद लाइट जलाने के लिए स्विच दबाते ही आपको ज़िन्दगी का सबसे बड़ा झटका लगता है। यकीनन बहुत ज़ोर का। मेरे साथ ये दो बार हो चुका है और मेरा विश्वास कीजिये, यह बहुत ही बुरा अनुभव था। इसीलिए समय-समय पर दरारों को भरने और फिर से रंगने की ज़रुरत पड़ती है।

ये कुछ चीजें हैं जो परोक्ष रूप से इस रंग रोगन के व्यवसाय को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए लोग जितना हो सके इस तकलीफ को टालने की कोशिश करते हैं। आमतौर पर दोबारा रंग रोगन कराने के बीच 6-7 साल का अंतर होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि तीसरे साल के बाद से ही दीवारें वास्तव में जर्जर और खुरदरी दिखने लगती हैं।

यदि अगर आप की किस्मत खराब है और रिसाव तीन साल से पहले होता है, तो आप या तो इसके साथ रहते हैं या 'टच अप' के लिए किसी पेंटर को बुलाते हैं। ये परेशानी कम तो करता है लेकिन मजबूरी में आपको दोरंगी दीवार के साथ रहना पड़ता है। और यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि आप कितने सनकी हैं।

अब एक नया खतरा खड़ा हो गया है उन लोगों के कारण, जो बगल से सटा हुआ घर या फ्लैट खरीदते हैं और अपने नए मकान को ध्वस्त कर उसका जीर्णोद्धार करते हैं। इस मामले में मेरी किस्मत बहुत खराब रही है । लगभग 10 साल पहले, मेरे दाहिने वाले घर को नए मालिक ने खरीदा और ध्वस्त कर दिया था। बड़े-बड़े हथौड़ों और छेनी से ठेकेदार ने उसे शांत किया था और ये तोड़ फोड़ करीब चार महीने तक चलती रही। यह बहुत ही तकलीफदेह और भयानक था और हमारी दीवारों में कई दरारें छोड़ गया।

उस की मरम्मत के लिए हमें एक अच्छी खासी राशि खर्च करनी पड़ी थी। और, इस साल की शुरुआत में, मेरी बाईं तरफ का घर भी किसी ने खरीद लिया। हाँ, इस बार हथौड़ों के बजाय उन्होंने बुलडोजर और ड्रिल मशीनों का इस्तेमाल किया। मकान ढहाने का कार्य तो दो सप्ताह में समाप्त हो गया था और शोर भी कभी-कभार ही हुआ था। लेकिन इस बार तकलीफ दूसरी थी, दरारें और बढ़ गई थीं जिसका नतीज़ा ये हुआ कि इस मानसून में हुई भारी बारिश की वजह से हमारे मकान की सभी दीवारों में रिसाव दिखने लगा।

कुछ चीजें हैं जो परोक्ष रूप से इस रंग रोगन के व्यवसाय को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए लोग जितना हो सके इस तकलीफ को टालने की कोशिश करते हैं।

ये संयोग की ही बात है, पिछली बार मकान में किये गए पेंट और मरम्मत को लगभग पांच साल हो गए हैं और अब हम सोच रहे हैं कि इसे दुबारा कब पेंट किया जाए। शुक्र है कि मेरी 96 वर्षीय मां हमारे साथ रहती है। पिछली बार भी जब दरारों की मरम्मत कर घर को फिर से पेंट करना था, हमारे साथ मेरी 88 वर्षीय सास रहती थीं। तो इस बार की तरह, उस वक़्त भी हमारे पास मरम्मत टालने की जायज वज़ह थी। आखिरकार, हमारे बेटे की शादी की वजह से हमें पेंट करवाना पड़ा था।

लेकिन टालने की मेहरबानी है, जो काम एक महीने में हो सकता था, उसमें ढाई महीने लग गए। मैं उन हफ्तों और दिनों और घंटों और मिनटों की पूरी तकलीफ बयां नहीं कर सकता जिस से गुजरा हूँ। मैं अभी भी अपनी किताबों से चाक की धूल झाड़ रहा हूं, जबकि वो तो अलमारियों के भीतर थीं।

और वक़्त का भी तकाज़ा है। मानसून के चार महीने छोड़ दो और उत्तर भारत में आपको सर्दियों के तीन महीनों से भी दूर रहना चाहिए। इन सात महीनों के दौरान हर चीज सूखने में ज्यादा समय लेती है। तो बचे महज पांच महीने, फरवरी से जून तक। इसलिए मुझे एक बड़ा निर्णय लेना है: क्या मुझे इसे अगली फरवरी में करवना चाहिए या मुझे 2024 तक इंतजार करना चाहिए जब मेरी मां, मेरी बहन के घर रहने चली जायेगी? मुझे लगता है कि मैं अपनी मां से ही पूछ लेता हूँ। ऐसे कठिन निर्णय वो ही ले सकती है, आखिर माएँ होती किसलिए हैं? ■

संक्षेप में

एक हेडफ़ोन जो कान के संक्रमण का इलाज करता है

सैन डिएगो के लीन फैन (14) ने कान के संक्रमण का इलाज करने वाले हेडफ़ोन डिजाइन करने के लिए अमेरिका का टॉप यंग साइंटिस्ट अवार्ड जीता। फिनसेन हेडफ़ोन एक कम लागत वाला उपकरण है जो कान के माध्यम में होने वाले संक्रमण का पता लगाकर उसका इलाज करने और बच्चों में सुनने की क्षमता को 60 प्रतिशत तक क्षतिग्रस्त होने से रोकने हेतु मशीन लर्निंग और ब्लू लाइट थेरेपी का उपयोग करता है।

अवसाद के लिए मज़ेदार नुस्खे

इंग्लैंड की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाओं ने एक सामाजिक प्रिस्क्रीप्शन कार्यक्रम शुरू किया जिसके अंतर्गत 10 क्षेत्रों के डॉक्टर चिंता, अवसाद या क्रोध की समस्याओं से पीड़ित किशोरों और बच्चों के लिए सर्फिंग, रोलर-स्केटिंग और बागवानी की सलाह दे सकते है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं द्वारा प्रतिभागियों की निगरानी की जाएगी ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये गतिविधियां उनके मानसिक कल्याण को बढ़ावा देती है या नहीं।

अमेरिकी महिला राजनयिक दिल्ली में ऑटो-रिक्शा से यात्रा करती हैं

चार अमेरिकी राजनयिक - एन एल मेसन, रूथ होल्मबर्ग, शारेन जे किटरमैन, और जेनिफर बायवाटर्स - अपने बुलेट प्रूफ वाहनों के बजाय व्यक्तिगत काले और गुलाबी ऑटो रिक्शा का उपयोग अपनी कार्य यात्राओं के लिए कर रही हैं। वे ऐसा न केवल मनोरंजन के लिए, बल्कि एक उदाहरण स्थापित करने के लिए कर रही हैं।

शरणार्थी शिविर प्लास्टिक का पुनर्चक्रण करता है

आइंडहोवन की डिजाइन अकादमी उत्तरी सहारा के एक शिविर में शरणार्थियों को पोर्टेबल प्लास्टिक रीसाइक्लिंग मशीनों की मदद से अपने प्लास्टिक कचरे को फर्नीचर, ईंटों और अन्य उपयोगी वस्तुओं में बदलने के लिए प्रशिक्षित कर रही है।

कैंसर को रोकने वाली गोली

अमेरिका के सबसे बड़े कैंसर अनुसंधान और उपचार संगठनों में से एक, सिटी ऑफ होप, ने लोगों में बार-बार होने वाले ठोस ट्यूमर के लिए एक कैंसर की दवा, AOH1996 विकसित की। इस संगठन ने घोषणा की है कि कैंसर को रोकने वाली गोली लेने वाला पहला रोगी स्वस्थ है। नैदानिक परीक्षण का उद्देश्य गोली की अधिकतम सहनशील खुराक निर्धारित करना और प्रारंभिक प्रभावकारिता के लिए इसका मूल्यांकन करना है।

किरण ज़ेहरा द्वारा संकलित; एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा।

Registered No. TN/CCN/359/2021-2023 | Total number of pages in this monthly
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP 421/21-23 | issue, including cover, 84. Price: ₹40
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/05271 Rotary Samachar Published on the first week of every month

ADVT.

IIS
(deemed to be UNIVERSITY)
JAIPUR
FORMERLY ICG

Gurukul Marg, SFS, Mansarovar,
Jaipur-302 020 Rajasthan (India)
+91 141 2400160, 2397906/07
Toll Free No.: 1800 180 7750
admissions@iisuniv.ac.in
www.iisuniv.ac.in

PSYCHOMETRIC TESTING AVAILABLE FOR VOCATIONAL AND CAREER COUNSELLING
https://icfia.org/iisu/psychometrictest

Scholarship for Meritorious/ National Level Sports Achievers

Undergraduate Programmes
- B.A. - B.A. Hons.
- B.Sc. - B.Sc. Hons.
- B.Com. - B.Com. Hons.

Specialized Programmes
- **B.Com. Hons.** (Proficiency in Chartered Accounting/Proficiency in Company Secretaryship) Specialized programmes and separate academic calendars for aspirants of CA & CS.
- **B.Com. Hons.** (Applied Accounting and Finance) Accredited by ACCA UK

UG - Professional Programmes
- **B.A.** (J.M.C.) - **B.F.A.** - **B.C.A.**
- **B.Sc. Hons.** (Forensic Science)
- **B.Sc. Hons.** (Data Analytics and Artificial Intelligence)
- **B.Sc. Hons.** (Home Science)
- **B.Sc.** (Fashion Design)
- **B.Sc.** (Jewellery Design & Technology)
- **B.B.A.**
- **BBA** (Aviation and Tourism Management)
- **B.Voc.*** *UGC Approved

Integrated Programmes
- **B.A. B.Ed.*** - **B.Sc. B.Ed.*** *NCTE Approved
- **B.Sc. M.Sc.** (Nano Science & Technology)

Post Graduate Programmes
- **M.A.** - **M.Sc.** - **M.Com.** - **M.F.A.**
- **M.S.W.** - **M.Sc. Home Science**
- **M.B.A. (Semester Based)**
- **RCI Approved Professional Diploma in Clinical Psychology**
  MBA/MCA AICTE Approved

Co-Educational Programmes
@ IISU Block, ISIM Campus, Mahaveer Marg, Mansarovar
- **B.Sc. Hons.** (Multimedia & Animation)
- **B.C.A.** - **B.B.A.** - **B.Lib.Sc.**
- **M.A.** (Digital Media and Communication)
- **M.C.A.** - **M.B.A.** (**Dual Specialization, Trimester based**)

Short Term Courses
- **Cyber Security and Cyber Law (Online)**
- **Certificate Course in Textile Design**

Research Programmes
- **Ph.D. :** Admission through Research Entrance Test.
- **D.Sc./D.Litt.**

PREPARATORY CLASSES ALONG WITH UG/PG PROGRAMMES
- Civil Services
- NET - USCMA

Learn. Perform. Lead.

SOME OF OUR DISTINGUISHED ALUMNAE

DISTINGUISHING FEATURES
- Hostel Facility
- Wi-Fi - Conveyance
- Placement Support
- NCC, NSS, Sports
- Extension Activities
- Extra & Co-Curricular Activities